IIM KASHIPUR

INDIAN INSTITUTE OF MANAGEMENT KASHIPUR

Kundeshwari, Kashipur, District - Udham Singh Nagar
Uttarakhand - 244713, India
www.iimkashipur.ac.in

cygnusadvertising.in

IIM KASHIPUR

वार्षिक प्रतिवेदन
2019-20

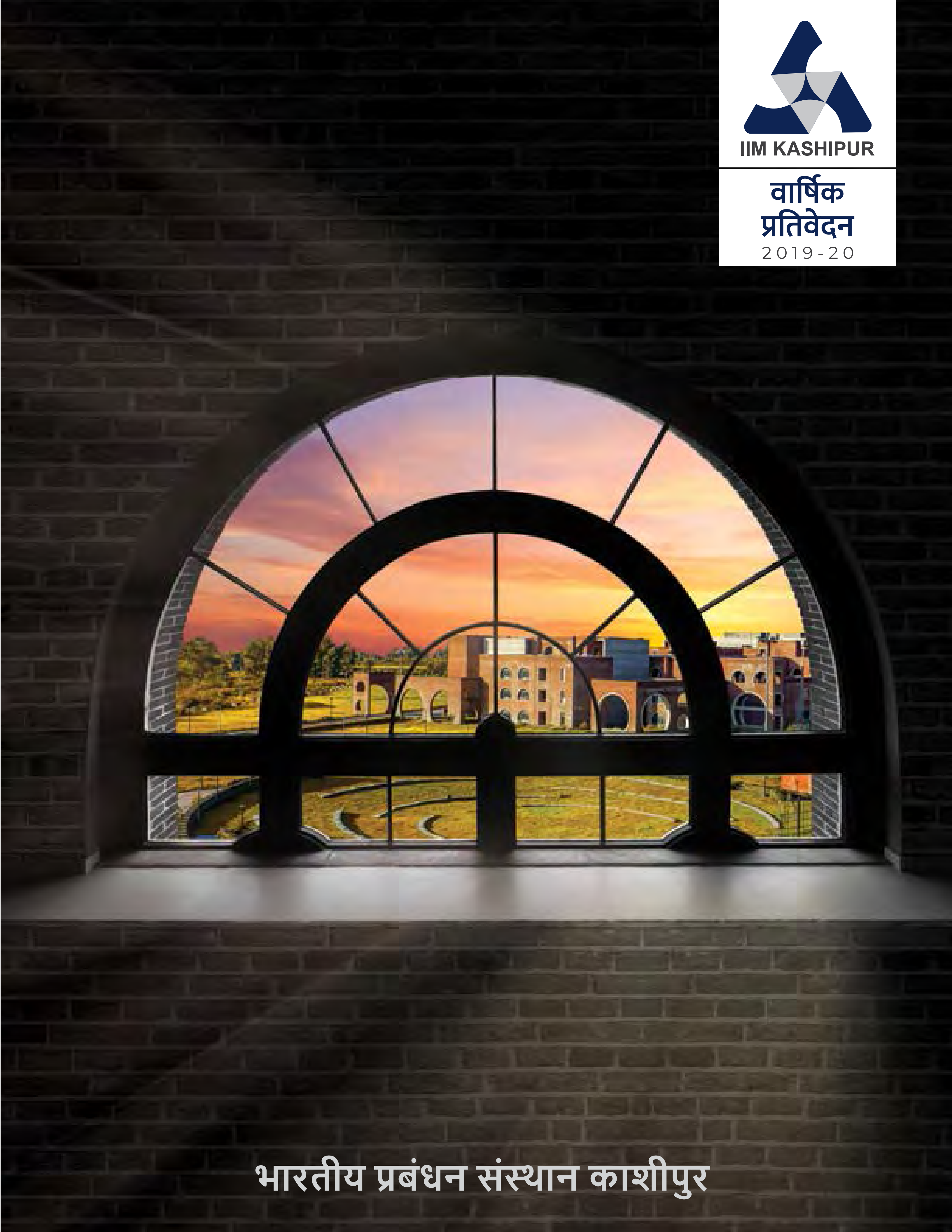

भारतीय प्रबंधन संस्थान काशीपुर

आईआईएम काशीपुर को **वैश्विक मानकों** का पालन करने के लिए लगातार प्रयास करने पर गर्व है और इसके पास इस हेतु एक मजबूत नीतिगत ढांचा है जो सभी **हितधारकों** की जरूरतों को पूरा करता है।

अनुक्रमाणिका

संस्थान के बारे में	2
निदेशक का संदेश	6
शैक्षणिक कार्यक्रम	10
▪ विद्यावाचस्पति	11
▪ प्रबंधन में कार्यकारी अध्येता कार्यक्रम	14
▪ व्यवसाय प्रशासन में स्नातकोत्तर	16
▪ व्यवसाय प्रशासन (एनालिटिक्स) में स्नातकोत्तर	21
▪ कार्यकारी व्यवसाय प्रबंधन में स्नातकोत्तर [(एमबीए(डब्ल्यूएक्स)]	23
अंतिम नियोजन प्रतिवेदन	25
ग्रीष्मकालीन नियोजन प्रतिवेदन	32
सार्वजनिक नीति में उत्कृष्टता केंद्र एवं सरकार	39
डिजाइन नवाचार केंद्र (डीआईसी) 'नवाशय'	43
नवाचार एवं उद्यमशीलता विकास फाउंडेशन (एफआईईडी)/ई-सेल	48
अंतर्राष्ट्रीय सम्बन्ध	52
प्रबंधन विकास कार्यक्रम	53
संकाय एवं शिक्षाविद	59
संकाय प्रकाशन/शोध-पत्र/सम्मेलन	63
विद्यार्थी परिषद	67
आईसीटी इन्फ्रास्ट्रक्चर	94
पुस्तकालय	96
आंतरिक शिकायत समिति का प्रतिवेदन	98
धारा 26 (3) के तहत कर्मचारियों के विवरण	97
धारा 26 (4) के तहत आरक्षण, योग्यता और प्रतिकूल टिप्पणी का विवरण	98
धारा 26 (1) (ख) राशियाँ, यदि कोई हो, जिसे वह अपने तुलन-पत्र में किसी भी अधिशेष आरक्षित में ले जाने का प्रस्ताव रखता है	98
आमदनी या व्यय को कम या अधिकता के प्रति लेखा परीक्षक धारा 26 (1) (ग) के तहत	98
संस्थान के संकाय सदस्यों और अन्य कर्मचारियों सहित पांच अधिकारियों के नाम जिन्हें उच्चतम पारिश्रमिक (ऐसे कर्मचारियों को दिए गए भत्ते और अन्य भुगतान सहित) धारा 26 (2) शामिल है	98
लेखा परीक्षा प्रतिवेदन एवं तुलन-पत्र	99

संस्थान के बारे में

भारतीय प्रबंधन संस्थान काशीपुर वर्ष 2011 में भारत सरकार द्वारा स्थापित एक दूसरी पीढ़ी का आईआईएम है। यह अभिनव शिक्षण पद्धतियों का उपयोग करके, उच्च गुणवत्तायुक्त अनुसंधान को प्रोत्साहित कर, सतत नेतृत्व के अभ्यास के माध्यम से प्रबंधन शिक्षा में उत्कृष्टता प्राप्त करने की अभिलाषा रखता है।

विजन

एक ऐसा श्रेष्ठ संस्थान बनना, जो प्रबंध शोध एवं शिक्षा को प्रोत्साहित करे और बदलती हुई दुनिया में सकारात्मक सामाजिक प्रभाव डालने के लिए मार्गदर्शकों को विकसित करे।

मिशन

यह संस्थान व्यावहारिक एवं अंतःविषयक अनुसंधान और प्रबंधन के उभरते क्षेत्रों में प्रथाओं के माध्यम से ज्ञान का सृजन और प्रसारित करने का प्रयास करता है। संस्थान सामाजिक रूप से सजग, सक्षम और नैतिक व्यावसायिक लीडर्स और शोधकर्ताओं को विकसित करता है, जो महत्वपूर्ण सोच, नवाचार एवं उद्यमशीलता में सक्षम के साथ ही क्षेत्रीय विकास और अंतर्राष्ट्रीयकरण दोनों पर समावेशी और ध्यान केंद्रित करते हैं।

आईआईएम काशीपुर शिक्षा एवं प्रबंधन क्षेत्र की सेवा के दस वर्षों का जश्न मनाते हुए अपने चार मूल मूल्यों: सहशासन, पारदर्शिता, हरित चेतना, सभी हितधारकों के साथ सक्रिय मेल-जोल के प्रति प्रतिबद्ध है। संस्थान का मानना है कि एक राष्ट्रीय महत्व के संस्थान के रूप में, प्रबंधन शिक्षा और सामाजिक परिवर्तन के क्षेत्र महत्वपूर्ण भूमिका निभाने हेतु अग्रसर है। हमारे रणनीतिक लक्ष्यों में शैक्षणिक पारिस्थितिकी तंत्र का सुधार; शैक्षिक सिद्धांत, अभ्यास, अनुसंधान मध्य सहक्रियता नवाचार, उद्यमशीलता और सार्वजनिक सेवा को प्रोत्साहन; स्थानीय हितधारकों का सशक्तिकरण; समाज में आर्थिक कठिनाइयों का सामना करनेवाले वर्गों के उत्थान; तथा लिंग विविधता शामिल हैं।

यह संस्थान अद्भुत प्राकृतिक सौन्दर्य से सुसज्जित है, जो कि शैक्षणिक दृढ़ता को एक विशिष्ट अनुभव प्रदान करता है। यह परिसर जिम कॉर्बेट नेशनल पार्क से महज 25 किलोमीटर दूर स्थित हिमालय की गोद में बसे शांत काशीपुर शहर में 200 एकड़ में फैला है। यह संस्थान 180 से अधिक उपक्रमों वाले घने औद्योगिक जिलों में से एक में स्थित है, जिन्होंने इस क्षेत्र में और उसके आसपास अपने संयंत्र स्थापित किए हैं। यह रणनीतिक भौगोलिक स्थिति आईआईएम काशीपुर के लिए तब काफी सुविधाजनक हो जाती है, जब उद्योगों के साथ नियमित इंटरैक्शन एवं लाइव प्रोजेक्ट्स करने की बात आती है।

संस्थान निम्नलिखित कार्यक्रम में शैक्षिक उत्कृष्टता को बढ़ावा देता है:

विद्यावाचस्पति
प्रबंधन में कार्यकारी अध्येता कार्यक्रम
व्यवसाय प्रशासन में स्नातकोत्तर
व्यवसाय प्रशासन (एनालिटिक्स) में स्नातकोत्तर
कार्यकारी व्यवसाय प्रबंधन में स्नातकोत्तर [(एमबीए(डब्ल्यूएक्स)]

एमबीए एवं एमबीए (एनैलिटिक्स) संस्थान के दो वर्षीय आवासीय पूर्णकालिक फ्लैगशिप कार्यक्रम हैं। एमबीए कार्यक्रम को हाल ही में उद्योग की अत्याधुनिक अवधारणाओं के आगे ले जाने के पुनर्रचित किया गया है, ताकि इसे कई नए मूल प्रस्तावों जैसे कि डिजाइन थिंकिंग एवं एक्सपेरिंशियल लर्निंग के माध्यम से विविध कौशल श्रेणी और दृष्टिकोण अत्याधुनिक रूप में विकसित किया जा सके। समालोचनात्मक चिंतन , नायकत्व एवं नायकत्व वादविचार जैसे अवकालक व समर्थक विधार्थियों के कौशल को भविष्य के लिए समृद्ध बनाते है। मूल रूप से विश्लेसकी पर केंद्रित, प्रस्तावित किये गए मूल एवं ऐच्छिक विषयक इन्हे दुर्जय व्यवसायिक विकल्प बनाते है।

एमबीए (एनैलिटिक्स) को 2020 में लॉन्च किया गया, जिसका उद्देश्य व्यावसायिक विश्लेषण शिक्षा को आकार देना और अधिक डेटा-जागरूक प्रबंधक बनाना है। इस कार्यक्रम को स्नातक कक्षा को एनैलिटिक्स और डेटा-आधारित प्रबंधन में उनकी विशेषज्ञता के पूरे सेक्टर्स में योगदान करने की अनुमति देने के लिए डिज़ाइन किया गया है। यह कार्यक्रम पूरे उद्योगों से सिद्धांत और अनुभव की मजबूत नींव के आधार पर प्रतिभागियों को सूक्ष्म अनुप्रयोग-अभिविन्यास से लैस करता है।

आईआईएम काशीपुर, मास्टर ऑफ़ बिज़नेस एडमिनिस्ट्रेशन फॉर वर्किंग एक्सेक्यूटिव (एमबीए (डब्ल्यूएक्स)) प्रदान करता है, जो दो साल का स्नातकोत्तर कार्यक्रम है, जो आईआईएम काशीपुर देहरादून कैंपस में सप्ताहांत के दौरान आयोजित किया जाता है और इसे विशेष रूप से मध्यम और वरिष्ठ स्तर के प्रोफेशनलों के लिए बनाया गया है। एमबीए (डब्ल्यूएक्स) का डिजिटल और सामाजिक स्थितियों, उद्योग के रुझानों और वैश्विक प्रथाओं के प्रति उन्मुखीकरण को मजबूत करके उद्यमशीलता और इंट्राप्रेन्योरियल रुझानों के साथ संरेखित करने के लिए भी पुनर्गठन किया गया है। यह कार्यक्रम एक्सेक्यूटिव एमबीए के विश्व स्तर पर स्वीकृत मानदंडों की पुष्टि करेगा, जो प्रतिभागियों को मूल्य-वृद्धि और उद्योगों, सेक्टर्स एवं भौगोलिक क्षेत्रों में योग्यता की स्वीकृति को बढ़ाएगा। इस कार्यक्रम में प्रतिभागियों के लिए ऐच्छिक और विकल्पों का एक समृद्ध मिश्रण है, जो सीखने की एक एकल यात्रा को डिजाइन करने के लिए है।

तेजी से बदलते कारोबारी माहौल के साथ तालमेल बिठाते हुए, आईआईएम काशीपुर नेतृत्व विकास, डेटा एनैलिटिक्स कौशल, पारस्परिक कौशल और क्रॉस-फ़ंक्शनल मैनेजमेंट कौशल के उद्देश्य से विशेष अल्पकालिक प्रबंधन विकास कार्यक्रम प्रदान करता है। संस्थान ने जीवन बीमा निगम (एलआईसी); तेल और प्राकृतिक गैस निगम (ओएनजीसी); इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आईओसीएल); इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वन अकादमी (आईजीएनएफए); भारत इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (बीईएल); राष्ट्रीय रक्षा उत्पादन अकादमी (एनएडीपी); नेशनल प्रोजेक्ट इम्पलिमेंटेशन यूनिट (एनपीआईयू); उत्तराखंड एकैडेमी ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन; राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एससीईआरटी), उत्तराखंड; मौलाना आज़ाद एजुकेशन फाउंडेशन, अल्पसंख्यक मामलों का मंत्रालय, भारत सरकार के साथ साझेदारी की है।

इसका एआई एवं मशीन लर्निंग में पोस्ट ग्रेजुएट सर्टिफिकेट कार्यक्रम तथा विभिन्न एक्सेक्यूटिव डेवलपमेंट कार्यक्रम जैसे एप्लाइड फाइनेंशियल रिस्क मैनेजमेंट, फाइनेंशियल डेटा एनैलिटिक्स, डिजिटल विपणन एंड एनैलिटिक्स, मैनेजिंग प्रोडक्ट्स एंड ब्रांडिंग, लॉजिस्टिक्स एंड सप्लाई चेन मैनेजमेंट एनैलिटिक्स, स्ट्रेटेजिक मैनेजमेंट तथा स्ट्रेटेजी एंड लीडरशिप प्रबंधकों को दक्ष एवं प्रासंगिक बने रहने के आवश्यक कौशल से सम्पन्न बनाते हैं।

आईआईएम काशीपुर शोध और आलोचनात्मक सोच पर बहुत बल देता है। मैनेजमेंट में डॉक्टरेट कार्यक्रम एक पूर्णकालिक आवासीय कार्यक्रम है जिसे अनुसंधान, शिक्षण और शैक्षणिक करियर के लिए प्रोफेशनलों की जरूरतों को पूरा करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। यह कार्यक्रम

बौद्धिक जिज्ञासा को प्रोत्साहित करता है और प्रतिभागियों को उच्च गुणवत्तायुक्त अनुसंधान करने के लिए प्रशिक्षित करता है। डॉक्टरल कार्यक्रम की अद्यतन डिज़ाइन इसे वर्तमान वैश्विक शैक्षणिक रुझानों के लिए संरेखित करता है। यह कार्यक्रम अत्याधुनिक अंतःविषय अनुसंधान प्रवृत्तियों और भविष्य के शिक्षण और प्रबंधन भूमिकाओं को विकसित करने के लिए प्रशिक्षण पर जोर देता है। इसे सिद्धांत, अवधारणाओं एवं अनुसंधान पद्धति के तीन मूल सिद्धांतों के आधार पर प्राप्त किया जाता है। यह कार्यक्रम विभिन्न क्षेत्रों में अनुसंधान और लेखन कौशल विकसित करते हुए अत्यधिक विशिष्ट कार्यक्रम को प्रस्तुत करने के लिए क्षेत्रों में पूर्ण लचीलेपन की अनुमति देता है कि संबंधित क्षेत्रों द्वारा कार्यक्रम प्रस्तुत किया जाता है।

इस संस्थान ने तीन उत्कृष्टता केंद्र स्थापित किए हैं जो छात्रवृत्ति, शिक्षा, प्रशिक्षण, अनुसंधान और परामर्श के परस्परच्छेद के रूप में सेवा करने के लिए परिकल्पित हैं, जो छात्रों और साथ ही सरकारी और निजी संस्थाओं की सेवा में एक सफलता संबंधी दृष्टिकोण रखते हैं। ये उत्कृष्टता केंद्र अंतःविषय कार्यक्रमों और अनुसंधान की सुविधा प्रदान करते हैं। वर्तमान में, ये तीन उत्कृष्टता केंद्र हैं: सेंटर ऑफ एक्सीलेंस ऑन पब्लिक पॉलिसी एंड गवर्नमेंट (सीओईपीपीजी), डिजाइन इनोवेशन सेंटर (डीआईसी), फाउंडेशन फॉर इनोवेशन एंड एंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट (एफआईईडी)। प्रत्येक केंद्र संस्थान के रणनीतिक लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए पारिस्थितिकी तंत्र को सक्षम करते हुए अत्याधुनिक अनुसंधान, नवाचार, उद्यमशीलता की भावना और स्थिरता के प्रति प्रतिबद्ध है।

आईआईएम काशीपुर नियोजन से कार्यात्मक कार्य तक, शैक्षणिक से गैर-शैक्षणिक गतिविधियों तक के लिए एक विद्यार्थी संचालित परिसर है, यहां प्रत्येक विषय के लिए एक छात्र निकाय है। विद्यार्थीगण विभिन्न प्रमुख कार्यक्रमों जैसे कि अग्नित्रय - वार्षिक सांस्कृतिक उत्सव; टेडएक्स; प्रबंधन कॉन्क्लेव; उत्तिष्ठ - वार्षिक उद्यमिता शिखर सम्मेलन; तेजस - लीडरशिप टॉक सीरीज़ और एमबीए व्याख्यान श्रृंखला का आयोजन करते हैं।

संस्थान का एक सुदृढ़ विद्यार्थी विनिमय कार्यक्रम है। इसने दुनिया भर के प्रमुख प्रबंधन संस्थानों जैसे ऑल्बॉर्ग यूनिवर्सिटी, डेनमार्क ; अल्बा ग्रेजुएट बिजनेस स्कूल, ग्रीस; एसडेस, ल्योन, फ्रांस; तेल अवीव यूनिवर्सिटी, इज़राइल; यूनिवर्सिटी ऑफ लीमा, पेरू; वुओसॉन्ग यूनिवर्सिटी, दक्षिण कोरिया; लिनियस यूनिवर्सिटी, स्वीडन; सूको यूनिवर्सिटी, ताइवान; सालफोर्ड यूनिवर्सिटी, यूके; एफपीटी, वियतनाम; एशियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, थाईलैंड; और सीटीबीसी बिजनेस स्कूल, ताइवान के साथ गठबंधन किया है। आईआईएम काशीपुर एएसीएसबी (एसोसिएशन टू एडवांस कॉलेजिएट स्कूल ऑफ बिजनेस) और ईक्यूयूआईएस (ईएमएफडी क्वालिटी इंप्रूवमेंट सिस्टम) का सदस्य है।

संस्थान के पास पूर्व विद्यार्थियों का समृद्ध नेटवर्क है जो विभिन्न पृष्ठभूमि के युवा प्रबंधन पेशेवरों से परिपूर्ण है। इन सभी ने संस्थान की ब्रांड इक्विटी को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। वे सक्रिय रूप से अपने समृद्ध अनुभवों को साझा करने, लाइव प्रोजेक्ट, इंटर्नशिप और नियोजन प्रदान करने में संलग्न हैं। आईआईएम काशीपुर प्रत्येक पूर्व विद्यार्थी के साथ अपने आजीवन संबंध को पोषित करता है।

संस्थान को एक प्रतिबद्ध कर्मचारी समूह द्वारा संचालित किया जाता है जो हितधारकों की सेवा करते हुए परिसर और प्रत्येक कार्यालय को अपनी क्षमता के अनुसार काम करने के लिए अथक रूप से काम करता है। हमारे अधिकांश कर्मचारियों ने आईआईएम काशीपुर को बनाने और आगे बढ़ाने में पर्याप्त समय और प्रयास का योगदान दिया है।

आईआईएम काशीपुर वैश्विक मानकों का पालन करने के लिए लगातार प्रयास कर रहा है और इसके लिए एक मजबूत नीतिगत ढांचा है जो सभी हितधारकों की जरूरतों को पूरा करता है।

निदेशक का संदेश

आईआईएम काशीपुर राष्ट्र एवं समाज की सेवा के प्रति बड़े पैमाने पर निरंतर प्रयासरत है। वर्ष 2011 में अपनी स्थापना के बाद से ही, आईआईएम काशीपुर भारत में प्रबंधन शिक्षा के लिए शीर्ष गंतव्यों में से एक के रूप में उभरा है। इसका ध्यान अद्वितीय रूप से निरंतर सीखने, प्रदर्शन केंद्रित मूल्यों एवं नवीन शिक्षण विधियों पर है। तकनीकी-संचालित प्रबंधकों का उत्पादन करने की अपनी खोज में, आईआईएम काशीपुर ने उद्योग में समकालीन प्रथाओं से मेल खाने के लिए अपने आपको लगातार विकसित किया है।

वर्ष 2019-2020 विशेष रूप से महत्वपूर्ण था, क्योंकि दीर्घकालिक प्रोग्राम्स (एमबीए, पीएचडी, एक्सेक्यूटिव एमबीए) की समीक्षा के लिए ठोस प्रयास शुरू किए गए थे और हमने एक नया कार्यक्रम (एमबीए एनैलिटिक्स) शुरू किया।

आईआईएम काशीपुर के संचालन परिषद के निर्देशन में, शैक्षणिक नीतियों एवं भर्ती संचालन में मानकों तथा संकाय सदस्यों की प्रगति और अपेक्षित शैक्षणिक लक्ष्यों को स्थापित करने में सुधार किया गया। संक्षेप में कहें तो, इसकी स्थापना के बाद से शैक्षणिक कार्यक्रमों और नीतियों में पहला बड़ा बदलाव किया गया। मैं गर्व के साथ इस वर्ष के दौरान अपनी उल्लेखनीय उपलब्धियों पर एक टिप्पणी प्रस्तुत करता हूं।

एमबीए कार्यक्रम की पहली औपचारिक समीक्षा दिसंबर 2019 में शुरू की गई थी। यह रणनीतिक लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा में एक आवश्यक कदम था। एमबीए की समीक्षा समिति में एमबीए शिक्षा में विख्यात एवं अति अनुभवी सदस्यगण (आईआईएमए, आईआईएमबी, एवं आईआईएमसी से) शामिल थे। इस समिति का आदेश प्रतिभागियों के कार्यभार को युक्तिसंगत बनाना, अत्याधुनिक उद्योग प्रवृत्तियों का प्रतिनिधित्व करने के लिए कार्यक्रम संरचना, सामग्री और डिलीवरी को अद्यतन करना तथा कार्यक्रम को अधिक नियोजन-उन्मुख बनाने के लिए हमारे वैकल्पिक प्रस्तावों को अपग्रेड करना था। संस्थान ने अपने पाठ्यक्रम को अनुभवात्मक अधिगम से जोड़कर और वास्तविक दुनिया की समस्याओं को हल करके भविष्य की प्रबंधन शिक्षा को अपनाना सुनिश्चित किया।

एमबीए कार्यक्रम के प्रथम वर्ष के मुख्य पाठ्यक्रम फिर से डिजाइन किए गए हैं ताकि उन्हें अधिक प्रासंगिक और अधिक व्यवसायिक बनाया जा सके ताकि महत्वपूर्ण सोच और नवाचार पर जोर दिया जा सके। यह कार्यक्रम आईआईएम काशीपुर के मिशन में से एक है, जो आकर्षित करता है - नवाचार और उद्यमशीलता को प्रोत्साहित करने के लिए। यह एक ऐसे पारिस्थितिकी तंत्र की परिकल्पना करता है जो सामाजिक विकास और क्षेत्रीय आकांक्षाओं को बढ़ावा देता है और यह नए "फ्लेक्सी कोर एक्सपेरिमेंटर लर्निंग" पाठ्यक्रमों के माध्यम से भी समर्थित है। यह संस्थान की कई रणनीतिक योजनाओं के साथ संरेखित करता है - प्रबंधन के उभरते क्षेत्रों में सीखने और अभ्यास को बढ़ावा देना। समिति ने शैक्षणिक गतिविधियों, विद्यार्थी गतिविधियों और नियोजन वास्तविकताओं के अभिसरण की मांग की है तथा समाज और व्यापार में उभरते मुद्दों पर अधिक ध्यान केंद्रित करते हुए नए ऐच्छिक की एक संकेत सूची का सुझाव दिया है। इस एमबीए कार्यक्रम की समीक्षा से सीखकर, एक्सेक्यूटिव एमबीए एवं पीएच. डी. कार्यक्रम की समीक्षा प्रक्रिया भी शुरू की गई, जिसका उद्देश्य तीन डिग्री प्रदानकारी प्रोग्राम्स के संशोधित पाठ्यक्रम संरचना एवं पाठ्यचर्या के साथ शैक्षणिक वर्ष 2020-2021 शुरू करना था।

हमने उद्योग जगत की बढ़ती मांगों को पूरा करने के लिए वर्ष 2019-20 में एनैलिटिक्स लैब की स्थापना की। एनैलिटिक्स लैब का मुख्य उद्देश्य इंटर-डिसिप्लीनरी अध्ययन तथा संस्थान, विद्यार्थियों एवं उद्योग के लिए उपयोगी क्षमताओं और कार्यक्रमों को विकसित करने में सहायता करना है। संस्थान का उद्देश्य अनुसंधान, परामर्श, संकाय विकास कार्यक्रमों एवं कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रमों में अवसरों का लाभ उठाना है। फरवरी 2020 में शुरू किए गए, दो-वर्षीय एमबीए (एनैलिटिक्स) कार्यक्रम में 60 प्रतिभागियों ने प्रवेश लिया है। इस कार्यक्रम की मुख्य विशेषताओं में से एक यह है कि इसमें दूसरे वर्ष में निरंतर व्याख्यान घटक है जो संभावित शोध लेखों को आगे बढ़ाएगा। इसके अलावा, इस प्रोग्राम में एक सुदृढ़ अभ्यास-आधारित

शिक्षण अभिविन्यास है; उम्मीद है कि 25% ऐच्छिक उद्योग से प्रतिष्ठित प्रैक्टिशनर्स द्वारा प्रदान किया जाएगा।

संस्थान एमबीए प्रोग्राम में पात्र विद्यार्थियों को 100%, 50% और 25% की सीमा तक नीड-कम-मेरिट स्कॉलरशिप्स प्रदान कर रहा है। जरूरतमंद विद्यार्थियों के लिए छात्रवृत्ति के महत्व तथा विद्यार्थियों के प्रदर्शन एवं संस्थान की शैक्षणिक संस्कृति पर पूर्ण छात्रवृत्ति के सकारात्मक प्रभाव को देखते हुए, बोर्ड ने एमबीए स्कॉलरशिप की एक संशोधित योजना को मंजूरी दे दी, जिसमें केवल नीड-कम-मेरिट स्कॉलरशिप के अलावा, संस्थान ने तीन अलग-अलग श्रेणियों : नीड-बेस्ड स्कॉलरशिप, नीड कम मेरिट स्कॉलरशिप और मेरिट स्कॉलरशिप में 23+ छात्रवृत्ति शामिल हैं। इन छात्रवृत्तियों में 100% शिक्षण शुल्क छूट शामिल है और यह शैक्षणिक वर्ष 2020-2021 से लागू है।

यह संस्थान पीएचडी प्रोग्राम में उज्ज्वल और उच्च शोध-उन्मुख उम्मीदवारों को आकर्षित करने के लिए अन्य आईआईएम के समान पीएचडी अध्येताओं को वित्तीय सहायता प्रदान करता है। संस्थान के संचालक मंडल ने योग्य आरक्षित श्रेणी के उम्मीदवारों की संख्या को बढ़ाने के लिए एनसी-ओबीसी, अजा / अजजा, अपिव एवं पीडब्ल्यूडी श्रेणी से संबंधित पीएचडी उम्मीदवारों के लिए आवश्यक न्यूनतम अंकों में 5% छूट को मंजूरी दी। पीएचडी प्रवेश आरक्षण नीति 2020 में आवश्यक बदलाव शामिल किए गए हैं।

संकाय सदस्यों एवं पीएचडी अध्येताओं ने वर्ष 2019-2020 में सह-समीक्षित पत्रिकाओं में 38 शोध पत्र प्रकाशित किए हैं। **संस्थान के शासक मंडल ने 2019–2020 के दौरान संकाय कार्य मानदंड, कैरियर विकास, और परिवीक्षा पुष्टि नीतियों पर शोध में स्पष्ट ध्यान केंद्रित करने के लिए उपाय किए हैं। अध्येताओं को एक शोध लक्ष्य भी दिया जाता है जो पीएचडी डिग्री प्रदान करने का आधार बनता है।**

संस्थान का सेंटर ऑफ एक्सलेंस (उत्कर्ष केंद्र) संस्थान के शैक्षणिक प्रयासों के साथ-साथ इसकी आउटरीच गतिविधियों में योगदान करते हैं। वर्ष 2019–2020 में, फाउंडेशन फॉर इनोवेशन एंड एंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट (एफआईईडी) ने कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के तहत एक व्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए भारत भर से 37 सर्वश्रेष्ठ स्टार्ट-अप के अपने पहले कोहर्ट का एक इंक्यूबेशन कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजित किया। इसने 20 अक्टूबर, 2019 को एक स्टार्टअप एक्सपो (उत्तिष्ठा 19) का आयोजन किया, जिसे स्टार्टअप उत्तराखंड और पीएचडी चैंबर्स के सहयोग से आयोजित किया गया। इस एक्सपो का उद्घाटन उत्तराखंड के माननीय मुख्यमंत्री द्वारा किया गया था। इस आयोजन में नाबार्ड और स्टार्टअप उत्तराखंड द्वारा नामांकित लोगों सहित 60 से अधिक स्टार्टअप और व्यवसायों ने भाग लिया। इस एक्सपो में 6,000 से अधिक लोगों की उपस्थिति हुई। एफआईईडी को 2019-2020 के दौरान लगभग 3 करोड़ रुपये का अनुदान प्राप्त हुआ।

इस सेंटर ऑफ एक्सलेंस इन पब्लिक पॉलिसी एंड गवर्नमेंट ने सामाजिक विज्ञान में नीति अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा शुरू की गई तथा भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद द्वारा कार्यान्वित इम्पैक्टफुल पॉलिसी रिसर्च इन सोशल साइंस (इम्प्रेस) स्कीम के तहत रु. 10 लाख का एक परियोजना अनुदान प्राप्त किया।

द डिजाइन इनोवेशन सेंटर (नवाशय - डीआईसी), जो कि हमारे सेंटर फॉर एक्सलेंसेज (उत्कृष्टता केंद्र) में एक नया संयोजन है, का उद्घाटन 3 सितंबर 2019 को किया गया। यह डीआईसी मानव संसाधन विकास मंत्रालय (एमएचआरडी) द्वारा देश में स्थापित किए जा रहे बीस डीआईसी में से एक है। डीआईसी का उद्देश्य मुख्य रूप से उत्तर-पश्चिम हिमालयी क्षेत्र और अन्य राष्ट्रीय प्राथमिकता वाले क्षेत्रों की समस्याओं को दूर करके संस्थान में एक डिजाइन और नवाचार संस्कृति विकसित करना है। यह हब और स्पोक मॉडल के तहत संचालित होता है। आईआईटी रुड़की एक हब के रूप में

कार्य करता है। इसमें तीन स्पोक्स हैं: एनआईटी उत्तराखंड, जीबी पंत यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चर एंड टेक्नोलॉजी तथा आईआईएम काशीपुर। डीआईसी ने डिजाइन थिंकिंग कल्चर को सुविधाजनक बनाने के लिए तीन प्रोग्राम शुरू किए हैं: एचईएलपी (हिमालयन एजुकेशन लर्निंग प्रोग्राम), जो किसी भी शैक्षणिक संस्थान को वास्तविक जीवन के अनुभवों के माध्यम से अपने डिजाइन थिंकिंग ज्ञान को समृद्ध करने के लिए सहायता प्रदान करता है; एचयूएम (हिमालयन अपलिफ्टमेंट मूवमेंट), जो जरूरत में स्टार्ट-अप को अभियांत्रिकी / प्रबंधन और डिजाइन सेवाओं का दान करने के लिए बनाए गए नए स्टार्ट-अप को सहयोग करता है; और एचआईएलएल (हिमालयन इनोवेशन ऑफ लैंड टू लैब्रॉटरी), जो स्थानीय लोगों को नवीन उत्पादों को विकसित करने के लिए प्रोत्साहित करता है तथा किसी भी व्यक्ति का अपने अभिनव विचार / डिजाइन के साथ डीआईसी के पास आने का स्वागत किया जाता है।

संस्थान ने तेल एवं प्राकृतिक गैस निगम, भारतीय जीवन बीमा निगम, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड, राष्ट्रीय परियोजना कार्यान्वियन इकाई, उत्तराखंड प्रशासन अकादमी, अल्पसंख्यक मामलों के मंत्रालय तथा राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एससीईआरटी) उत्तराखंड के लिए 25 मैनेजमेंट डेवलपमेंट प्रोग्राम (एमडीपी) शुरू किए। आठ और ऑनलाइन एक्सेक्यूटिव डेवलपमेंट प्रोग्राम भी किए गए। दुर्भाग्य से, कोविड-19 के प्रकोप के कारण फरवरी-मार्च 2020 के दौरान लगभग 10 एमडीपी रद्द कर दिए गए थे।

संस्थान के संकाय सदस्यों ने 2019-20 में भारत सरकार के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के विदेश व्यापार महानिदेशालय के लिए "इम्पैक्ट एसेस्मेंट स्टडी ऑफ इंटरेस्ट इक्वैलाइजेशन स्कीम ऑन एक्सपोर्ट प्रोमोशन एंड इट्स फर्दर कंटिनुएशन" पर एक कंसलटेंसी को पूरा किया है। इस कंसलटेंसी पर आधारित सिफारिशों को, माननीय वित्त मंत्री द्वारा केंद्रीय बजट भाषण 2020-2021 में परिलक्षित किया गया, जिसे "डिजिटल इंसेंटिव डिस्ट्रिब्यूशन मेकैनिज्म यूजिंग अ सेंट्रलाइज्ड डेटाबेस टू बी इम्पलिमेंटेड" और "अ न्यू स्कीम ऑफ रु. 1000 करोड़ विल लॉन्च्ड टू फैसिलिटेट टेक्नोलॉजी अपडेशंस, आर एंड डी, इम्पलिमेंटेशन ऑफ बिजनेस स्ट्रैटेजी इन सिलेक्टेड सेक्टर्स" के रूप में पढ़ा गया। भारत सरकार के वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के समुद्री उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण द्वारा "इवैलुएशन ऑफ सेंट्रल सेक्टर स्कीम्स ऑफ एमपीईडीए" पर एक परामर्श परियोजना भी प्रदान की गई।

हमारे कार्यक्रमों में वैश्विक परिप्रेक्ष्य लाने के लिए, आईआईएम काशीपुर ने 2019-2020 में छह विश्वविद्यालयों के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। ये विश्वविद्यालय लिनियस यूनिवर्सिटी, स्वीडन; सूको यूनिवर्सिटी तथा सीटीबीसी बिजनेस स्कूल, ताइवान; कर्दन यूनिवर्सिटी, अफगानिस्तान; टरीबा यूनिवर्सिटी, लातविया; तथा यूनिवर्सिटी ऑफ लीमा , पेरू है। संस्थान विद्यार्थी विनिमय कार्यक्रम से परे अंतरराष्ट्रीय गठबंधन के दायरे का विस्तार करने और अनुसंधान सहयोग तथा अन्य शैक्षणिक कार्यक्रमों को शामिल करने के लिए प्रयास कर रहा है।

हमारे विद्यार्थीगण उत्सुकता से कॉरपोरेट प्रतियोगिताओं में भाग लेते हैं, जो संस्थान को कॉरपोरेट क्षेत्र में अपने पदचिह्न का विस्तार करने में मदद करते हैं। **वर्ष 2019-2020 विशेष था क्योंकि हमारे विद्यार्थियों ने अच्छी संख्या में कॉर्पोरेट प्रतियोगिताओं में सफलता हासिल की, जिसमें आईसीआईसीआई बीट - द कर्व चैलेंज 2019, एयरटेल आईक्रिएट प्रोडक्ट चैलेंज 2019, कीटो फिनटेक चैम्पियनशिप, इंटेलेक्ट वनप्लस ईटी प्राइम इंटेलेक्ट 2020, इंडिया मार्ट बडा आसन है प्रतियोगिता, तथा टीवीएस क्रेडिट ई. पी. आई.सी.- एनैलिटिक चैलेंज शामिल था। तीन कॉर्पोरेट प्रतियोगिताओं में, हमारे विद्यार्थियों को पहला रनर अप (टीवीएस क्रेडिट ई.पी.आई.सी. - स्ट्रेटेजी चैलेंज), दूसरा रनर अप (टीवीएस क्रेडिट ई.पी.आई.सी. - एनालिटिक चैलेंज), और कैंपस विजेता (गेट सेट - गो- फ्यूचर जेनेरेली द्वारा एक केस स्टडी प्रतियोगिता) के रूप में चुना गया।** इसके अलावा, हमारे विद्यार्थियों को टैनग्राम - द पिरामल चैलेंज, एल एंड टी आउटथिंक 2019, और वर्चुसा बिजनेस सिफर चैलेंज के लिए नेशनल फाइनलिस्ट घोषित किया गया। वे रिलायंस टी.यू.पी. 5, एजीएस हॉरिजन 2019, केपीएमजी आइडिएशन चैलेंज, इंफॉसिस इंजेनियस 2019 के लिए नेशनल सेमी-फाइनलिस्ट भी थे। वे आरबीआई पॉलिसी चैलेंज 2020 के लिए जोनल विजेता थे।

हमारे विद्यार्थियों की ऐसी उपलब्धियों ने नियोक्ताओं से अच्छी प्रतिक्रिया प्राप्त की है। वर्ष 2019–2020 में, 96 भर्तीकर्ताओं ने नियोजन प्रक्रिया में भाग लिया और उन्होंने बीएफएसएल, कंसल्टिंग, स्ट्रैटेजी, सेल्स एंड विपणन, ऑपरेशंस, एचआर, आईटी और एनैलिटिक्स सहित विभिन्न डोमेन में स्नातक बैच को 252 भूमिकाएं प्रदान की हैं। इसमें, औसत सीटीसी 13.82 लाख रुपये प्रति वर्ष (एलपीए) था और अधिकतम घरेलू सीटीसी 45 लाख रुपये प्रति वर्ष (एलपीए) था। स्नातक बैच के शीर्ष 30% का औसत सीटीसी रु.19.88 एलपीए था।

हम इस बात पर प्रकाश डालना चाहते हैं कि संस्थान को वित्तीय वर्ष 2019-20 में भारत सरकार से कोई पूंजी या राजस्व अनुदान नहीं मिला है। इसलिए, संस्थान अपने दैनिक खर्चों को कम करने के लिए प्रयास करने के लिए तैयार था। एमबीए प्रोग्राम पर खर्च को नियंत्रित

करने के लिए विशेष प्रयास किए गए। हालांकि, कम से कम 50 और विद्यार्थियों के भर्ती होने से विद्यार्थियों की संख्या 460 से 510 हो जाने के बावजूद 'प्रति विद्यार्थी व्यय' कम रखा गया था। वित्तीय वर्ष 2019-20 में, संस्थान का कुल राजस्व व्यय, मूल्यह्रास को छोड़कर, पिछले वर्ष के 33.58 करोड़ के मुकाबले 35.60 करोड़ रुपये रखा गया था , जो कि पिछले वर्ष की तुलना में 6% की बढ़त के साथ रु. 2.02 करोड़ की वृद्धि है। उल्लेखनीय है कि संस्थान ने अपनी गतिविधियों से राजस्व आय में पिछले वर्ष के 36.21 करोड़ रुपये की तुलना में इस वर्ष 4.33 करोड़ रुपये बढ़कर रु. 40.54 करोड़ रुपये पहुंचाई है, जो कि पिछले वर्ष की तुलना में 12% की बढ़त है। संस्थान द्वारा अपनी राजस्व गतिविधि के माध्यम से उत्पन्न कुल अधिशेष वर्ष के लिए 14.33 करोड़ रुपये है।

मुझे आशा है कि यह प्रतिवेदन संस्थान की प्रगति को सही दिशा में प्रदर्शित करता है। मैं इस प्रयास में संस्थान के संकाय सदस्यों, अधिकारियों, कर्मचारियों और विद्यार्थियों को उनके सम्मिलित योगदान के लिए धन्यवाद देता हूं। मैं विशेष रूप से आईआईएम काशीपुर के शासक मंडल, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार और उत्तराखंड सरकार को उनके निरंतर सहयोग के लिए धन्यवाद देता हूं। मैं समाज के विभिन्न वर्गों से उन सभी हितधारकों के प्रति आभार प्रकट करता हूँ, जिन्होंने संस्थान के वांछित उत्थान एवं विकास देखने के लिए अपने समय एवं संसाधन को समर्पित किया है।

कुलभूषण बलूनी
प्रोफेसर एवं निदेशक

शैक्षणिक कार्यक्रम

भारतीय प्रबंधन संस्थान काशीपुर चार लंबी अवधि के कार्यक्रम प्रस्तुत करता है - मास्टर इन बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (एमबीए), डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी (पीएचडी), एक्सेक्यूटिव मास्टर इन बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (एमबीएडब्ल्यूएक्स) तथा मास्टर इन बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (एनालिटिक्स) {एमबीए (एनालिटिक्स)}।

31 मार्च 2020 को पीएचडी विद्यार्थियों का क्षेत्रवार विवरण

ओबी-एचआर	4
वित्त	6
आईटी	2
संप्रेषण	1
विपणन	6
ओपी-प्रबंधन	9
रणनीतिक प्रबंधन	3
अर्थशास्त्र	3

विद्यावाचस्पति

आईआईएम काशीपुर में डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी (विद्यावाचस्पति) उन लोगों को एक अवसर प्रदान करता है जो प्रबंधन के विषय में शोध करके प्रबंधन विज्ञान के क्षेत्र में योगदान करना चाहते हैं। इस कार्यक्रम का लक्ष्य प्रतिभागियों को प्रशिक्षण, शोध और परामर्श में योगदान करने के लिए तैयार करना है। यह प्रबंधन में एक अद्वितीय पीएच.डी. कार्यक्रम है। इसे प्रबंधन में डॉक्टरेट प्रतिभागियों को गहरा ज्ञान प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। कार्यक्रम में प्रतिभागियों को एक तरफ प्रबंधन अनुसंधान के प्रासंगिक कार्यप्रणाली उपकरण और दूसरी ओर प्रबंधन ज्ञान की वर्तमान निकाय की प्रगति में मास्टर करने के लिए सक्षम करने का दो गुना उद्देश्य है। यह पीएचडी ट्रैक शैक्षणिक दुनिया के बाहर शैक्षणिक या (अनुसंधान) पदों पर कैरियर की संभावनाएं प्रदान करता है। कार्यक्रम का कठोर पाठ्यक्रम एक शैक्षणिक कैरियर के लिए पर्याप्त प्रशिक्षण प्रदान करता है और प्रतिभागियों को अपने संबंधित क्षेत्रों में अनुसंधान गतिविधि पर एक अमिट छाप बनाने का अवसर देता है। यह कार्यक्रम प्रबंधन के विभिन्न क्षेत्रों में विशेषज्ञता प्रदान करता है। कार्यक्रम में प्रतिभागियों ने नियमित रूप से अनुसंधान और प्रकाशनों के माध्यम से ज्ञान में योगदान दिया है।

कार्यक्रम में चार प्रमुख चरण होते हैं:

क) पाठ्यक्रम कार्य का पहला वर्ष;

ख) पाठ्यक्रम कार्य का दूसरा वर्ष;

ग) सभी पाठ्यक्रम कार्य के अंत में, किसी भी विद्यार्थी को एक व्यापक परीक्षा देनी होगी;

घ) थीसिस कार्य।

प्रथम वर्ष के अंत में (यथा टर्म ।।। के अंत में), सीआईएस / समर प्रोजेक्ट के अंत में और दूसरे वर्ष के अंत में (यथा टर्म VI के अंत में) क्वालिफाइंग सीजीपीए 10 अंक के पैमाने पर कम से कम 7.0 (A+: 10; A: 9; B+:8; B: 7 एवं उसी प्रकार) होना चाहिए, जो कि व्यापक परीक्षा के लिए पात्रता होगी। विद्यार्थियों को हर साल जुलाई के पहले सप्ताह में कार्यक्रम में प्रवेश दिया जाता है।

वाचस्पति अध्येता के लिए सम्मेलन / कार्यशाला का विवरण (01 अप्रैल 2019 से 31 मार्च 2020 तक)

अध्येता का नाम	बैच	क्षेत्र	सम्मेलन का नाम / स्थान	शोध-पत्र का शीर्षक	राष्ट्रीय या अंतर्राष्ट्रीय
हरमनजीत सिंह	2018-22	विपणन	पैन आईआईएम वर्ल्ड मैनेजमेंट कॉन्फ्रेंस	स्टडी ऑफ डेवियंट बिहेवियर इन 'शेयरिंग एकॉनमी' - आइडियाज फॉर रेग्युलेटरी बॉडीज इन इंडिया	राष्ट्रीय
हरमनजीत सिंह	2018-22	विपणन	आईसीडीई	यूज़र-जेनरेटेड काँटेंट इन लग्जरी फैशन केटेगरी. अ लिटरेचर रिव्यू	राष्ट्रीय
अभिषेक यादव	2018-22	विपणन	आईसीडीई	यूज़र-जेनरेटेड काँटेंट इन लग्जरी फैशन केटेगरी. लिटरेचर रिव्यू	राष्ट्रीय
लीना सचदेवा	2015-19	ओबी-एचआर	6ठां इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन वीमन इशुज इन ट्रांसपोर्टेशन	द जेंडर गॅप इन एशिया'ज लार्जेस्ट रेलवे नेटवर्क: इन्वेस्टिगेटिंग विमन एंप्लायीस, मॅनेज्मेंट एंड ट्रेड यूनियन्स' रेस्पॉन्स	अंतर्राष्ट्रीय
असगर अली	2017-21	वित्त	कैपिटल मार्केट कॉनफ्रेंस	बिटा अनॉमली: एविडेन्स फ्रॉम इंडियन ईक्विटी मार्केट	राष्ट्रीय
असगर अली	2017-21	वित्त	पैन आईआईएम वर्ल्ड मैनेजमेंट कॉन्फ्रेंस	नॉन-लीनीयर रिस्क-रिटर्न रिलेशन्षिप: एविडेन्स फ्रॉम इंडियन ईक्विटी मार्केट	राष्ट्रीय

अध्येता का नाम	बैच	क्षेत्र	सम्मेलन का नाम / स्थान	शोध-पत्र का शीर्षक	राष्ट्रीय या अंतर्राष्ट्रीय
असगर अली	2017-21	वित्त	इंडिया फाइनैंस कॉन्फ्रेंस	लो-रिस्क अनॉमली: एविडेन्स फ्रॉम इंडियन ईक्विटी मार्केट	राष्ट्रीय
पूर्णिमा खेमानी	2018-22	वित्त	इंटरनेशनल कान्फरेन्स ऑन एकनॉमिक्स एंड फाइनान्स-2,	फॅक्टर्स अफेक्टिंग द क्रेडिट रिस्क ऑफ मिकरोफ़िनँसे इन्स्टिट्यूशन्स इन इंडिया	राष्ट्रीय
तपब्रत पाल	2018-22	ऑपरेशंस	7th इंटरनेशनल कान्फरेन्स ऑन बिजनेस एनैलिटिक्स एंड इंटेलिजेन्स, बैंगलोर; पॉम्स इंटरनेशनल कान्फरेन्स 2019, केज सोमैया, मुंबई में	अडॉप्षन ऑफ आईओटी टेक्नॉलजीस इन फुड सप्लाइ चैन इन एमर्जिंग एकॉनमीज एंड इंटरनेट ऑफ थिंग्स एंड फुड सप्लाइ चैन मॅनेज्मेंट : ए बिब्लियोमेट्रिक स्टडी	राष्ट्रीय
मनीष बंसल	2017-21	वित्त	पैन आईआईएम वर्ल्ड मैनेजमेंट कॉन्फ्रेंस	क्लॅसिफिकेशन शिफ्टिंग अराउंड द कॉर्पोरेट इवेंट्स बाइ इंडियन फर्म्स.	राष्ट्रीय
असित त्रिपाठी	2017-21	ऑपरेशंस	13th ऐन्यूयल आईएसडीएसआई कान्फरेन्स	प्रिस्क्रिप्टिव मॉडेलिंग फॉर टके-बॅक पॉलिसी इन्स्ट्रुमेंट्स: ए सर्क्युलर एकॉनमी व्यू	राष्ट्रीय
अनुराग कुलश्रेष्ठ	2018-22	आईटी	6th इंटरनेशनल कान्फरेन्स ऑन बिज़नेस अनलयटिक्स एंड इंटेलिजेन्स, बैंगलोर	सपोर्ट वेक्टर रिग्रेशन विद् बायसियन अप्टिमाइज़ेशन फॉर टूरिसम डिमँड फोरकॅस्टिंग	राष्ट्रीय
हिमांशु शर्मा	2018-22	आईटी	7th इंटरनेशनल कान्फरेन्स ऑन बिज़नेस अनलयटिक्स एंड इंटेलिजेन्स, बैंगलोर	इंप्रूव्ड टेक्स्ट समराइजेशन यूज़िंग डीप लर्निंग (एलएसएटीएम): ए फ्रेम्वर्क फॉर बिजनेस अप्लिकेशन	राष्ट्रीय
आदित्य कुमार साहू	2016-20	ऑपरेशंस	प्रोडक्शन एंड ऑपरेशन्स मॅनेज्मेंट सोसाइटी	अंडरस्टँडिंग डिटर्मीनँट्स एंड बॅरियर्स ऑफ लीन मॅन्यूफॅक्चरिंग अडॉप्षन इन एसएमई	राष्ट्रीय
श्री राहुल सुधाकर	2017-21	स्ट्रैटेजी	2nd इंटरनेशनल कान्फरेन्स आईआईटी बॉम्बे	वाइ नर्सिसिस्ट्स अरे अट्रॅक्टेड टू आंट्रप्रेन्योरशिप ऐज अ करियर? एन इन्वेस्टिगेशन यूज़िंग द थियरी ऑफ प्लान्ड बिहेवियर.	राष्ट्रीय
सुश्री पूर्णिमा खेमानी	2018-22	वित्त	आईआईएम उदयपुर	वर्क शॉप रिलेटेड टू फाइनान्स एरिया	राष्ट्रीय
रूपेंद्र रूपक	2017-21	विपणन	आईआईएम रोहतक	वर्क शॉप रिलेटेड टू विपणन एरिया	राष्ट्रीय
मनीष बंसल	2017-21	वित्त	आईआईएम अहमदाबाद	अप्रयोज्य	राष्ट्रीय
मनीष बंसल	2017-21	वित्त	आईआईएम रोहतक	डिड द मँडेटरी अडॉप्षन ऑफ इफर्स इंप्रूव द अकाउंटिंग क्वालिटी ऑफ इंडियन फर्म्स?	राष्ट्रीय
मनीष बंसल	2017-21	वित्त	यूनिवर्सिटी ऑफ मलाया , मलेशिया	मँडेटरी सीएसआर स्पेंडिंग ऐन ओपर्चुनिटी फॉर ब्रांड बिल्डिंग ओर क्वासी- टॅक्स	अंतर्राष्ट्रीय

अध्येता का नाम	बैच	क्षेत्र	सम्मेलन का नाम / स्थान	शोध-पत्र का शीर्षक	राष्ट्रीय या अंतर्राष्ट्रीय
प्रीति शर्मा	2017-21	संप्रेषण	एमएएनआईटी इलाहाबाद	एसटीटीपी-डीएएम 2020	राष्ट्रीय
रूपेंद्र रूपक	2017-21	विपणन	आईआईटी बॉम्बे	फ्लश सेल एंड वॅल्यू को-डेवास्टेशन ए एनएलपी	राष्ट्रीय
अरबिंद सामल	2017-21	ओबी-एचआर	आईआईटी बॉम्बे	ऐन एक्सप्लोरेटरी स्टडी ऑन इनोवेटिव वोएक बिहेवियर प्रॅक्टिसस एंड इट्स एफेक्ट ऑन ऑर्गनाइजेशनल ससटेनबिलिटी: ऐन एमएसएमई पर्स्पेक्टिव.	राष्ट्रीय
ताब अहमद	2017-21	ऑपरेशंस	आईआईटी बॉम्बे		राष्ट्रीय
हौसिला सिंग	2018-22	अर्थशास्त्र	टीआईएसएस पटना	वर्कशॉप रिलेटेड टू एकनॉमिक्स एरिया	राष्ट्रीय
शिवानी नारायण	2018-22	वित्त	निमिम्स मुंबई	वॉट ड्राइव्स क्रेडिट रिस्क इन इंडियन	राष्ट्रीय
अतनु भुयान	2018-22	वित्त	आईआईटी बॉम्बे	आ डिसक्रीट चाय्स अप्रोच फॉर कार ओनरशिप ट्रांसपोर्ट मोड एंड लोकेशन चाय्सस	राष्ट्रीय
वामसीधर अम्बतिपुडी	2018-22	वित्त	मर्क ,भारतीय प्रबंधन संस्थान, काशीपुर	प्रडिक्टिंग स्टॉक वोलैटिलिटी ऑफ इंडियन मार्केट यूजिंग रियलाइज्ड वोलैटिलाइट्स	राष्ट्रीय

प्रबंधन में कार्यकारी अध्येता कार्यक्रम

भारत में प्रबंधन शिक्षा के तेजी से विस्तार के साथ, यह अपरिहार्य हो गया है कि शीर्ष व्यावसायिक स्कूल उन उत्कृष्ट शोधकर्ताओं और शिक्षाविदों का उत्पादन करके व्यावसायिक स्कूलों में संकाय की आवश्यकता को पूरा करें, जिनके पास मजबूत व्यावहारिक अनुभव है। प्रबंधन शिक्षा उद्देश्यपूर्ण और प्रभावी होगी यदि वास्तविक जीवन के अनुभव वाले व्यक्तियों को शैक्षणिक क्षेत्र में लाया जाए। आईआईएम काशीपुर में ईएफपीएम उसी दिशा में एक प्रयास है। वर्ष 2014 में प्रस्तुत, इस कार्यक्रम का उद्देश्य उद्योग और शिक्षा को एक-दूसरे के करीब लाना है। उन व्यक्तियों को विद्वतापूर्ण जानकारी प्रदान करके जिनके पास पहले से ही उनके विषय का डोमेन ज्ञान है, यह प्रोग्राम शिक्षाविदों के भीतर या अकादमिया के बाहर अनुसंधान पदों पर पूर्णकालिक / अंशकालिक कैरियर की संभावनाएं प्रदान करता है।

यह कार्यक्रम दो चरणों में विभाजित है। कार्यक्रम के पहले चरण में तीन टर्म के कोर्सवर्क होते हैं और इसे आईआईएम काशीपुर परिसर में आयोजित किया जाता है। पहले चरण में, विद्यार्थियों को आठ पाठ्यक्रम (चार मुख्य पाठ्यक्रम और चार क्षेत्र-विशिष्ट पाठ्यक्रम) और एक सीआईएस (स्वतंत्र अध्ययन का पाठ्यक्रम) परियोजना लेनी होती है, जिसमें प्रत्येक पाठ्यक्रम में 30 संपर्क घंटे शामिल होते हैं। प्रत्येक टर्म में, उम्मीदवार को आईआईएम काशीपुर परिसर में लगभग 8 दिनों की अवधि के दो दौरे करने होंगे। कम्प्रेहेंसिव परीक्षा में बैठने के लिए ईएफपीएम के प्रतिभागियों को न्यूनतम संचयी जीपीए 7.0 (10 अंक के पैमाने पर) प्राप्त करना होगा। परीक्षा के दूसरे चरण में थीसिस कार्य होता है। विद्यार्थियों को जुलाई की शुरुआत में प्रोग्राम में प्रवेश दिया जाता है।

मार्च 2020 को ईएफपीएम विद्यार्थियों का क्षेत्रवार विवरण

8	3	7	3
ओबी-एचआर	वित्त	आईटी	संप्रेषण
11	9	4	2
विपणन	ओपी-मैनेजमेंट	रणनीतिक प्रबंधन	अर्थशास्त्र

शुल्क संरचना:

भारतीय प्रबंधन संस्थान काशीपुर					
2019-20					
क्र. सं.	विवरण	प्रथम वर्ष	द्वितीय वर्ष	तृतीय वर्ष	चतुर्थ वर्ष
1	फीस	315000*	150000	100000	100000

* भोजन व्यवस्था एवं आवास हेतु रुपये 1 लाख तथा प्रतिभूति जमा रुपये 15,000/- सहित)

व्यवसाय प्रशासन में स्नातकोत्तर

आईआईएम काशीपुर का लक्ष्य सामाजिक रूप से जिम्मेदार लीडर्स को विकसित करना है जिसे वह कार्यों, संस्कृतियों और भौगोलिक क्षेत्रों में प्रदान कर सकें। संस्थान का प्रमुख कार्यक्रम व्यवसाय प्रशासन में स्नातकोत्तर (एमबीए) इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए मुख्य साधन है।

व्यवसाय प्रशासन में स्नातकोत्तर दो साल का पूर्णकालिक आवासीय प्रोग्राम है। कठोर पाठ्यक्रम में ज्ञान के लिए जुनून पैदा करने और वास्तविक जीवन के परिदृश्यों में उस ज्ञान को लागू करने की क्षमता की तलाश होती है। प्रोग्राम सम्पूर्ण व्यक्तित्व विकास पर जोर देता है और नेतृत्व एवं अखंडता के मूल्यों को विकसित करता है।

पाठ्यक्रम: कार्यक्रम को छह टर्म में विभाजित किया गया है; जिसमें पहले वर्ष में तीन टर्म और दूसरे वर्ष में तीन टर्म होंगे। प्रत्येक टर्म लगभग ग्यारह सप्ताह की अवधि का है। पहले तीन टर्म में, सभी मुख्य पाठ्यक्रम शामिल हैं, जिन्हें प्रबंधन सिद्धांत की एक सामान्य नींव बनाने के लिए डिज़ाइन किया गया है। ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप के दौरान, प्रतिभागियों को कक्षा में जो कुछ भी सीखा है उसका व्यावहारिक परिप्रेक्ष्य बनाने और दूसरे वर्ष में वैकल्पिक एवं स्व-अध्ययन पाठ्यक्रमों के माध्यम से गहन अंतर्दृष्टि के लिए खुद को तैयार करने का अवसर मिलता है।

पहले वर्ष में, पीजीपी प्रतिभागियों को सामान्य प्रबंधन के साथ-साथ संगठनात्मक प्रबंधन के समग्र दृष्टिकोण को विकसित करने के उद्देश्य से प्रबंधन के विभिन्न कार्यात्मक पहलुओं का पूरा ज्ञान दिया जाता है। प्रतिभागीगण बीस-कोर्स क्रेडिट के मुख्य पाठ्यक्रम को पूरा करते हैं। एक कोर्स क्रेडिट 100 घंटे के अध्ययन के बराबर है जिसमें 30 घंटे की कक्षा बातचीत शामिल है।

दूसरे वर्ष में प्रतिभागियों को अपनी रुचि के क्षेत्रों से पाठ्यक्रम का चयन करने का अवसर दिया जाता है। प्रतिभागियों को पाठ्यक्रमों के किसी भी संयोजन का चयन करने की पूरी स्वतंत्रता होती है; हालाँकि, आम तौर पर, वे एक या दो क्षेत्रों / पटरियों पर ध्यान केंद्रित करते हैं। प्रतिभागियों को वैकल्पिक पाठ्यक्रम, कोर्स ऑफ इंडिपेंडेंट स्टडीज और शोध प्रबंध के पाठ्यक्रम के माध्यम से न्यूनतम पंद्रह पाठ्यक्रम क्रेडिट पूरा करना आवश्यक है। सीआईएस और शोध प्रबंधों में, एक प्रतिभागी संकाय के मार्गदर्शन में अपनी रुचि के विषय पर स्वतंत्र अध्ययन करता है। दूसरे वर्ष में पेश किए जाने वाले वैकल्पिक पाठ्यक्रमों की सांकेतिक सूची नीचे दी गई है:

<table>
<tr><th></th><th>क्रम सं.</th><th>पाठ्यक्रम</th><th>क्रेडिट</th><th></th><th>क्रम सं.</th><th>पाठ्यक्रम</th><th>क्रेडिट</th></tr>
<tr><td rowspan="7">टर्म-I</td><td>1</td><td>संगठनात्मक व्यवहार</td><td>1</td><td rowspan="7">टर्म-II</td><td>1</td><td>निर्णय प्रतिरूपण</td><td>1</td></tr>
<tr><td>2</td><td>व्यवसायिक संप्रेषण</td><td>1</td><td>2</td><td>कार्य संगठन संरचना</td><td>1</td></tr>
<tr><td>3</td><td>व्यावसायिक सांख्यिकी</td><td>1</td><td>3</td><td>व्यवसाय के वैधानिक पहलू</td><td>1</td></tr>
<tr><td>4</td><td>वित्तीय आख्या और विश्लेषण</td><td>1</td><td>4</td><td>समष्टि अर्थशास्त्र विश्लेषण</td><td>1</td></tr>
<tr><td>5</td><td>मैनेजीरियल इकोनॉमिक्स</td><td>1</td><td>5</td><td>प्रबंधन लेखांकन</td><td>1</td></tr>
<tr><td>6</td><td>विपणन प्रबंध -।</td><td>1</td><td>6</td><td>विपणन प्रबंधन -।।</td><td>1</td></tr>
<tr><td>7</td><td>उद्यमिता साहस</td><td>0.5</td><td>7</td><td>कार्यनीतिक प्रबंधन</td><td>1</td></tr>
<tr><td colspan="3">**कुल टर्म- I क्रेडिट्स**</td><td>**6.5**</td><td colspan="3">**कुल टर्म- II क्रेडिट्स**</td><td>**7**</td></tr>
<tr><td rowspan="7">टर्म-I</td><td>1</td><td>निगमित वित्त</td><td>1</td><td colspan="3">**कुल वर्ष I क्रेडिट्स**</td><td>20.5</td></tr>
<tr><td>2</td><td>सामाजिक व्यवसाय एवं प्रबंधन</td><td>1</td><td rowspan="6">टर्म-IV</td><td rowspan="6">1</td><td rowspan="6">रणनीतिक प्रबंधन-।।
व्यवसाय अनुकरण</td><td rowspan="6">0.5</td></tr>
<tr><td>3</td><td>व्यवसाय शोध पद्धति</td><td>1</td></tr>
<tr><td>4</td><td>प्रबंधन सूचना प्रणाली</td><td>1</td></tr>
<tr><td>5</td><td>संगठन में मानव प्रबंधन</td><td>1</td></tr>
<tr><td>6</td><td>रणनीतिक प्रबंधन-।</td><td>1</td></tr>
<tr><td>7</td><td>आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन</td><td>1</td></tr>
<tr><td colspan="3">**कुल टर्म- III क्रेडिट्स**</td><td>**7**</td><td colspan="3">**कुल कोर पाठ्यक्रम**</td><td>**21**</td></tr>
</table>

संप्रेषण क्षेत्र
- अफ्रीका में व्यवसाय करना
- मीडिया एवं मनोरंजन व्यवसाय प्रबंधन
- प्रबंधन के लिए मूवीज
- प्रबंधकों के लिए कहानी कहना

वित्त एवं लेखांकन क्षेत्र
- व्यावहारिक वित्त
- व्यवसाय मूल्यांक
- वाणिज्यिक बैंक प्रबंधन
- डिजिटल वित्त
- वित्तीय विश्लेषण
- वित्तीय निर्देशिक
- वित्तीय विवरण विश्लेषण तथा वित्तीय कंपनियों का मूल्यांकन
- वित्तीय जोखिम माप एवं प्रबंधन
- स्थिर आय बाजार एवं विश्लेषण
- निवेश प्रबंधन
- मर्जर्स एंड अक्विज़िशन्स
- व्यापार रणनीति एवं बाजार सूक्ष्म संरचना की भूमिका
- वेंचर कॅपिटल एंड इनवेस्टमेंट बैंकिंग

सूचना प्रौद्योगिकी एवं प्रणाली क्षेत्र
- उन्नत मशीन लर्निंग
- डेटा विज्ञान एवं मशीन लर्निंग
- डिजिटल व्यवसाय एवं फ्रंटियर प्रौद्योगिकियां
- उद्यम संसाधन योजना प्रणाली
- सूचना प्रौद्योगिकी परियोजना प्रबंधन
- सूचना प्रौद्योगिकी उत्पाद प्रबंधन
- सामाजिक नेटवर्क विश्लेषण

ओबी एवं एचआर क्षेत्र
- मतभिन्नता एवं सौदेबाजी
- एचआर विश्लेषण
- औद्योगिक संबंध एवं श्रम कानून
- नेतृत्व : अवधारण एवं अभ्यास
- अध्ययन एवं विकास
- डिजिटलीकृत संगठन प्रबंधन
- संगठनात्मक परिवर्तन प्रबंधन
- प्रतिभा मूल्यांकन
- प्रतिभा प्रबंधन

आर्थिक क्षेत्र
- कृषि उद्यमशीलता
- प्रबंधकों के लिए व्यावहारिक अर्थमिती
- भविष्य का व्यवसाय : प्रबंधन एवं स्थायित्व
- अंतर्राष्ट्रीय व्यवसाय का अर्थशास्त्र
- आर्थिक वृद्धि, विकास एवं भारतीय अर्थशास्त्र
- आधारभूत वित्तपोषण, सरकारी निजी सहभागिता एवं नियामक

परिचालन एवं निर्णय विज्ञान क्षेत्र
- उद्गम एवं लॉजिस्टिक्स प्रबंधन
- उन्नत आंकड़ा विश्लेषण
- आंकड़ा दृश्यावली
- परिचालन रणनीति
- परियोजना प्रबंधनट
- गुणवत्ता प्रबंधन एवं सिक्स सिग्म
- सेवा प्रबंधन - समेकित विपणन एवं परिचालन प्रबंधन परिदृश्य
- आपूर्ति श्रृंखला मॉडलिंग एवं विश्लेषण

विपणन क्षेत्र
- उन्नत विपणन शोध
- उन्नत मीडिया विपणन
- व्यवसाय से व्यवसाय विपणन
- उपभोक्त व्यवहार
- डिजाइन सोच एवं नवाचार
- डिजिटल विपणन
- अंतर्राष्ट्रीय विपणन
- विपणन विश्लेषण
- विपणन रणनीति
- मूल्य प्रबंधन
- उत्पादन एवं ब्रांड प्रबंधन
- खुदरा प्रबंधन
- ग्रामीण विपणन
- विक्रय एवं वितरण प्रबंधन
- सेवा प्रबंधन- समेकित विपणन एवं परिचालन प्रबंधन परिदश्य

रणनीति क्षेत्र
- अंतर्राष्ट्रीय व्यवसाय
- प्रबंधन परामर्श
- उभरते बाज़ारों में रणनीति
- उपक्रम जो जीतते हैं

शुल्क संरचना	एमबीए-I (2019-20)				एमबीए-II (2020-21)			
विवरण	टर्म-I	टर्म-II	टर्म-III	कुल	टर्म-IV	टर्म-V	टर्म-VI	कुल
ट्युशन शुल्क	1,21,860	1,21,860	1,21,860	3,65,580	1,21,860	1,21,860	1,21,860	3,65,580
कंप्यूटर शुल्क	7,730	7,730	7,730	23,190	7,730	7,730	7,730	23,190
पुस्तकालय शुल्क	7,730	7,730	7,730	23,190	7,730	7,730	7,730	23,190
पुस्तकें एवं पाठ्यक्रम सामग्री	22,600	22,600	22,600	67,800	22,600	22,600	22,600	67,800
छात्रावास व्यय	42,850	42,850	42,850	1,28,550	42,850	42,850	42,850	1,28,550
विद्यार्थी कल्याण गतिविधि	4,160	4,160	4,160	12,480	4,160	4,160	4,160	12,480
दीक्षांत समारोह							8420	8420
कुल शुल्क एवं व्यय	2,06,930	2,06,930	2,06,930	6,20,790	2,06,930	2,06,930	2,06,930	6,29,210
गैर-वापसी योग्य शुल्क								
	एमबीए- I (2019-20)				एमबीए- II (2020-21)			
नियोजन शुल्क		12,500		12,500			12,500	12,500
पूर्व विद्यार्थी सदस्यता शुल्क	4,000			4,000	4,000			4,000
मेडिक्लेम	4,000			4,000				
कुल गैर-वापसी योग्य शुल्क	8,000	12,500	-	20,500	4,000	-	12,500	16,500
वापसी योग्य शुल्क								
	एमबीए-I (2019-20)				एमबीए-II (2020-21)			
विवरण	टर्म-I	टर्म-II	टर्म-III	कुल	टर्म-IV	टर्म-V	टर्म-VI	कुल
सावधानी जमा	3,000	3,000	3,000	9,000	3,000	3,000	3,000	9,000
पुस्तकालय जमा	3,100			3,100				
कंप्यूटर जमा	3,100			3,100				
मेस जमा	4,000			4,000				
कुल वापसी योग्य शुल्क	13,200	3,000	3,000	19,200	3,000	3,000	3,000	9,000

प्रवेश

आईआईएम काशीपुर में प्रवेश विभिन्न मापदंडों पर उम्मीदवार के समग्र प्रदर्शन पर आधारित है। इस मापदंडों में कैट स्कोर, लिखित विश्लेषण परीक्षण और व्यक्तिगत साक्षात्कार (वैट और पीआई) और उम्मीदवार की प्रोफाइल में शामिल हैं।

वैट और पीआई प्रक्रिया नौ आईआईएम, आईआईएम बोधगया, आईआईएम जम्मू, आईआईएम काशीपुर, आईआईएम रायपुर, आईआईएम रांची, आईआईएम सिरमौर, आईआईएम संबलपुर, आईआईएम त्रिकी और आईआईएम उदयपुर के साथ एक साझा प्रवेश प्रक्रिया के माध्यम से आयोजित की जाती है।

कैट के 244169 आवेदकों में से, 12790 आवेदकों को कॉमन एडमिशन प्रोसेस (कैप) 2019 के लिए शॉर्टलिस्ट किया गया था और 264 उम्मीदवारों को एमबीए 2019-21 बैच में आईआईएम काशीपुर के लिए भर्ती किया गया था। महिला उम्मीदवारों को बीओजी अनुमोदन के अनुसार 15 अलौकिक सीटों के लिए प्रस्ताव भेजे गए थे। आठ महिला उम्मीदवारों ने अंत में अलौकिक सीटों के तहत पंजीकरण किया। पिछले वर्ष की तुलना में महिला विद्यार्थियों की संख्या 6 से बढ़कर 29 हो गई है।

एमबीए 2019-21 का बैच विभिन्न संस्कृतियों और जातियता से संबंधित उत्साही और प्रतिभाशाली विद्यार्थियों का मिश्रित बैग है। यह बैच देश भर के प्रतिष्ठित संस्थानों और अनुभवी पेशेवरों से बाहर निकलने वाले नए स्नातकों का एक स्वस्थ मिश्रण है जो अग्रणी राष्ट्रीय और बहु-राष्ट्रीय कंपनियों का हिस्सा रहे हैं। पहली बार आईआईएम काशीपुर ने एमबीए कार्यक्रम में एक विदेशी उम्मीदवार को प्रवेश दिया।

2019-21 में एमबीए कार्यक्रम प्रवेश

श्रेणी	सामान्य	एनसी-अपिव	ईडब्ल्यूएस	अजा	अजजा	डीएपी
भर्ती छात्रों की संख्या	123	67	13	39	18	4
न्यूनतम सीएटी पर्सेंटाइल	95	78.5	95	61.21	40.71	40.95

एमबीए 2019-21 बैच में लिंग विविधता

लिंग	संख्या
पुरुष	235
महिला	29

एमबीए 2019-21 में श्रेणी द्विभाजन

श्रेणी	संख्या
अभियांत्रिकी	209
गैर-अभियांत्रिकी	55

एमबीए 2019-21 में श्रेणी द्विभाजन

श्रेणी	संख्या
सामान्य	123
एनसी-अपिव	67
ईडब्ल्यूएस	13
अजा	39
अजजा	18
डीएपी	4

कार्य अनुभव

कार्य अनुभव (महीनों में)	विद्यार्थियों की सं.
नए छात्र	157
<12	52
12-24	38
> 24 महीने	17

व्यवसाय प्रशासन (एनालिटिक्स) में स्नातकोत्तर

संस्थान ने शैक्षणिक वर्ष 2020-21 से एक नया दो वर्षीय पूर्णकालिक आवासीय एमबीए (एनालिटिक्स) कार्यक्रम शुरू करने का निर्णय लिया है। प्रोग्राम का उद्देश्य प्रबंधकों और भविष्य के नेताओं को तैयार करना है जो तेजी से प्रौद्योगिकी-उन्मुख और डेटा-संचालित दुनिया को आकार देंगे। कार्यक्रम का उद्देश्य अपने विद्यार्थियों को नेतृत्व प्रोफाइल के लिए ज्ञान, कौशल और दृष्टिकोण प्राप्त करने के लिए तैयार करना होगा ताकि वे कभी-कभी बदलते व्यावसायिक परिदृश्य को नकारात्मक कर सकें। प्रोग्राम में सर्वांगीण व्यक्तित्व विकास और छात्रों में नेतृत्व और अखंडता के मूल्यों को विकसित करने पर जोर दिया जाएगा।

कार्यक्रम संरचना

दो वर्षीय एमबीए (एनालिटिक्स) कार्यक्रम को छह टर्म में विभाजित किया जाएगा। पहले वर्ष में, प्रबंधन और विश्लेषण कोर पाठ्यक्रमों का एक सही मिश्रण सिखाया जाएगा जो विद्यार्थियों को प्रबंधन और विश्लेषणात्मक अवधारणाओं की नींव बनाने में मदद करेगा। दूसरे वर्ष में, विद्यार्थियों को रचनात्मक विश्लेषणात्मक-संचालित व्यापार समाधानों को समझने और बनाने के लिए विभिन्न प्रकार के विश्लेषिकी-उन्मुख ऐच्छिक पाठ्यक्रमों के माध्यम से विश्लेषिकी का अधिक उन्नत स्वाद मिलेगा। दूसरे वर्ष में एक शोध प्रबंध घटक होगा, जो तीनों टर्म में फैला होगा। यह छात्रों को गहन सामग्री ज्ञान को विकसित करने और उन्हें व्यापार विश्लेषण में समकालीन अनुसंधान के लिए पेश करने में सक्षम करेगा। कार्यक्रम की फीस नियमित एमबीए कार्यक्रम के समान होगी।

प्रथम वर्ष पाठ्यक्रम

सत्र-I

प्रबंधन मूल

- संगठनात्मक व्यवहार
- वित्तीय लेखांकन
- वित्तीय विपणन
- सूक्षम अर्थशास्त्र
- विपणन प्रबंधन-।
- कार्यशाला - लिखित एवं मौखिक संप्रेषण

विश्लेषणात्मक मूल

- व्यवसाय सांख्यिकी
- गणित बुनियाद

सत्र-II

प्रबंधन मूल

- कॉर्पोरेट वित्त
- विपणन प्रबंधन-।।
- परिचालन एवं आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन
- व्यवसाय के कानूनी पहलू

विश्लेषणात्मक मूल

- निर्णय प्रतिरूपण
- मैनेजमेंट सूचना प्रणाली
- व्यवसाय गणना
- व्यवसाय विश्लेषण का परिचय

सत्र-III

प्रबंधन मूल

- संगठन में मानव प्रबंधन
- रणनीतिक प्रबंधन

विश्लेषणात्मक मूल

- व्यवसाय गणना-।।
- शोध पद्धति पर संगोष्ठी
- आंकड़ा दृश्यावली
- आंकड़ा प्रबंधन एवं बड़े आांकड़े

द्वीतीय वर्ष पाठ्यक्रम

सत्र-IV

शोध निबंध - भाग क

वैकल्पिक पाठ्यक्रम

विश्लेणात्मक मूल

- प्रबंधकों के लिए व्यावहारिक अर्थमिती
- आंकड़ा विज्ञान एवं मशीन अध्ययन
- सोशल मीडिया एवं वेब विश्लेषण

सत्र-V

शोध निबंध - भाग ख

वैकल्पिक पाठ्यक्रम

विश्लेणात्मक मूल

- नॅचुरल लॅंग्वेज प्रोसेसिंग
- आई एंड डीप लर्निंग
- अड्वॅन्स्ड डेटा अनॅलिसिस

सत्र-VI

शोध निबंध - अंतिम

वैकल्पिक पाठ्यक्रम

कार्यकारी व्यवसाय प्रबंधन में स्नातकोत्तर [(एमबीए(डब्ल्यूएक्स)]

एमबीए(डब्ल्यूएक्स) प्रबंधन में एक गहन दो वर्षीय स्नातकोत्तर कार्यक्रम है, जिसे विशेष रूप से मध्यम और वरिष्ठ स्तर के पेशेवरों के लिए डिज़ाइन किया गया है। यह कार्यक्रम एक विशेष कार्यक्रम है जो आज के तेजी से बदलते और प्रतिस्पर्धी वैश्विक कारोबारी माहौल में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए ज्ञान और कौशल के साथ अभ्यास करने वाले अधिकारियों को सहयोग प्रदान करता है। यह कार्यक्रम एक पूरी तरह से कक्षा-आधारित कार्यक्रम है। इस कार्यक्रम को सप्ताहांत के दौरान आयोजित किया जाएगा क्योंकि यह आपको अपनी व्यावसायिक गतिविधि में हस्तक्षेप किए बिना अपने प्रबंधकीय कौशल को जल्दी से उन्नत करने का अवसर प्रदान करना चाहता है। प्रतिभागी अपने विविध अनुभवों को कक्षा में लाते हैं और वास्तविक दुनिया एवं लाइव परियोजनाओं पर काम करते हैं। यह कार्यक्रम गतिविधि प्रतिभागियों को अपने कार्यस्थल में कक्षा में सीखी गई अवधारणाओं को लागू करने के लिए सक्षम करने के तरीकों की पड़ताल करती है। संक्षेप में, यह कार्यक्रम आपको बड़ी और सफल नेतृत्व भूमिकाओं में मूल रूप से परिवर्तित करता है।

प्रवेश की संख्या - 37

2019-21 में विविधता

विषय

जियो सूचना विज्ञान	1
जन संचार	1
मनोविज्ञान	1
कम्प्यूटर विज्ञान एवं इंजीनियरिंग	2
चिकित्सा	2
लेंखा एवं वित्त	3
सिविल अभियांत्रिकी	4
विद्युत अभियांत्रिकी	4
यांत्रिक अभियांत्रिकी	4
इलेक्ट्रॉनिक्स अभियांत्रिकी	5
विज्ञान	8
अन्य	2
कुल	37

शिक्षा का स्तर

स्नातक - 36 | स्नातकोत्तर - 1

उद्योग अनुभव

वाहन	1
ई-कॉमर्स	1
स्वास्थ्य एवं चिकित्सा	1
फ़ार्मा	1
रक्षा	1
परामर्श	2
आधारभूत संरचना	3
विक्रय एवं विपणन	3
बैंकिंग	3
दूरसंचार	3
ऊर्जा	4
आईटी	4
अन्य	4
शिक्षा	6

फीस संरचना

एमबीए(डब्ल्यूएक्स) 2019-21 बैच - प्रथम वर्ष शुल्क

क्र. सं.	विवरण	टर्म-I	टर्म-II	टर्म-III	टर्म-IV
1	ट्यूशन शुल्क	99000	99000	99000	99000
2	पाठ्यक्रम सामग्री	3600	3600	3600	3600
3	पुस्तकालय	2400	2400	2400	2400
4	कॉशन जमा (वापसी योग्य)	10000	—	—	—
	कुल	**115000**	**105000**	**105000**	**105000**

एमबीए(डब्ल्यूएक्स) 2019-21 बैच - द्वितीय वर्ष					
1	ट्यूशन शुल्क	99000	99000	99000	99000
2	पाठ्यक्रम सामग्री	3600	3600	3600	3600
3	पुस्तकालय	2400	2400	2400	2400
4	कॉशन जमा (वापसी योग्य)	—	—	—	—
	कुल	**105000**	**105000**	**105000**	**105000**

शुल्क संरचना

पाठ्यक्रम शीर्षक	
सत्र-I	**सत्र-II**
वित्तीय प्रतिवेदन एवं विश्लेषण	विपणन प्रबंधन-I
विपणन प्रबंधन-I	प्रबंधन लेखांकन
बिजनेस कम्यूनिकेशन्स	प्रबंधकीय अर्थशास्त्र
व्यवसाय सांख्यिकी	संगठनात्मक व्यवहार
सत्र-III	**सत्र-IV**
डिजाइनिंग कार्य संगठन	कॉर्पोरेट वित्त
निर्णय प्रतिरूपण	आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन
परिचालन प्रबंधन	सूचना प्रणाली का प्रबंधन
समष्टि अर्थशास्त्र विश्लेषण	रणनीतिक प्रबंधन
सत्र-V	
संगठन में मानव प्रबंधन	
व्यवसाय, संचालन एवं समाज	
प्रबंधन अनुरूपता खेल	
व्यवसाय के वैधानिक पहल	

संकेतात्मक वैकल्पिक पाठ्यक्रम

परिचालन प्रबंधन एवं निर्णय विज्ञान	सूचना प्रौद्योगिकी एवं प्रणाली
परियोजना प्रबंधन	आर के साथ डेटा विज्ञान
क्रय एवं अनुबंध प्रबंधन	डेटा विज्ञान एवं व्यवसाय विश्लेषण
सेवा परिचालन प्रबंधन	उन्नत डेटा विज्ञान एवं व्यवसाय विश्लेषण
परिचालन रणनीति	सोशियल नेटवर्क अनॅलिसिस
लीन सिक्स सिग्मा	व्यवसाय विश्लेषण आधार
आपूर्ति श्रृंखला प्रतिरूपण	उद्यम संसाधन योजना
वहनीय परिचालन प्रबंधन	मानव संसाधन
परिचालन विश्लेषण	औद्योगिक संबंध एवं श्रम कानून
अर्थशास्त्र	प्रतिभा अभिग्रहण प्रबंधन
विदेश व्यापार निवेश एवं व्यवसाय	नेतृत्व
कृषि उद्यमिता	एचआर विश्लेषण
वित्त एवं लेखा	विपणन
व्यवसाय मूल्यांकन	विक्रय वितरण
फाइनैंशियल डेरिवेटिव्स एंड रिस्क मार्केट	बी2बी विपणन
उद्यम पूंजी एवं निवेश बैंकिंग	ग्रामीण विपणन
व्यापार रणनीतिक एवं वित्तीय बाजार	डिजिटल विपणन
रणनीति	डिजाइन सोच एवं मूल्य सह-निर्माण
वैश्विक स्तर पर व्यवसाय	अनुभवात्मक अध्ययन

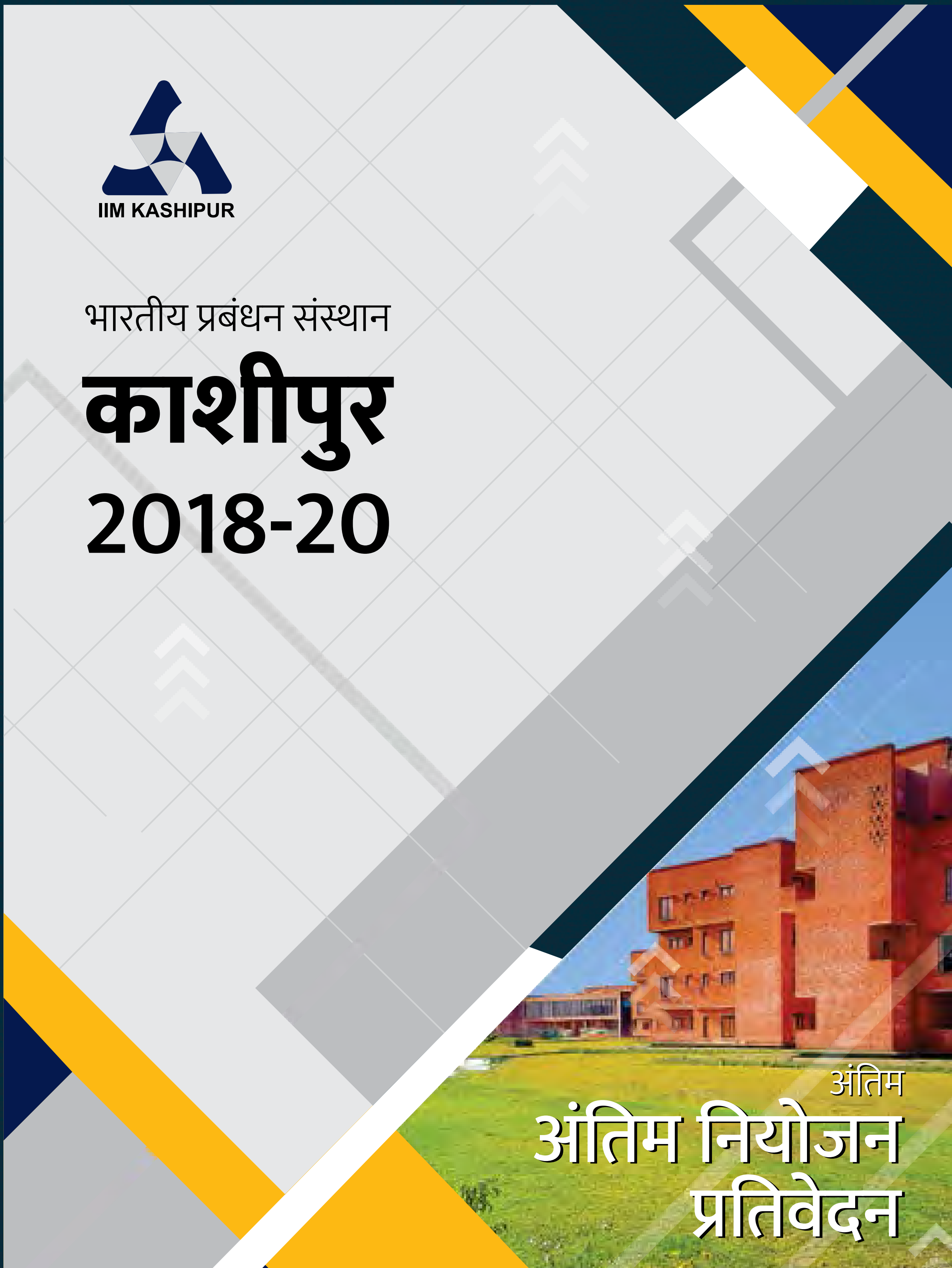

IIM KASHIPUR

भारतीय प्रबंधन संस्थान

काशीपुर

2018-20

अंतिम

अंतिम नियोजन प्रतिवेदन

आईआईएम काशीपुर अत्यंत गर्व के साथ अपने ध्वजावाही प्रबंधन में स्नातकोत्तर कार्यक्रम के वर्ष 2018-20 के बैच के लिए अंतिम नियोजन प्रक्रिया के सफलतापूर्वक समापन की घोषणा करता है। पिछले 9 वर्षों में हमारे विद्यार्थियों ने उद्योग जगत में अपने असाधारण कौशल एवं प्रतिभा को दर्शाते हुए नियोजकों पर अमिट छाप छोड़ी है।

इस वर्ष, संस्थान नियोजन के लिए आए 96 प्रतिष्ठित संगठनों का साक्षी रहा, जिसमें बीएफएसआई, परामर्श, रणनीति, विक्रय एवं विपणन, परिचालन, मानव-संसाधन, सूचना प्रौद्योगिकी एवं विश्लेषण सहित विभिन्न क्षेत्रों में 252 भूमिकाएं ऑफर की गई हैं।

हम उन नियोक्ताओं के प्रति अपना हार्दिक आभार प्रकट करना चाहता हूँ, जिन्होंने हमारे विद्यार्थियों को बेहद मांग वाली भूमिकाएं एवं शानदार प्रोफाइल प्रदान कर संस्थान में पुन: अपना विश्वास दर्शाया है।

हमनें आईआईएम काशीपुर के साथ साझेदारी को इच्छुक नियोक्ताओं की संख्या में भारी वृद्धि देखी है तथा हम उनके साथ परस्पर हितलाभ संबंधों को बनाएं रखने की आशा करते हैं।

हम अपनी सफलता का श्रेय अपने विद्यार्थियों के प्रयास को देते हैं, जिन्होंने लगातार अच्छा प्रदर्शन किया और संस्थान का सुनाम किया।

अभार

प्रो. कुणाल गांगुली
चेयरपर्सन - नियोजन्स
आईआईएम काशीपुर

प्राक्कथन

अंतिम नियोजन 2018-20 | विशेषताएँ

नियोजन सीजन के आंकड़े

नियोजन के लिए पात्र छात्रों की संख्या	249
माध्य सीटीसी	12.04 एलपीए
पीपीओ/पीपीआई की संख्या	22
भाग लेने वाली कंपनियों की संख्या	96
किए गए प्रस्तावों की संख्या	252
उच्चतम घरेलू सीटीसी	45.00
औसत सीटीसी	13.82 एलपीए
उच्चतम अंतर्राष्ट्रीय सीटीसी	48.50 एलपीए

औसत सीटीसी

शीर्ष 10%	शीर्ष 20%	शीर्ष 30%
28.36 एलपीए	22.39 एलपीए	19.88 एलपीए

25%	बैच की संख्या में वृद्धि
25%	भाग लेने वाली कंपनियों की संख्या में वृद्धि
32%	नए भर्तीकर्ता
52%	उच्चतम घरेलू सीटीसी में वृद्धि

अंतिम नियोजन 2018-20 | विशेषताएँ

बैच पॉइंटर्स

25%
बैच की संख्या
में वृद्धि

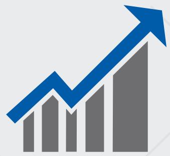

25%
भाग लेने वाली कंपनियों
की संख्या में वृद्धि

52%
उच्चतम घरेलू
सीटीसी में वृद्धि

32%
नए
भर्तीकर्ता

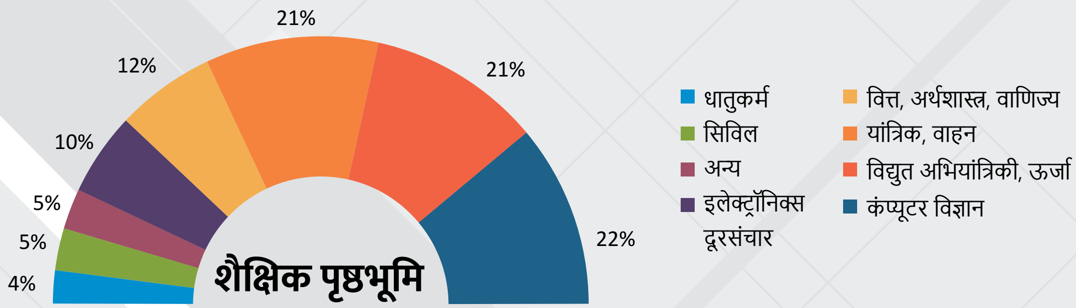

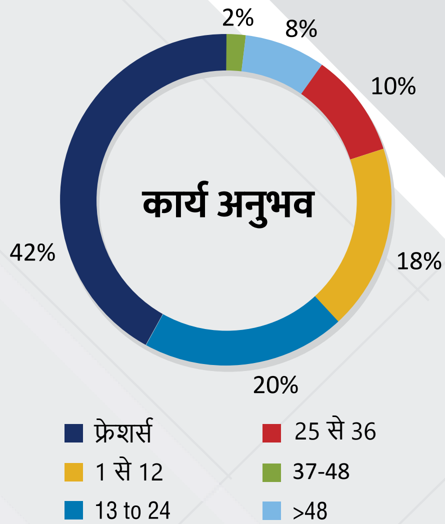

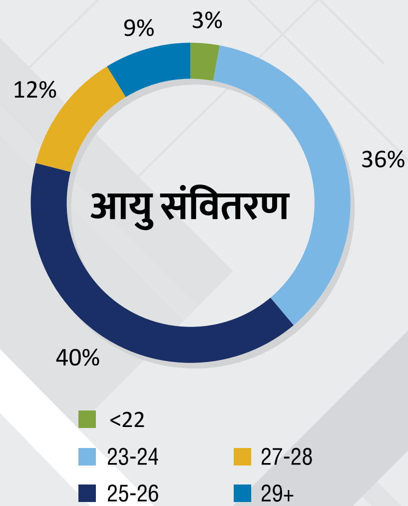

अंतिम नियोजन 2018-20 विषय मुख्य बिंदू

सूचना-प्रौद्योगिकी एवं विश्लेषण

बड़ी कंपियों जैसे इंफोसिस बीपीएम, ट्रेडेंस, एमफैसिस, केयर रेटिंग्स, इंडिया मार्ट, इवैल्यू सर्व, माइंड ट्री, नोवोजाइम, फ्यूचर फर्स्ट इत्यादि ने बीएफएसआई एनैलिटिक्स, बीआई एनैलिटिक्स, बिग-डेटा सर्विसेज मैनेजमेंट, बिजनेस इंटेलिजेंस, रिसर्च, बिजनेस सोल्यूशन इनैबलर, क्लाउड बिजनेस एनैलिस्ट, डेटा एनैलिटिक्स कंसलटंट, फाइनैंशियल एनैलिटिक्स, ग्रोथ हैकर, आईटी प्रोजेक्ट मैनेजमेंट, ऑपरेशनल एनैलिटिक्स, प्रोडक्ट क्वालिटी एनैलिस्ट, सीनियर बिजनेस एनैलिस्ट, सीनियर रिसर्च एनैलिस्ट एवं टेक्निकल प्रोजेक्ट मैनेजर जैसी प्रोफाइल्स प्रदान की हैं।

वित्त

विद्यार्थियों ने एसेट मैनेजमेंट, ब्रांच मैनेजर, कैपिटल मार्केट एनैलिस्ट, कॉर्पोरेट बैंकिंग, क्रेडिट रिस्क प्रोफाइल्स, इक्विटीज रिसर्च, फाइनैंस एडवाइजरी, फाइनैंस कंट्रोलर, फाइनैंशियल एनैलिटिक्स, फाइनैंशियल स्ट्रैटेजी, इंटरनल ऑडिटर, इंटरनेशनल बैंकिंग, इंवेस्टमेंट एनैलिस्ट, इंवेस्टर कम्यनिकेशन, मार्केट रिस्ट एनैलिस्ट, मर्जर्स एंड एक्विजिशन, प्राइवेट इक्विटी, रिलेशनशिप मैनेजर, रिटेल बैंकिंग, रिस्क एसेस्मेंट, मिटिगेशन, रूरल बैंकिंग, सीनियर बिजनेस एसोसिएट - फाइनैंशियल सर्विसेज, सीनियर फाइनैंशियल मार्केट्स रिसर्च एनैलिस्ट, ट्रेजरी एवं वेल्थ मैनेजमेंट जैसी भूमिकाएं प्रतिष्ठित संगठनों जैसे रॉयल बैंक ऑफ स्कॉटलैंड, डिलॉयट, आरईसीएल, ई एंड वाई, फ्यूचर्स फर्स्ट, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, आरबीएल बैंक, एंजेल ब्रोकिंग, क्रिसिल, ट्रेसविस्टा इत्यादि द्वारा प्रदान की गईं।

विपणन

मार्केट लीडर्स जैसे टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स, टाटा बीएसएल, लार्सन एंड टूब्रो, माइंडगेट, बायजूस टेलटोनिका, एचडीएफसी बैंक, वीकेएल सीजनिंग, मुथूट फिनकॉर्प, इनबिमोबी इत्यादि ने एग्री विपणन, बी2बी विपणन, बी2सी विपणन, ब्रैंड मैनेजर, कैम्पेन मैनेजर, कैटगरी मैनेजर, चैनल मैनेजर, कॉर्पोरेट रिलेशंस एक्सेक्यूटिव, कस्टमर एक्विजिशन, कस्टमर रिलेशनलशिप मैनेजमेंट, डिजिटल विपणन एसोसिएट, डाइरेक्ट सेल्स ऑफिसर, एंटरप्राइज सेल्स मैनेजर, इनबाउंड सेल्स, की एकाउंट मैनेजर, मार्केट रिसर्च एसोसिएट, प्री-सेल्स कंसल्टंट, प्राइसिंग मैनेजर, रिलेशनशिप मैनेजर - रिटेल ब्रांच, रिटेल विपणन, रूरल विपणन, सेल्स डेवलपमेंट एक्सेक्यूटिव एवं स्ट्रैटेजिक विपणन इत्यादि बेहद मांगवाली प्रोफाइल प्रदान की है।

	अधिकतम सीटीसी	औसत सीटीसी	विद्यार्थीगण
सूचना-प्रौद्योगिकी एवं विश्लेषण	26.50 लाख	14.42 लाख	31%
वित्त	29.10 लाख	14.42 लाख	14%
विपणन	48.50 लाख	12.18 लाख	27%

अंतिम नियोजन 2018-20 विषय मुख्य बिंदु

रणनीति एवं परामर्श

शीर्ष संगठन जैसे डिलॉयट, ई एंड वाई, एएनजेड, जीएमआर, एनैलिटिक्स कोशंट, एचएफएफसी ने रणनीति एवं परामर्श क्षेत्र में कॉर्पोरेट एडवाइजरी, कॉर्पोरेट स्ट्रैटेजी, फाइनैंशियल कंसल्टंट, फंक्शनल कंसल्टंट, लीडरशिप एंड ग्रुप स्ट्रैटेजी, एमटी- स्ट्रैटेजिक एलायंस, प्रोडक्ट मैनेजर, स्ट्रैटेजिक कंसल्टिंग, स्ट्रैटेजिक प्रोडक्ट मैनेजमेंट, स्ट्रैटेजी मार्केट इनिशिएटिव फॉर् सर्विस ऑपरेशन कंसल्टंट इत्यादि के रूप में भूमिकाएं ऑफर की हैं।

अधिकतम सीटीसी	औसत सीटीसी	विद्यार्थीगण
15.4 लाख	12.08 लाख	4%

परिचालन

आईआईएम काशीपुर जेनपैक्ट, इलास्टिक रन, 4टिगो, ऑफबिजनेस, सेफ एक्सप्रेस, श्री मलानी फोम्स इत्यादि जैसे बड़े संगठनों के लिए लोकप्रिय गंतव्य है, जहां फ्लिट मैनेजर, लॉजिस्टिक्स, ऑपरेशंस कोऑर्डिनेटर, ऑपरेशनल प्लानिंग, शिड्यूलिंग मैनेजर, ऑपरेशंस मैनेजर, प्रोसेस इम्प्रूवमेंट हैंडलर, प्रोक्योरमेंट एनैलिसिस, प्रोडक्ट ऑपरेशंस, सीनियर प्रोजेक्ट मैनेजर, सर्विस डिलिवरी मैनेजर, सर्विस क्वालिटी मैनेजर, स्ट्रैटेजिक ऑपरेशनल प्लांनिंग एसोसिएट एवं स्ट्रैटेजिक सप्लाई चेन मैनेजर की भूमिकाएं ऑफर की गईं।

अधिकतम सीटीसी	औसत सीटीसी	विद्यार्थीगण
22.65 लाख	13.25 लाख	6%

सामान्य प्रबंधन

टाटा कैपिटल, ड्रूम, हेक्सावेयर, फिटजी, आईसीआईसीआई बैंक, इंडिया मॉर्ट, पिटशॉप, आरबीएल बैंक, पावरसॉल्व, जीएमआर ग्रुप, मुथूट फिनकॉर्प इत्यादि ने जनरल मैनेजमेंट में बिजनेस डेवलपमेंट एसोसिएट, आंट्रप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट, ग्रोथ ऑफिसर, इंटरनेशनल बिजनेस डेवलपमेंट, ग्रोथ ऑफिसर, इंटरनेशनल बिजनेस डेवलपमेंट, न्यू बिजनेस इनिशिएटिव्स, प्रोडक्ट एक्सेक्यूटिव, प्रोडक्ट मैनेजर एवं सीनियर बिजनेस डेवलपमेंट कंसल्टंट की भूमिकाएं ऑफर की हैं।

अधिकतम सीटीसी	औसत सीटीसी	विद्यार्थीगण
45.00 लाख	17.39 लाख	16%

मानव संसाधन

एचआर के क्षेत्र में डिलॉट, श्री मलानी फोम्स, नोबल हाउस इत्यादि भूमिकाएं देखने को मिली हैं। उन्होंने एचआर जनरलिस्ट, कैरियर डेवलपमेंट एक्सेक्यूटिव, कॉर्पोरेट एचआर गवर्नेंस, ग्लोबल इनिशिएटिव मैनेजर, एचआर एडवाइजरी, इंडस्ट्रियल रिलेशंस मैनेजमेंट, स्ट्रैटेजिक पर्फोर्मेंस, कॉम्पेंसेशन मैनेजमेंट एवं एचआर एनैलिटिक्स इत्यादि जैसी मुख्य प्रोफाइल ऑफर की है।

अधिकतम सीटीसी	औसत सीटीसी	विद्यार्थीगण
14.45 लाख	12.76 लाख	2%

हमारे नियोक्ता 2018-20

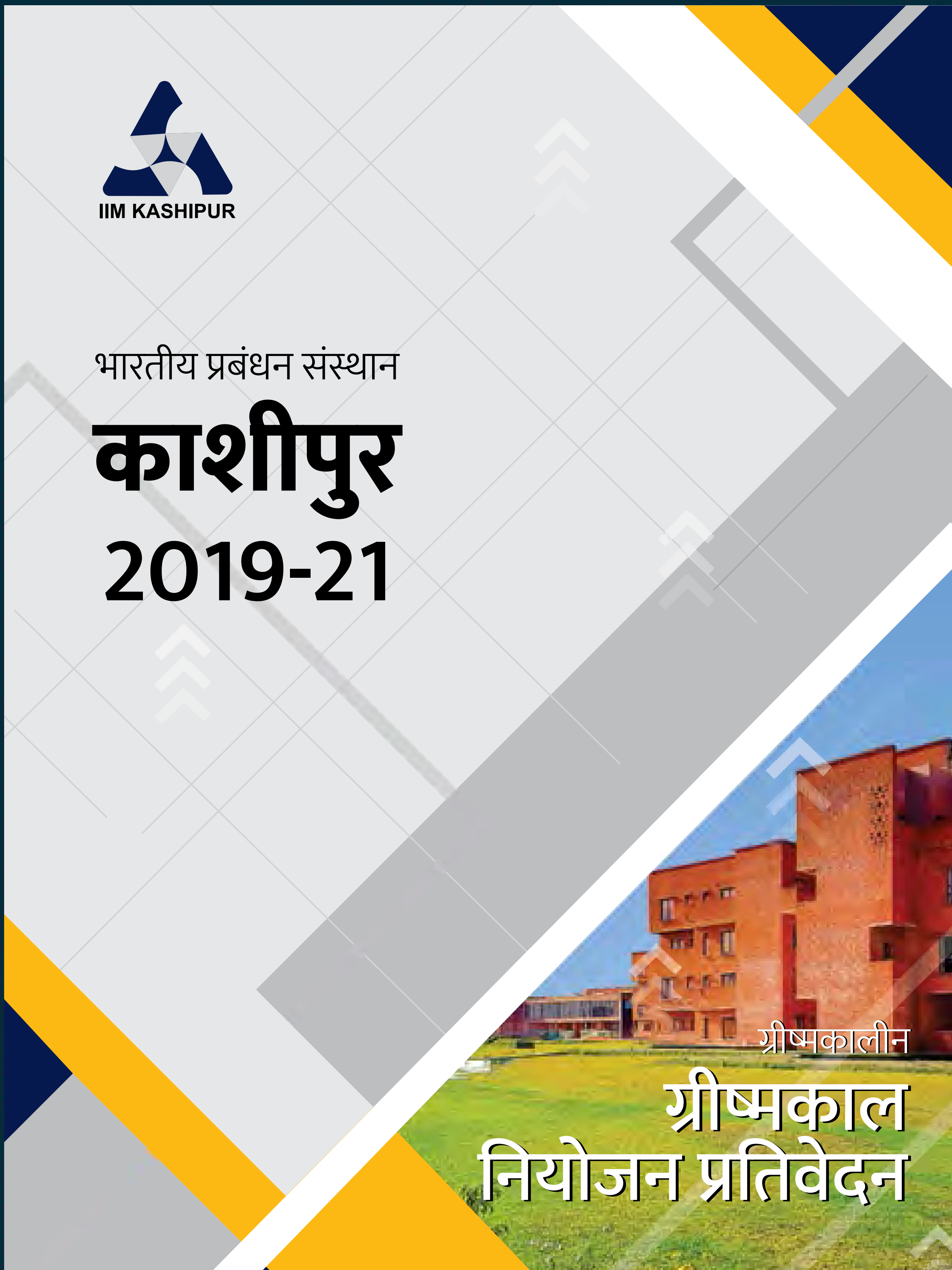
IIM KASHIPUR
भारतीय प्रबंधन संस्थान
काशीपुर
2019-21
ग्रीष्मकालीन
ग्रीष्मकाल
नियोजन प्रतिवेदन

आईआईएम काशीपुर अत्यंत गर्व के साथ अपने ध्वजावाही मास्टर्स इन बिजनेस मैनेजमेंट कार्यक्रम के वर्ष 2019-21 के बैच के लिए समर नियोजन प्रक्रिया के सफलतापूर्वक समापन की घोषणा करता है। पिछले 9 वर्षों में हमारे विद्यार्थियों ने उद्योग जगत में अपने असाधारण कौशल एवं प्रतिभा को दर्शाते हुए नियोजकों पर अमिट छाप छोड़ी है।

इस वर्ष, संस्थान नियोजन के लिए आए 108 प्रतिष्ठित संगठनों का साक्षी रहा, जिसमें बीएफएसआई, परामर्श, रणनीति, विक्रय एवं विपणन, परिचालन, मानव-संसाधन, सूचना प्रौद्योगिकी एवं विश्लेषण सहित विभिन्न क्षेत्रों में 269 भूमिकाएं ऑफर की गईं।

हम उन नियोक्ताओं के प्रति अपना हार्दिक आभार प्रकट करना चाहता हूँ, जिन्होंने हमारे विद्यार्थियों को बेहद मांग वाली भूमिकाएं एवं शानदार प्रोफाइल प्रदान कर संस्थान में पुन: अपना विश्वास दर्शाया है।

हमनें आईआईएम काशीपुर के साथ साझेदारी को इच्छुक नियोक्ताओं की संख्या में भारी वृद्धि देखी है तथा हम उनके साथ परस्पर हितलाभ संबंधों को बनाएं रखने की आशा करते हैं।

हम अपनी सफलता का श्रेय अपने विद्यार्थियों के प्रयास को देते हैं, जिन्होंने लगातार अच्छा प्रदर्शन किया और संस्थान का सुनाम किया।

अभार

प्रो. कुणाल गांगुली
चेयरपर्सन - नियोजन्स
आईआईएम काशीपुर

प्राक्कथन

अंतिम नियोजन 2019-21 | विशेषताएँ

नियोजन सीजन के आंकड़े

कुल बैच संख्या	260
भाग लेने वाली कंपनियों की संख्या	108
कैंपस नियोजन में चुनने वाले छात्रों की संख्या	243
उच्चतम वेतन	3,15,000
किए गए प्रस्तावों की संख्या	269
औसत वेतन	73,094

औसत सीटीसी		
शीर्ष 10%	शीर्ष 20%	शीर्ष 30%
2,02,211	1,67,280	1,46,254

32%	भाग लेने वाली कंपनियों की संख्या में वृद्धि
61	नए भर्तीकर्ता
15%	औसत वेतन में वृद्धि
388%	महिला छात्रों की संख्या में वृद्धि

अंतिम नियोजन 2019-21 | विशेषताएँ

बैच पॉइंटर्स

32%

भाग लेने वाली कंपनियों की संख्या में वृद्धि

15%

औसत वेतन में वृद्धि

61%

नए भर्तीकर्ता

388%

महिला छात्रों की संख्या में वृद्धि

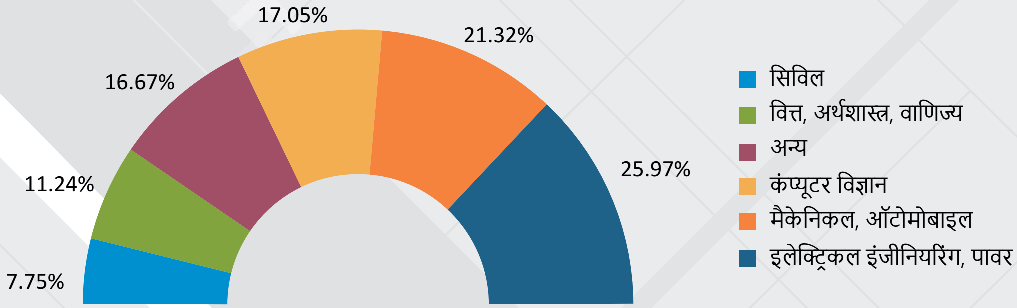

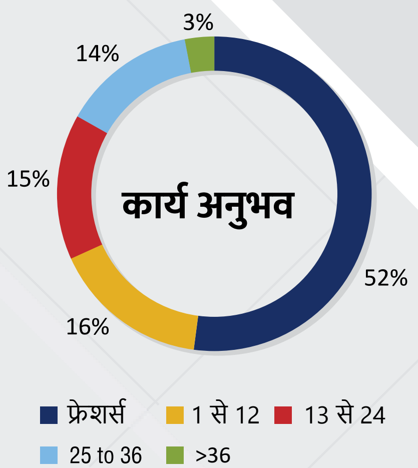

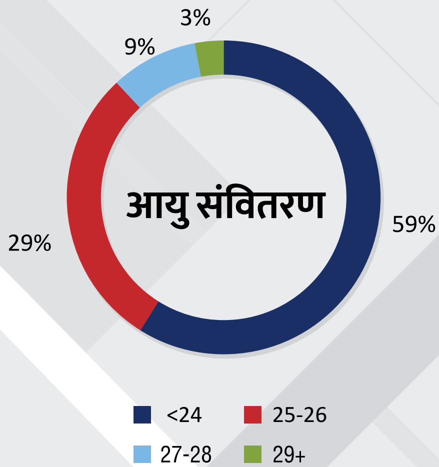

ग्रीष्मकालीन नियोजन 2019-21
विषय मुख्य बिंदू

वित्त

विद्यार्थियों ने आईसीआईसीआई बैक, आरएक्सआईएल, न्यूयॉर्क इंटनेशनल कैपिलटल, एसबीआई म्यूचुअल फंड्स, आरबीएल बैंक, बैसिक्स, उज्जीवन स्माल फाइनैंस बैंक, सिडबी, टाटा कैपिटल, एंजेल ब्रोकिंग, ट्रेस बिस्टा, यस बैंक, एचडीएफसी बैंक इत्यादि जैसे प्रतिष्ठित संगठनों द्वारा एसेट मैनेजमेंट, कैपिटल मार्केट एनैलिस्ट, कॉर्पोरेट बैंकिंग, क्रेडिट रिस्क प्रोफाइल, इक्विटिज रिसर्च, फाइनैंस एडवाइजरी, फाइनैंस कंट्रोलर, फाइनैंशियल एनैलिटिक्स, फाइनैंशियल स्ट्रैटेजी, इंटरनेल ऑडिटर, इंटरनेशल बैंकिंग, इन्वेस्टमेंट एनैलिस्ट, इंवेस्टर कम्यूनिकेशन, मार्केट रिस्क एनैलिस्ट, मर्जर्स एंड एक्विजिशन, प्राइवेट इक्विटी, रिलेशनशिप मैनेजमेंट, रिटेल बैंकि, रिस्ट असेसमेंट, मिटिगेशन, रूरल बैंकिंग, सीनियर बिजनेस एसोसिएट -फाइनैंशियल सर्विसेज, सीनियर फाइनैंशियल मार्केट्स रिसर्च एनैलिसिस इंटर्न, ट्रेजरी एंड वेल्थ मैनेजमेंट जैसी भूमिकाएं प्राप्त की हैं।

विपणन

मार्केट लीडर्स आईसीआईसीआई बैंक, आरबीएल बैंक, श्री मलानी फोम्स, टाटा स्टील, ऑगलिवि, ऑफबिजनेस, ओएलएक्स, बजाज फिनसर्व, आईडीबीआई बैकं, हाफिल, एयरटेल, डूम, शॉपक्लूज, जेके स्पाइसेज इत्यादि ने बेहद मांगवाली भूमिकाएं जैसे एग्री-विपणन, बी2बी विपणन, बी2सी विपणन, ब्रैंड मैनेजमेंट, कैम्पेन मैनेजमेंट, कैटगरी मैनेजमेंट, चैनेल मैनेजमेंट, कॉर्पोरेट रिलेशंस, कस्टमर एक्विजिशन, कस्टमर रिलेशनशिप मैनेजमेंट, डिजिटल विपणन एसोसिएट, डाइरेक्ट सेल्स, एंटरप्राइज सेल्स, इनबाउंड सेल्स, की एकाउंट मैनेजमेंट, मार्केट रिसर्च एसोसिएट, प्री-सेल्स, प्राइसिंग मैनेजमेंट, रिलेशनशिप मैनेजमेंट - रिटेल ब्रांच, रिटेल विपणन, रूरल विपणन, सेल्स डेवलपमेंट एक्सेक्यूटिव एवं स्ट्रैटेजिक विपणन ऑफर की हैं।

सूचना प्रोद्योगिकी एवं विश्लेषण

एल एंड टी टेक्नोलॉजी सर्विसेज, ट्रेडेंस, एमफैसिस, सुथरलैंड, रनटाइम सोल्यूशंस, एमएक्यू सॉफ्टवेयर इत्यादि जैसे बड़े नामों ने बीएफएसआई एनैलिटिक्स, बीआई एनैलिटिक्स, बिग-डेटा सर्विसेज मैनेजमेंट, बिजनेस इंटिलिजेंस, रिसर्च, बिजनेस सोल्यूशन इनैबलर, क्लाउड बिजनेस एनैलिस्ट, डेटा एनैलिटिक्स कंसल्टंट, फाइनैंशियल एनैलिटिक्स, ग्रोथ हैकर, आईटी प्रोजेक्ट मैनेजमेंट, ऑपरेशनल एनैलिटिक्स, प्रोडक्ट क्वालिटी एनैलिस्ट, सीनियर बिजनेस एनैलिस्ट, सीनियर रिसर्च एनैलिस्ट एवं टेक्निकल प्रोजेक्ट मैनेजमेंट इंटर्न जैसी प्रोफाइल ऑफर की हैं।

ग्रीष्मकालीन नियोजन 2019-21
विषय मुख्य बिंदू

रणनीति एवं परामर्श

शीर्ष संगठन जैसे डेलॉइट, ईवाई, वर्ल्ड रिसोर्सेज इस्टीट्यूट, सिनेपोलिस, सेइबर फूड्स, इललियोन इत्यादि ने स्ट्रैटेजी एंड कंस्टलिंग क्षेत्र में कॉर्पोरेट एजवाइजरी इंटर्न, गवर्नमेंट कंसल्टिंग, कॉर्पोरेट स्ट्रैटेजी, फाइनैंशियल कंसल्टंट, फंक्शनल कंसल्टंट, लीडरशिप एंड ग्रुप स्ट्रैटेजी, इंटर्न- स्ट्रैटेजिक एलायंस, प्रोडक्ट मैनेजमेंट इंटर्न, स्ट्रैटेजिक कंसल्टिंग, स्ट्रैटेजिक प्रोडक्ट मैनेजमेंट, स्ट्रैटेजी मार्केट इनिशिएटिव फॉर् सर्विस ऑपरेशन कंसल्टंट इत्यादि के रूप में भूमिकाएं ऑफर की हैं।

परिचालन

आईआईएम काशीपुर पुमा स्पोर्ट्स इंडिया, इलास्टिक रन, लार्सन एंड टूब्रो, अपोलो टायर्स, 4टिगो, ऑफबिजनेस, एबलकोल्ड, श्री मलानी फोम्स इत्यादि जैसे बड़े संगठनों के लिए लोकप्रिय गंतव्य है, जहां फ्लिट मैनेजमेंट इंटर्न, लॉजिस्टिक्स इंटर्न, ऑपरेशंस कोऑर्डिनेटर, ऑपरेशनल प्लानिंग इंटर्न, शिड्यूलिंग मैनेजमेंट इंटर्न, ई-कॉम ऑपरेशंस इंटर्न, ऑपरेशंस मैनेजमेंट इंटर्न, प्रोसेस इम्प्रूवमेंट हैंडलर, प्रोक्योरमेंट एनैलिसिस, प्रोडक्ट ऑपरेशंस, सीनियर प्रोजेक्ट मैनेजमेंट इंटर्न, सर्विस डिलिवरी इंटर्न, सर्विस इंटर्न, सर्विस क्वालिटी इंटर्न, स्ट्रैटेजिक ऑपरेशनल प्लांनिंग एसोसिएट एवं स्ट्रैटेजिक सप्लाई चेन इंटर्न की भूमिकाएं ऑफर की गईं।

सामान्य प्रबंधन

टाटा कैपिटल, डूम, आईसीआईसीआई बैंक, आरबीएल बैंक, टाटा स्टील, ओएनजीसी, सेराइबर फूड्स इत्यादि ने बिजनेस डेवलपमेंट एसोसिएट, आंट्रप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट, ग्रोथ ऑफिसर, इंटरनेशनल बिजनेस डेवलपमेंट, न्यू बिजनेस इनिशिएटिव्स, प्रोडक्ट एक्सेक्यूटिव, प्रोडक्ट मैनेजर इंटर्न एवं सीनियर बिजनेस डेवलपमेंट कंसल्टंट की भूमिकाएं ऑफर की हैं।

मानव संसाधन

एचआर के क्षेत्र में डिलॉइट, टाटा स्टील, श्री मलानी फोम्स, भेल, माइसलियो इत्यादि की भागीदारी देखने को मिली हैं। उन्होंने एचआर जनरलिस्ट, कैरियर डेवलपमेंट एक्सेक्यूटिव, कॉर्पोरेट एचआर गवर्नेंस, ग्लोबल इनिशिएटिव मैनेजर, एचआर एडवाइजरी, इंडस्ट्रियल रिलेशंस मैनेजमेंट, स्ट्रैटेजिक पर्फॉर्मेंस, कॉम्पेंसेशन मैनेजमेंट एवं एचआर एनैलिटिक्स इत्यादि जैसी मुख्य प्रोफाइल ऑफर की है।

हमारे नियोक्ता 2019-21

सार्वजनिक नीति में उत्कृष्टता केंद्र एवं सरकार

संस्थान द्वारा **सार्वजनिक नीति में उत्कृष्टता केंद्र एवं सरकार** की स्थापना नीति निर्माताओं, सरकारी एजेंसियों, नागरिक समाज, उद्योग और शिक्षाविदों के बीच विद्वानों के अनुसंधान, सार्वजनिक नीति अध्ययन और क्षमता निर्माण गतिविधियों के लिए एक सेतु के रूप में कार्य करने के लिए की गई है। वर्ष 2014 में अपनी स्थापना के बाद से, केंद्र ने आपदा प्रबंधन, वहनी, प्रबंधन (ग्रीन एमबीए), न्यायिक सेवा वितरण, खुली पहुंच के माध्यम से कानूनी शिक्षा, कॉर्पोरेट क्षेत्र में लिंग विविधता और महिलाओं के प्रति हिंसा खत्म कने जैसे विशिष्ट क्षेत्रों में कई प्रमुख परियोजनाएं और कार्यक्रम शुरू किए हैं। इस सेंटर ने विषयगत सार्वजनिक नीति विश्लेषणों के आधार पर कार्रवाई अनुसंधान, प्रशिक्षण और सलाहकार सेवाओं को मिलाकर विश्व बैंक, आईसीएसएसआर, शास्त्री इंडो-कनाडियन संस्थान, राष्ट्रीय महिला आयोग के साथ-साथ केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा वित्त पोषित परियोजनाओं की एक श्रृंखला को क्रियान्वित किया है।

उत्तराखंड आर्थिक सर्वेक्षण 2019-20

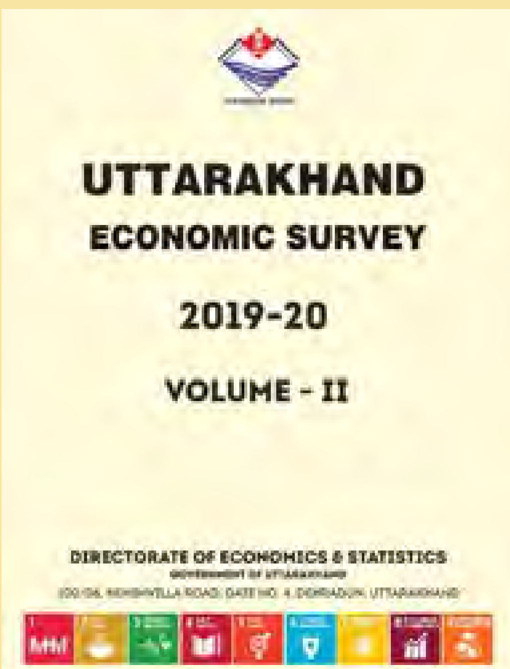

वर्ष 2019-2020 के दौरान, सार्वजनिक नीति केंद्र से जुड़े संकाय सदस्यों ने उत्तराखंड सरकार के लिए उत्तराखंड आर्थिक सर्वेक्षण (भाग II) करने का बीड़ा उठाया। राज्य के अर्थशास्त्र एवं सांख्यिकी निदेशालय तथा सार्वजनिक नीति एवं सुशासन केंद्र ने रिपोर्ट को मंजूरी दी है।

अर्थशास्त्र एवं सांख्यिकी निदेशालय (डीईएस), योजना विभाग, उत्तराखंड सरकार ने पिछले वर्ष के दौरान राज्य की अर्थव्यवस्था के प्रदर्शन का एक सिंहावलोकन प्रदान करते हुए राज्य का आर्थिक सर्वेक्षण किया है। यह उत्तराखंड के आर्थिक सर्वेक्षण के खंड II का तीसरा संस्करण है जो राज्य की अर्थव्यवस्था के विभिन्न पहलुओं, मैक्रो-इकोनॉमिक एग्रीगेट्स, अर्थव्यवस्था के महत्वपूर्ण क्षेत्रों की विश्लेषणात्मक समीक्षा, विकास चालकों और कृषि और संबद्ध उप-क्षेत्र जैसे बागवानी, पर्यटन, एमएसएमई, नागरिक उड्डयन जैसे प्रमुख क्षेत्रों में राज्य की विकास संभावनाओं को दर्शाता है । यह प्रतिवेदन राज्य की अर्थव्यवस्था के विभिन्न पहलुओं में महत्वपूर्ण नीति और कार्यक्रम संबंधी मुद्दों और चुनौतियों को प्रस्तुत करती है। इस रिपोर्ट में एक एक्शन एजेंडा के साथ कोविड-19 महामारी को देखते हुए नीतिगत दृष्टिकोण पर चर्चा की गई है, जबकि रिपोर्ट के लिए प्रो बहरुल इस्लाम टीम लीडर थे जबकि प्रो अतुलन गुहा और प्रो वैभव भमोरिया रिपोर्ट के लिए कार्यक्रम सलाहकार थे।

संयुक्त राष्ट्र के साथ सहयोग

सीओईपीपीजी ने इस अवधि के दौरान युनाइटेड नेशंस इकोनॉमिक एंड सोशल कमिशन फॉर एशिया एंड द पैसिफिट (इस्कैप), बैंकॉक के साथ अपना सहयोग जारी रखा है। यह सेंटर वर्ष 2017 से एशिया-पैसिफिक एकैडेमिया नेटवर्क के लिए अपने प्रस्ताव को आगे बढ़ा रहा है और इस साल एशिया-पैसिफिक इंफॉर्मेशन सुपरहाइवे (एपी-आईएस) स्टीयरिंग कमिटी और डब्ल्यूएसआईएस क्षेत्रीय समीक्षा के तीसरे सत्र में एजेंडा को बढ़ावा मिला, जो बैंकॉक (26-19 अगस्त 2019) में आयोजित किया गया था। आईआईएम काशीपुर ने 2017 में ईएससीएपी (इस्कैप) की ढाका बैठक में इस नेटवर्क का प्रस्ताव रखा था और बाद में बैंकॉक की बैठकों में अनुवर्ती कार्रवाई के साथ, अब हम अंततः इसे आगे बढ़ाने के लिए एक साथ अग्रसर हैं।

यूएनइस्कैप, बैंकॉक में एकैडेमिक नेटवर्क ग्रुप

"एकेडेमिया नेटवर्क" को इस उद्देश्य के साथ प्रस्तावित किया गया है कि एशिया प्रशांत क्षेत्र में शैक्षणिक समुदायों को विषयगत अनुसंधान, सहयोग क्षमता निर्माण कार्यक्रमों के साथ-साथ सुविधा प्रदान करने के मामले में एपी-आईएस पहल के सफल कार्यान्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभानी होगी। संस्थानों के बीच ज्ञान साझा करने, सूचना के आदान-प्रदान और क्षेत्रीय भागीदारी के लिए एक वातावरण के संदर्भ में एपी-आईएस पहल के सफल कार्यान्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभानी होगी।

इसके अलावा, पहले की तरह, सीओई-पीपीजी के एक प्रतिनिधि को कमिशन फॉर सोशल डेवलपमेंट (CSocD58) के अड़तालीसवें सत्र में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया था, जो 10 से 19 फरवरी 2020 तक न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में हुआ था। यह आयोग वैश्विक विकास के सामाजिक विकास स्तंभ के लिए जिम्मेदार सलाहकार निकाय है। वर्ष 2020 में, हम आयोग की 75वीं वर्षगांठ तथा सामाजिक विकास पर कोपेनहेगन घोषणा की 25वीं वर्षगांठ मना रहे हैं। वर्ष 2020 सभी उम्र के लोगों के लिए समावेशी समाजों की त्वरित प्राप्ति और हर जगह असमानताओं को कम करने के लिए एक महत्वपूर्ण वर्ष है। वर्ष के लिए प्राथमिकता विषय था: बेघरों को संबोधित करने के लिए सभी के लिए किफायती आवास और सामाजिक सुरक्षा प्रणाली।

प्रगति पर सामाजिक विकास आयोग का 58वां सत्र

दुनिया भर से प्रतिनिधिमंडलों ने परिवारों को सहयोग देने के लिए व्यापक सामाजिक सुरक्षा प्रणालियों की आवश्यकता पर प्रकाश डाला, क्योंकि वे समाज की मूलभूत इकाई थे और उन्होंने 2030 एजेंडा के वितरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। प्राथमिकता विषय पर उच्च स्तरीय पैनल चर्चा के दौरान, पैनलिस्टों और प्रतिनिधियों ने बेघरों को परिभाषित करने और इसे मापने की आवश्यकता पर बल दिया ताकि इसका मुकाबला करने के लिए उचित कार्रवाई की रूपरेखा तैयार की जा सके। इस बात पर जोर दिया गया कि बेघर होना सड़क पर रहने वाले लोगों से आगे है। वैश्विक स्तर पर पारिवारिक बेघरता एक बढ़ती हुई समस्या थी, और बेघर होने का अनुभव करने वाली कई महिलाएं, बच्चे और विकलांग व्यक्ति "हिडेन होमलेस" थे।

शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम

इस सेंटर ने इस्लामिक मदरसा में पढ़ रहे बच्चों की बेहतरी के लिए शैक्षिक प्रशासन, प्रबंधन और शिक्षाशास्त्र के आधुनिक तरीकों पर प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए 2 से 15 मार्च, 2020 तक एक अभिनव मदरसा शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। इस पहल के साथ आईआईएम काशीपुर मदरसा शिक्षा क्षेत्र में सभी समुदायों के विकास के लिए प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी के दृष्टिकोण - -सबका साथ, सबका विकास को लागू करने वाला देश का पहला आईआईएम बन गया।

मदरसा शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रतिभागी

आईआईएम काशीपुर में यह कार्यक्रम पूरे भारत के आईआईएम प्रोफेसरों और बाहरी संसाधन व्यक्तियों द्वारा दिया गया था। इसके तीन प्रमुख लक्ष्य थे - अध्यापन, प्रबंधकीय और नेतृत्व कौशल और अंतरधार्मिक संवाद का मानकीकरण। इसका उद्देश्य मौजूदा मदरसा प्रणाली के भीतर भारत जैसे बहु-विश्वास वाले राष्ट्र में सामान्य शिक्षा के नवीनतम सिद्धांतों, मुख्यधारा की शिक्षा की मूल्य प्रणालियों को शामिल करना था। अल्पसंख्यक मामलों के मंत्रालय के तहत मौलाना आज़ाद एजुकेशन फाउंडेशन ने मदरसा शिक्षकों के बीच आधुनिकता की भावना पैदा करने के उद्देश्य से कार्यक्रम शुरू किया। कार्यक्रम में उत्तराखंड और आसपास के राज्यों के तीस से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया।

इस कार्यक्रम का एक प्रमुख आकर्षण स्थानीय गुरुद्वारा में आयोजित अंतर-धार्मिक संवाद था, जहां प्रशिक्षुओं को नागरिक और सामाजिक संघर्षों को हल करने के लिए एक उपकरण के रूप में इस तरह के संवाद की व्यवहार्यता से परिचित कराया गया था। प्रतिभागियों ने "धर्मों" पर चर्चा की और पाया कि यह कई परतों या स्तरों से बना है जिन्हें स्कूलों में अंतर-धार्मिक संवाद के लिए जिम्मेदार ठहराया जाना है। इंटरफेथ डायलॉग संबंध-निर्माण के बारे में था तथा शिक्षकों को छात्र-केंद्रित दृष्टिकोण खोजने की आवश्यकता थी जो परिवर्तनकारी और आकर्षक थे।

आईएसीए रिजनल समर एकैडेमी

सियोल में आईएसीए एकैडेमी के दौरान अनुसंधान समूह के सदस्यगण

सीओई-पीपीजी को 30 अगस्त से 6 सितंबर, 2019 तक कोरिया गणराज्य के सियोल में आयोजित आईएसीए रिजनल समर एकैडेमी - साउथ एंड ईस्ट एशिया का हिस्सा बनने के लिए भी आमंत्रित किया गया था। इसने 14 देशों और क्षेत्रों के प्रतिभागियों को एक साथ लाया, और इस क्षेत्र में ज्ञान, अनुभव और अच्छी प्रथाओं के आदान-प्रदान को सक्षम बनाया है। प्रसिद्ध प्रोफेसरों द्वारा वास्तविक दुनिया के मामले के अध्ययन के साथ सिद्धांत का एक संयोजन अंतरराष्ट्रीय स्तर पर दिया गया था और प्रैक्टिशनर्स ने क्षेत्रीय भ्रष्टाचार विरोधी मुद्दों में नई अंतर्दृष्टि प्रदान की। आईआईएम काशीपुर " डिटरमाइनिंग द नेक्सस ऑफ करप्शन, गवर्नेंस एंड इकोनॉमिक ग्रोथ इन बांग्लादेश, भारत एंड पाकिस्तान " पर क्षेत्रीय शोध परियोजना का हिस्सा है। इसे आईएसीए रिजनल समर एकैडेमी के रूप में तैयार किया गया था और इससे दुनिया के इस हिस्से में भ्रष्टाचार विरोधी कार्यों पर ज्ञान के आधार को बढ़ाने की उम्मीद है।

जारी परियोजनाएं

यह सेंटर रायर्सन यूनिवर्सिटी (कनाडा) के साथ साझेदारी में लिंग विविधता पर सहयोगात्मक अनुसंधान कर रहा है और यह घरेलू स्तर पर दो प्रमुख परियोजनाओं को कार्यान्वित कर रहा है: (1) पूर्वी भारत में विच-हंट पर आईसीएसएसआर इम्प्रेस परियोजना और नीति विश्लेषण तथा (2) कानून मंत्रालय की कानूनी सुधार परियोजना "कंटिन्युइंग लीगल एजुकेशन फॉर एडवोकेट्स इन इंडिया"।

डिजाइन नवाचार केंद्र (डीआईसी) 'नवाशय'

उद्घाटन

आईआईएम काशीपुर ने 03 सितंबर, 2019 को डिजाइन नवाचार केंद्र (नवाशय) का उद्घाटन किया। आईआईएम काशीपुर के निदेशक कुलभूषण बालूनी, निदेशक, डीआईसी विवरणिका का अनावरण किया। डीआसी, आईआईएम काशीपुर ने डिजाइन सोच संस्कृति को सुविधाजनक बनाने के लिए तीन कार्यक्रम शुरू किए हैं: हेल्प (हिमालयन एजुकेशन लर्निंग कार्यक्रम). हिल (हिमालयन अपलिफ्टमेंट मूवमेंट), हिल (हिमालयन इनोवेशन ऑफ लैंड टू लेबोरेटरी)।

परिचय

डिजाइन नवाचार केंद्र (डीआईसी) 'नवाशय', मानव संसाधन विकास मंत्रालय (एमएचआरडी), भारत सरकार द्वारा डिजाइन नवाचार केंद्र की स्थापना के लिए राष्ट्रीय पहल के तहत देश में स्थापित किए जा रहे बीस डीआईसी में से एक है। इस सेंटर का लक्ष्य पूर्वोत्तर हिमालयी क्षेत्र और अन्य राष्ट्रीय प्राथमिकता वाले क्षेत्रों की समस्याओं को दूर करके संस्थान में एक डिजाइन और नवाचार की संस्कृति विकसित करना है। यह तीन साझेदार संस्थानों (हब) - भारतीय प्रोद्योगिकी संस्थान रुड़की (आईआई रुड़की), (स्पोक्स) - राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, उत्तराखंड (एनआईटीयूके) और जी बी पंत यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रिकल्चर एंड टेक्नोलॉजी (जीबीपीयूए एंड टी) को अपनी उपस्थिति दर्शाता है।

नवाशय अपने सहयोगियों को देश में नवाचार गतिविधियों को आरंभ एवं उनकी सहायता करने के लिए एक उत्प्रेरक और सुविधा के रूप में कार्य करने के लिए पारस्परिक रूप से लाभप्रद संबंधों को बनाने की सुविधा देता है। इसका प्राथमिक उद्देश्य एक पारिस्थितिकी तंत्र बनाना है जो प्रशिक्षण और समर्थन सहित नवाचार प्रक्रिया के सभी पहलुओं पर विभिन्न हितधारकों को जोड़ता है और सुविधा प्रदान करता है। नवाचार को बढ़ावा देते हुए, क्लस्टर को लाभ पहुंचाने वाले विभिन्न प्रोत्साहनों को प्रसारित करते हुए, डीआईसी इस पारिस्थितिक तंत्र में नवाचार के विकास का प्रबंधन करने वाले एक उद्भवन निकाय के रूप में कार्य करता है।

नवाशय अभिनव गतिविधियों को नवोन्मेषी अनुप्रयोगों में विचारों को विकसित करने और मार्गदर्शन करने का एक मंच है जो समाज को सीधे लाभ पहुंचा सकता है या उसका सफलतापूर्वक विपणन किया जा सकता है।

नवाशय के कार्यक्रमों, कार्यों के बारे में संक्षिप्त विवरण

केन्द्रीय विद्यालय, काशीपुर

यह कार्यशाला उत्तर-पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र के स्कूलों के बीच डिजाइन सोच एवं नवाचार (डीआईसी) को बढ़ावा देने के लिए एमएचआरडी की पहल के तत्वावधान में 3 अप्रैल, 2019 को एचईएलपी कार्यक्रम के तहत आयोजित की गई है। यह भारत सरकार द्वारा शुरू किए गए देश में नवाचार की होड़ को बढ़ावा देना है। कक्षा 8 वीं- 10 वीं तक कुल n = 53 छात्रों ने भाग लिया। रचनात्मक रूप से दिन की समस्याओं को हल करने के लिए टास्क दिए गए थे।

चित्र 1: डिजाइन थिंकिंग वर्कशॉप @ केन्द्रीय विद्यालय- काशीपुर

सरकारी आईटीआई, काशीपुर

कार्यशाला का आयोजन उत्तर-पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र के आईटीआई के बीच डिजाइन सोच एवं नवाचार (डीआईसी) को बढ़ावा देने के लिए एमएचआरडी की पहल के तहत 16 अप्रैल, 2019 को एचईएलपी कार्यक्रम के तहत किया गया है। यह भारत सरकार द्वारा शुरू किए गए देश में नवाचार की होड़ को बढ़ावा देना है। कुल n = 40 छात्रों ने विभिन्न ट्रेडों से भाग लिया। रचनात्मक तरीके से दिन की समस्याओं को हल करने के लिए कार्य दिए गए जैसे पेपर से ब्रिज मेकिंग। नवाचार से संबंधित निम्नलिखित बातों पर चर्चा की गई है:

क) आईटीआई के लिए डिजाइन सोच का परिचय।

ख) डिज़ाइन थिंकिंग का उपयोग करके उत्पाद कैसे बनाया जाए?

ग) उपभोक्ताओं की आवश्यकताओं का अध्ययन करना और तदनुसार, उत्पाद बनाएं। नेशनल इनोवेशन फाउंडेशन (एनआईएफ) के बारे में।

चित्र 2: डिजाइन थिंकिंग वर्कशॉप @ सरकारी आईटीआई - काशीपुर

हिमालयन समिट

डीआईसी, आईआईटी रुड़की में 22 मई, 2019 को एक दिन के शिखर सम्मेलन में डीआईसी 'नवाशय' ने सफलतापूर्वक भाग लिया। अपनी समस्याओं के समाधान के लिए इन संगठनों के साथ सहयोग करके हिमालयी क्षेत्र में डिज़ाइन नवाचार चुनौतियों पर विभिन्न चुनौतियों पर चर्चा की। इस तरह से डीआईसी हिमालयी क्षेत्र में विभिन्न कार्यों की सुविधा प्रदान करेगा।

चित्र 3: हिमालयन समिट

एमबीए में डिजाइन सोच और नवाचार पर ध्वजावाही पाठ्यक्रम

प्रो. कुमकुम भारती, चेयरपर्सन डीआईसी-आईआईएम काशीपुर ने सितंबर 2019 से एमबीए विद्यार्थियों के लिए 'डिजाइन सोच एवं नवाचार' पर एक पूरा कोर्स शुरू किया है। यह पाठ्यक्रम चयनीत 43 विद्यार्थियों की कुल संख्या के साथ 30 घंटे की एंगेजमेंट होगी। यह डिजाइन सोच और नवाचार के बारे में विद्यार्थियों को ज्ञान प्रदान करेगा कि कैसे इन अवधारणाओं को किसी संगठन की समस्या को सुलझाने की क्षमताओं को बढ़ावा देने के लिए लागू किया जा सकता है।

चित्र 4: डिजाइन थिंकिंग सत्र

टिंकरलैब्स द्वारा डिजाइन सोच एवं नवाचार

डीआईसी- आईआईएम काशीपुर ने 30-31 अक्टूबर 2019 को टिंकरलैब्स में श्री मंदीप सिंह तूर, लीन स्टार्ट-अप और इनोवेशन स्पेशलिस्ट द्वारा डिजाइन थिंकिंग एंड इनोवेशन पर दो दिवसीय विशेष सत्र का आयोजन किया। सत्र के विद्यार्थियों को डिज़ाइन सोच प्रक्रिया के हाथों के कार्यान्वयन पर अनुभव करने का मौका मिला। यह उन्हें डिजाइन सोच और नवाचार के बारे में ज्ञान प्रदान करने में मदद करता है, यह भी कि कैसे इन अवधारणाओं को किसी संगठन की समस्या को सुलझाने की क्षमताओं को बढ़ावा देने के लिए लागू किया जा सकता है।

चित्र 5: डिजाइन सोच सत्र-टिंकरलैब्स

अखिल भारतीय डीआईसी प्रदर्शनी 2019

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली, नई दिल्ली में 26 नवंबर, 2019 को आयोजित एमएचआरडी प्रतिनिधि के साथ डीआईसी हब और स्पोक्स ऑफ डीआईसी की अखिल भारतीय डीआईसी प्रदर्शनी 2019 में सफलतापूर्वक भाग लिया। यह चर्चा करने के लिए कि कैसे डीआईसी अपने भागीदारों को नवाचार गतिविधियों को आरंभ करने और सहायता करने के लिए पारस्परिक रूप से लाभकारी संपर्क बनाने हेतु सुविधाजनक बना सकता है और देश में नवाचार के लिए उत्प्रेरक और सुविधा के रूप में कार्य कर सकता है।

चित्र 6: अखिल भारतीय डीआईसी प्रदर्शनी, नई दिल्ली

पाठ्यक्रम विकास पर कार्यशाला, डीआईसी-आईआईटी रुड़की

प्रो. कुमकुम भारती, चेयरपर्सन डीआईसी-आईआईएम काशीपुर ने डिजाइन नवाचार केंद्र (डीआईसी), भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान आईआईटी रुड़की में दिसंबर 06-07, 2019 के दौरान 'पाठ्यचर्या विकास पर कार्यशाला' में सफलतापूर्वक भाग लिया, जिससे संस्थान में (i) डिजाइन-केंद्रित शिक्षा को बढ़ावा देना और (ii) संस्थान में एक सामान्य मंच प्रदान करना जो डिजाइन के क्षेत्र में प्रसिद्ध विशेषज्ञों, युवा इनोवेटर्स और आम आदमी के बीच ज्ञान विनिमय को गति दे सके।

चित्र 7: पाठ्यचर्या विकास पर कार्यशाला, डीआईसी-आईआईटी रुड़की

नवाचार एवं उद्यमशीलता विकास फाउंडेशन (एफआईईडी)/ई-सेल

फाउंडेशन फॉर इनोवेशन एंड एंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट (एफआईईडी) एक सेक्शन 8 कंपनी और आईआईएम काशीपुर में स्वामित्व और होस्ट किया गया इंक्यूबेशन सेंटर है। उत्तराखंड राज्य और उसके बाहर नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए 2018 में एफआईईडी की स्थापना की गई थी। वर्ष 2019-20 के शैक्षणिक वर्ष में, एफआईईडी ने निम्नलिखित कार्यक्रम और गतिविधियां कीं और उद्यमशीलता के पारिस्थितिकी तंत्र में खुद के लिए एक जगह बनाने में सक्षम था।

आरकेवीआई-रफ्तार योजना के तहत साहस और सक्षम, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय

एफआईईडी कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय के तहत एक आरकेवीआई रफ्तार एग्री-बिजनेस इन्क्यूबेटर (रबी) है। अगस्त और अक्टूबर 2019 के बीच, एफआईईडी ने दो महीने के प्री-सीड और सीड प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया, जिसमें देश के 22 विभिन्न राज्यों के एग्री स्टार्टअप्स शामिल थे।एफआईईडी से स्नातक होने वाले कुल 31 स्टार्टअप थे। उत्तराखंड राज्य के माननीय मुख्यमंत्री श्री त्रिवेंद्र सिंह रावत दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि थे। इन 31 स्टार्टअप में से 22 स्टार्टअप को अंततः कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा वित्त पोषित किया गया। इसके लिए देश में 'एनी रबी' को स्वीकृत 2.95 करोड़ की धनराशि अधिकतम अनुदान था। एफआईईडी इस परियोजना को चलाने के पहले ही वर्ष में इसे प्राप्त करने में सक्षम होने के लिए बहुत गर्व का विषय है।

उत्तिष्ठा

उत्तिष्ठा 18 से 20 अक्टूबर तक आयोजित किया गया वार्षिक आंट्रप्रेन्योरशिप फेयर था। यह आईआईएम काशीपुर के उद्यमिता सेल (ई-सेल) के सहयोग से एफआईईडी द्वारा बूट कैंप, ब्रेनस्टॉर्मिंग सेशन, फाउंडर्स टॉक शो, मेंटरिंग सेशन, पिचिंग सेशन, स्टार्ट-अप एग्जिबिशन सहित मनोरंजन गतिविधियों जैसी विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से उद्यमिता की भावना को मनाने के लिए आयोजित किया गया था। राज्य के माननीय मुख्यमंत्री श्री त्रिवेंद्र सिंह रावत की शानदार उपस्थिति में 20 अक्टूबर को इसका सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। उत्तिष्ठा कार्यक्रम 18 अक्टूबर को स्टार्ट-अप बूटकैंप के साथ शुरू हुआ, जिसे पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स द्वारा प्रायोजित और आयोजित किया गया था। 19 अक्टूबर को एक बहुत ही एलिट पैनल के साथ उद्यमिता पर एक पैनल चर्चा हुई जिसमें कई दिग्गज उद्यमी, सरकारी प्रतिनिधि और निवेशक शामिल थे। परिसर में कैरियर-काउंसलिंग सत्र आयोजित किए गए जिसमें लगभग 2000 विद्यार्थी कैरियर की सलाह के लिए आए। अंतिम दिन, यानी, 20 अक्टूबर को, मुख्यमंत्री ने स्टार्ट-अप मेले का उद्घाटन किया, जिसमें 100+ स्टार्ट-अप स्टॉल थे, जिसमें अभिनव उत्पादों और सेवाओं का प्रदर्शन किया गया। आयोजन के दौरान परिसर में 5000 से अधिक लोग थे तथा कई और लोग ऑनलाइन इसे फॉलो कर रहे थे।

कार्यक्रम के मुख्य आकर्षण:

- **100 इग्जिबिटर्स**
- **5000+ आगमन**
- **150+ उद्यमी**
- **27 वक्ता**
- **4 कोणीय निवेशक**

उद्यमिता विकास कार्यक्रम

काशीपुर में और उसके आसपास छोटे व्यवसाय के मालिकों और कॉर्पोरेट प्रबंधकों के बीच नवाचार को बढ़ावा देने के लिए, एफआईईडी अपने प्रबंधकीय स्तर के उद्यमिता विकास कार्यक्रम के साथ आया है, जिसने प्रतिभागियों को प्रशिक्षण और सहायता प्रदान की ताकि वे अपने नेतृत्व और समस्या को सुलझाने के कौशल को तेज कर सकें। सप्ताहांत का कार्यक्रम जनवरी 2020 में शुरू किया गया था और इसने सहभागी अभ्यास और वास्तविक समय के केस स्टडी के माध्यम से प्रतिभागियों के बीच एक अभिनव मानसिकता को विकसित करने पर जोर दिया। कार्यक्रम ने अधिकतम परिणाम सुनिश्चित करने के लिए प्रत्येक प्रतिभागी की व्यक्तिगत समस्या के समाधान पर भी ध्यान केंद्रित किया। पहले विकास ईडीपी बैच में 30 छोटी और मध्यम स्तर की कंपनियों के 41 प्रतिभागी थे। ये प्रतिभागी स्थानीय उद्योगपति, व्यापारी और उद्यमी थे। कार्यक्रम ने निश्चित रूप से मिथकों के गढ़ों को बर्बाद कर दिया और लोगों को नवाचार के नए आयामों को प्राप्त करने के लिए अधिक सोचने के लिए मजबूर किया।

उड़ान

कम सुविधाप्राप्त बच्चों के लिए सामुदायिक स्कूल, उड़ान को जनवरी 2020 में आईआईएम काशीपुर में उन्नाव भारत अभियान पहल के तहत स्थापित किया गया था। फरवरी में, एफआईईडी ने समाज के कमजोर वर्गों से आने वाले बच्चों के लिए सीखने के माहौल को बनाने के लिए दान के रूप में रु. 50,000 खर्च किए। इस दान ने सुनिश्चित किया कि इन वंचित बच्चों को शाम का नाश्ता और अध्ययन सामग्री मिले। एफआईईडी और आईआईएम काशीपुर की इस पहल ने प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से समाज को मजबूत बनाया। उड़ान ग्रेड 1 से ग्रेड 8 तक के बच्चों के लिए सीखने की सुविधा प्रदान करता है। वर्ष 2019-20 में, कार्यक्रम में कुल 25 विद्यार्थियों को शामिल किया गया था और उन्हें अपनी पढ़ाई पर ध्यान केंद्रित करने में मदद करने के लिए बुनियादी सुविधाएं दी गई थीं। इनमें से दो शारीरिक रूप से विकलांग थे। ये विद्यार्थी मुख्य रूप से आईआईएम काशीपुर की निकटतम निवासी कॉलोनी भट्टा कॉलोनी के रहे।

उदय

उदय एक ग्रामीण उद्यमिता विकास कार्यक्रम था जो मार्च 2020 में FIED द्वारा आईआईएम काशीपुर परिसर में आयोजित किया गया था। एक सप्ताह व्यापी प्रशिक्षण कार्यक्रम को ग्रामीण उद्यमियों, कृषि-प्रधानों और ग्रामीण आजीविका सहकारी समितियों को लक्षित और प्रशिक्षित करने के लिए डिज़ाइन किया गया था। पहले उदय कार्यक्रम में कुल 98 प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिनमें से 73 उत्तराखंड ग्राम्य विकास समिति की सिफारिश के साथ हिलान्स से आए थे। प्रशिक्षण कार्यक्रम ग्रामीण अर्थव्यवस्था, सस्ती आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन और ग्रामीण विपणन पर केंद्रित है। प्रतिभागी मुख्य रूप से सहकारी कर्मचारी थे जो स्थानीय उत्पादों का मूल्यवर्द्धन करते हैं और हिलान्स के बैनर तले बेचते हैं।

यह कार्यक्रम 3 मार्च और 9 मार्च, 2020 के बीच आयोजित किया गया था। यह वर्ष 2019-20 के लिए एफआईईडी में अंतिम कार्यक्रम था।

अंतर्राष्ट्रीय संबंध

सहयोग एवं विनिमय

शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्रों में पारस्परिक सहयोग के माध्यम से शैक्षणिक और सांस्कृतिक विनिमय विकसित करने के लिए, आईआईएम काशीपुर अपने लगातार बढ़ते भागीदार संस्थानों के साथ अपने सहकारी संबंधों को मजबूत करता है। आईआईएम काशीपुर और उसके सम्मानित भागीदारों ने समझौता ज्ञापन में निम्न निर्णय लिया:

- अपने संस्थानों में प्रस्तावित कार्यक्रमों सहित क्षेत्रों में सहयोग करना
- निम्नलिखित प्रकार के व्यावसायिक शिक्षा से संबंधित गतिविधियों या कार्यक्रमों के माध्यम से:
    - विद्यार्थियों का अल्पकालिक विनिमय;
    - संकाय का आदान-प्रदान; तथा
    - संयुक्त अनुसंधान गतिविधियों का विकास

वर्ष 2019 के बाद से, अब तक हमने निम्नलिखित संस्थानों के साथ सहयोग किया है:

- लिनियस यूनिवर्सिटी, स्वीडन
- सोकोव यूनिवर्सिटी, ताइवान
- कर्दन यूनिवर्सिटी, अफगानिस्तान
- टरीबा यूनिवर्सिटी, लातविया
- यूनिवर्सिटी ऑफ लीमा, पेरू

उपर्युक्त को ध्यान में रखते हुए, वर्तमान में आईआईएम काशीपुर में पंद्रह (15) अंतर्राष्ट्रीय सहयोग हैं।

प्रबंधन विकास कार्यक्रम

आईआईएम काशीपुर में प्रबंधन विकास कार्यक्रम (एमडीपी) प्रतिभागियों को प्रबंधन में सर्वश्रेष्ठ अभ्यास के बारे में नवीनतम सोचने, और उन्हें एक प्रबंधक एवं लीडर के रूप में अपनी प्रभावशीलता को मजबूत करने के लिए व्यक्तिगत और पेशेवर उपकरण प्रदान करने का अवसर प्रदान करते हैं। यह कार्यक्रम जागरूकता और संगठन को बढ़ाने - व्यापक सोच और परिवर्तन से लेकर अनिश्चित वातावरण में अधिक प्रभावी ढंग से काम करने की चुनौतियों तक के लिए एक वैश्विक संदर्भ भी प्रदान करता है।

हमारा प्रबंधन विकास कार्यक्रम निम्न पर ध्यान केंद्रित:

- सर्वोत्तम प्रबंधन प्रथाओं के बारे में ज्ञान प्रदान करना
- सहयोगी शिक्षण जहां प्रतिभागी एक-दूसरे से सीखते हैं
- प्रतिभागियों को उनके सीखने को क्रिया में बदलने में मदद करना

अनुभवी प्रोफेसर, जो कॉर्पोरेट वास्तविकताओं से परिचित हैं एवं कार्यक्रमों का नेतृत्व करते हैं। कॉर्पोरेट जगत के विशेषज्ञों और चिकित्सकों को भी प्रतिभागियों के साथ अपने अनुभव साझा करने के लिए आमंत्रित किया जाता है।

हमारे कार्यक्रम को बिजनेस पॉलिसी, फाइनैंस, एकाउंटिंग, ऑर्गनाइजेशनल बिहैवियर, विपणन, इंडस्ट्रियल एंड पर्सोनल रिलेशंस, क्वांटेटिव एंड प्रोडक्शन मेथड्स, इंफॉर्मेशन सिस्टम्स एंड कम्प्यूटर्स, हेल्थ, पब्लिक सिस्टम्स एवं सामान्य प्रबंधन जैसे विशिष्ट क्षेत्रों के लिए डिज़ाइन किए गए हैं।

कंपनी में प्रबंधन विकास कार्यक्रम

आईआईएम काशीपुर व्यक्तिगत संगठनों से विशिष्ट एक्सेक्यूटिव लर्निंग एवं/या कॉर्पोरेट ट्रेनिंग मैनडेट को संबोधित करने के लिए विशेष कस्टम-डिज़ाइन कार्यक्रम भी प्रदान करता है। इस प्रारूप के तहत, पाठ्यक्रम ग्राहक संगठन के सहयोग से तैयार किए गए हैं, और एक पारस्परिक रूप से सुविधाजनक तिथि और स्थल पर निर्धारित किए गए हैं। इस तरह के कार्यक्रम विक्रय एवं विपणन, परिचालन, वित्त, रणनीति, नेतृत्व, आदि या अंतर-अनुशासनात्मक के रूप में डोमेन-विशिष्ट हो सकते हैं, जिसमें कई कार्यात्मक क्षेत्रों का एक अधिकतम मिश्रण शामिल है।

वित्तीय वर्ष 2019-20 में आईआईएम काशीपुर द्वारा निम्नलिखित इन-कंपनी मैनेजमेंट डेवलपमेंट कार्यक्रम संचालित किए गए थे:

कार्यक्रम का नाम	ग्राहक संगठन	अवधि
डेप्युटी मैनेजर्स एक्सेक्यूटिव एजुकेशन कार्यक्रम 9वां बैच	भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लि.(भेल)	24.06.2019-28.06.2019
डेप्युटी मैनेजर्स एक्सेक्यूटिव एजुकेशन कार्यक्रम 10वां बैच	भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लि.(भेल)	08.07.2019-12.07.2019
डेप्युटी मैनेजर्स एक्सेक्यूटिव एजुकेशन कार्यक्रम 11वां बैच	भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लि.(भेल)	05.08.2019-09.08.2019
डेप्युटी मैनेजर्स एक्सेक्यूटिव एजुकेशन कार्यक्रम 12वां बैच	भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लि.(भेल)	23.09.2019-27.09.2019
डेप्युटी मैनेजर्स एक्सेक्यूटिव एजुकेशन कार्यक्रम 13वां बैच	भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लि. (भेल)	25.11.2019-29.11.2019
मैनेजमेंट डेवेलपमेंट कार्यक्रम ऑन सॉफ्ट स्किल्स फॉर द वर्कप्लेस ऑफ टुमॉरो फॉर ओएनजीसी जीटी (4 प्रोग्राम्स)	ऑयल एंड नेचुरल गैस कॉर्पोरेशन (ओएनजीसी)	18.11.2019-22.11.2019
मैनेजमेंट डेवेलपमेंट कार्यक्रम ऑन सॉफ्ट स्किल्स फॉर द वर्कप्लेस ऑफ टुमॉरो फॉर ओएनजीसी जीटी (5 प्रोग्राम्स)	ऑयल एंड नेचुरल गैस कॉर्पोरेशन (ओएनजीसी)	03.02.2020-07.02.2020

कैम्पस में प्रबंधन विकास कार्यक्रम

ये लघु अवधि के कार्यक्रम हैं जो 2-5 दिनों के लिए विशेष रूप से संगठनों के लिए उनकी आवश्यकता के अनुसार डिज़ाइन किए गए हैं। ये कार्यक्रम ग्राहक संगठन के सहयोग से तैयार किए गए हैं, और आईआईएम काशीपुर परिसर में पारस्परिक रूप से सुविधाजनक तिथि पर निर्धारित किए गए हैं।

वित्त वर्ष 2019-20 में आईआईएम काशीपुर द्वारा निम्नलिखित इन-कैंपस प्रबंधन विकास कार्यक्रम संचालित किए गए थे:

कार्यक्रम का नाम	ग्राहक संगठन	अवधि
टीईक्यूआईपी ।।। के तहत प्रोफेशनल डेवेलपमेंट ट्रेनिंग 5वां बैच	राष्ट्रीय परियोजना कार्यान्वयन इकाई (एनपीआईयू)	06.05.2019-10.05.2019
डेवेलपिंग सॉफ्ट स्किल्स फॉर सर्विस एक्सलेन्स 4था बैच	भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी)	17.06.2019-20.06.2019
टीईक्यूआईपी ।।। के तहत प्रोफेशनल डेवेलपमेंट ट्रेनिंग 6ठां बैच	राष्ट्रीय परियोजना कार्यान्वयन इकाई (एनपीआईयू)	24.06.2019-28.06.2019
डेवेलपिंग सॉफ्ट स्किल्स फॉर सर्विस एक्सलेन्स 5वां बैच	भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी)	27.08.2019-30.08.2019

कार्यक्रम का नाम	ग्राहक संगठन	अवधि
डेवेलपिंग सॉफ्ट स्किल्स फॉर सर्विस एक्सलेन्स 6ठां बैच	भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी)	17.09.2019-20.09.2019
टीईक्यूआईपी ।।। के तहत प्रोफेशनल डेवेलपमेंट ट्रेनिंग 7थ बैच	राष्ट्रीय परियोजना कार्यान्वियन इकाई (एनपीआईयू)	23.09.2019-27.09.2019
टीईक्यूआईपी ।।। के तहत प्रोफेशनल डेवेलपमेंट ट्रेनिंग 8वां बैच	राष्ट्रीय परियोजना कार्यान्वियन इकाई (एनपीआईयू)	02.12.2019-06.12.2019
ट्रेनिंग फॉर आईएएस ऑफिसर्स	उत्तराखंड प्रशासन अकादमी (यूएए)	30.09.2019-01.10.2019
मैनेजमेंट डेवेलपमेंट कार्यक्रम फॉर "एलिमेंटरी स्कूल हेड मास्टर्स	राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एससीईआरटी) उत्तराखंड	27.01.2020-31.01.2020
प्रोफेशनल डेवेलपमेंट कार्यक्रम इन टीचिंग एंड लीडरशिप फॉर मदरसा टीचर्स	मौलाना आज़ाद एजुकेशन फाउंडेशन, अल्पसंख्यक मामलों का मंत्रालय, भारत सरकार	02.03.2020-14.03.2020

कार्यकारी विकास कार्यक्रम (ऑनलाइन प्रारूप)

इग्जेक्यूटिव डेवलपमेंट प्रोग्राम (कार्यकारी विकास कार्यक्रम) एक मिश्रित कार्यक्रम है जिसमें ऑनलाइन और ऑन-कैंपस मॉड्यूल दोनों शामिल हैं। ऑनलाइन मॉड्यूल के लिए, अनुदेश की प्राथमिक विधि लाइव व्याख्यान के माध्यम से होती है जो इंटरनेट के माध्यम से प्रतिभागियों के डेस्कटॉप / लैपटॉप या कक्षाओं तक ऑनलाइन पहुंचाई जाती है। व्याख्यान आईआईएम काशीपुर के प्रतिष्ठित संकाय और उद्योग से विशेषज्ञ (ओं) द्वारा प्रदान किए जाते हैं। इन कार्यक्रम को मुख्य रूप से कक्षा अभ्यास, प्रस्तुतियों, टेक-होम अभ्यास, सिमुलेशन और केस स्टडीज के संयोजन के माध्यम से सिखाया जाता है। यह पाठ्यक्रम सामग्री विभिन्न व्यावसायिक पहलुओं के लिए सामग्री के अनुप्रयोग के लिए एक परिचय के साथ प्रतिभागियों को प्रदान करने के लिए एक तरह से आयोजित की जाती है। पाठ्यक्रम के दौरान समय-समय पर मूल्यांकन किया जाता है। ये एक क्विज, असाइनमेंट, अभ्यास, उद्देश्य / व्यक्तिपरक आकलन के रूप में हो सकते हैं। मूल्यांकन पाठ्यक्रम के साथ निरंतर छात्र एंगेजमेंट सुनिश्चित करने और सीखने को प्रोत्साहित करने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं। जो विद्यार्थीगण अपेक्षित उपस्थिति मानदंडों के साथ सफलतापूर्वक साफ़ करते हैं, वे सर्टिफिकेट ऑफ़ कंप्लीशन के लिए पात्र होते हैं अन्यथा प्रतिभागी को प्रमाणपत्र जारी किया जाता है जो पाठ्यक्रम के मानदंडों को पूरा करने में विफल रहता है।

परिसर में मॉड्यूल आईआईएम काशीपुर परिसर में कक्षाओं में प्रदान किए जाते हैं। ऑन-कैंपस मॉड्यूल की अवधि पाठ्यक्रम की मांग के अनुसार दो से पांच दिन हो सकती है।

निम्नलिखित कार्यकारी विकास कार्यक्रम आईआईएम काशीपुर द्वारा वित्त वर्ष 2019-20 में प्रस्तुत किए गए थे:

कार्यक्रम का नाम	ऑनलाइन साझेदार	अवधि
एक्सेक्यूटिव डेवेलपमेंट कार्यक्रम इन स्ट्रॅटेजिक मैनेजमेंट 5वां बैच	ह्यूमन रिसोर्स एडवाइजरी प्रा. लि. (नुलर्न)	18.05.2019-18.08.2019
एक्सेक्यूटिव डेवेलपमेंट कार्यक्रम इन ऑपरेशन्स मैनेजमेंट 2रा बैच	ह्यूमन रिसोर्स एडवाइजरी प्रा. लि. (नुलर्न)	28.07.2019-01.12.2019
एक्सेक्यूटिव डेवेलपमेंट कार्यक्रम इन अप्लाइड क्रेडिट रिस्क अनलयटिक्स 1ला बैच	ह्यूमन रिसोर्स एडवाइजरी प्रा. लि. (नुलर्न)	10.08.2019-11.01.2020
एक्सेक्यूटिव डेवेलपमेंट कार्यक्रम इन लजिस्टिक्स एंड सप्लाइ चैन मैनेजमेंट 4था बैच	सफेदुकते लर्निंग प्रा. लि.	13.10.2019-01.03.2020
एक्सेक्यूटिव डेवेलपमेंट कार्यक्रम इन फाइनैंशियल डेटा एनैलिटिक्स 2न्ड बैच	ह्यूमन रिसोर्स एडवाइजरी प्रा. लि. (नुलर्न)	10.11.2019-03.05.2020
एक्सेक्यूटिव डेवेलपमेंट कार्यक्रम इन स्ट्रॅटेजिक मैनेजमेंट 6ठां बैच	ह्यूमन रिसोर्स एडवाइजरी प्रा. लि. (नुलर्न)	24.11.2019-15.03.2020
एक्सेक्यूटिव डेवेलपमेंट कार्यक्रम इन अप्लाइड फाइनैंशियल रिस्क मैनेजमेंट 1थम बैच	ह्यूमन रिसोर्स एडवाइजरी प्रा. लि. (नुलर्न)	08.03.2020-02.08.2020
एक्सेक्यूटिव डेवेलपमेंट कार्यक्रम इन स्ट्रॅटेजिक मैनेजमेंट 7वां बैच	ह्यूमन रिसोर्स एडवाइजरी प्रा. लि. (नुलर्न)	29.03.2020-12.07.2020

समूह तस्वीर: भारतीय जीवन बीमा निगम के लिए सेवा
उत्कृष्टता हेतु सॉफ्ट स्किल विकसित करना - 4था बैच
17.06.2019 – 20.06.2019

समूह तस्वीर: भारतीय जीवन बीमा निगम के लिए
सेवा उत्कृष्टता हेतु सॉफ्ट स्किल विकसित करना - 4था बैच
17.09.2019 – 20.09.2019

समूह तस्वीर: आईएएस अधिकारियों - उत्तराखंड एकैडेमी ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन को प्रशिक्षण
30.09.2019 – 01.10.2019

समूह तस्वीर: टीईक्यूआईपी ।।। - नेशनल प्रोजेक्ट इम्पलिमेंटेशन
यूनिट (एनपीआईयू) के तहत 8वें बैच को प्रोफेशनल डेवलपमेंट ट्रेनिंग
02.12.2019 – 06.12.2019

समूह तस्वीर: टीईक्यूआईपी ।।। - नेशनल प्रोजेक्ट इम्पलिमेंटेशन यूनिट (एनपीआईयू) के
तहत 8वें बैच को प्रोफेशनल डेवलपमेंट ट्रेनिंग
27.01.2020 – 31.01.2020

संकाय एवं शिक्षाविद्

नाम	क्षेत्र
प्रो.बहारुल इस्लाम	संप्रेष
प्रो स्मारक समरजीत	संप्रेष
प्रो अतुलन गुहा	अर्थशास्त्र
प्रो. अभ्रदीप माइती	अर्थशास्त्र
प्रो. वैभव भमोरिया	अर्थशास्त्र
प्रो. कुलभूषण बालुनी	अर्थशास्त्र
प्रो. के. एन. बधानी	वित्त एवं लेखांकन
डॉ. कुणाल	वित्त एवं लेखांकन
आशीष कुमार	वित्त एवं लेखांकन
प्रो. दिलीप कुमार	वित्त एवं लेखांकन
प्रो. मयंक शर्मा	सूचना प्रौद्योगिकी एवं प्रणाली क्षेत्र
प्रो. के वेंकटराघवन	सूचना प्रौद्योगिकी एवं प्रणाली क्षेत्र
प्रो. सोमनाथ चक्रवर्ती	विपणन
प्रो. मधुरिमा देब	विपणन
प्रो. माला श्रीवास्तव	विपणन
प्रो. कुमकुम भारती	विपणन
प्रो. राकेश कुमार अग्रवाल	ओबी एवं एचआर
प्रो. देवजानी चटर्जी	ओबी एवं एचआर
प्रो. ए वी रमन	ओबी एवं एचआर
प्रो. मृदुल माहेश्वरी	ओबी एवं एचआर
प्रो. नितिन सिंह	परिचालन प्रबंधन एवं निर्णय विज्ञान
प्रो. कुणाल के गांगुली	परिचालन प्रबंधन एवं निर्णय विज्ञान
डॉ. राम कृष्ण पाधी	परिचालन प्रबंधन एवं निर्णय विज्ञान
डॉ. कम्पान मुखर्जी	परिचालन प्रबंधन एवं निर्णय विज्ञान
प्रो. सब्यसाची पात्रा	परिचालन प्रबंधन एवं निर्णय विज्ञान
प्रो.सफाल बत्रा	रणनीति
प्रो.विवेक कुमार	रणनीति

विजिटिंग संकाय 2019-20

विजिटिंग संकाय का विवरण 2019-20

संकाय	शिक्षा	प्रोफेशनल अनुभव
प्रो. रजत अग्रवाल	पीएचडी	एसोसिएट प्रोफेसर-आईआईटी रुड़की
प्रो. एसपी सिंह	पीएचडी, आईआईटी कानपुर, एनयूएस सिंगापुर से पीडीएफ	वह आईआईटी दिल्ली में फैकल्टी हैं
प्रो. इमरान सलीम	i. पीएच.डी. ए.एम.यू., अलीगढ़ 1991 ii. एम. फिल. ए.एम.यू. अलीगढ़ 1989	प्रोफेसर, वाणिज्य विभाग, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़
प्रो. देवव्रत दास	पीएच.डी. (ऑपरेशंस मैनेजमेंच एंड डिसीजन साइंसेज), एसजेएम स्कूल ऑफ मैनेजमेंट, आईआईटी बम्बई, भारत	असिस्टेंट प्रोफेसर, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इंडस्ट्रियल इंजीनियरिंग मुंबई
प्रो. अर्चना त्यागी	पीएच.डी. (मनोविज्ञान)	एडजंक्ट संकाय के रूप में सतत शिक्षा के लिए आईआईएम काशीपुर और एमएमआईएमएस ग्लोबल एक्सेस स्कूल के साथ वर्तमान सहयोग; सलाहकार के रूप में Your DOST.com से; तथा लीडर्स टुडे, स्विट्जरलैंड से एक कोच
प्रो. सुनील आश्रा	पीएच.डी. एकनॉमिक्स 1999 जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, एम.फिल. एकनॉमिक्स 1995 जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली,	वर्तमान में एमडीआई में अर्थशास्त्र विभाग के प्रमुख हैं। अप्रैल 2004 से एमडीआई में भी शिक्षण।
प्रो. मानस पॉल	पीएचडी, आईजीआईडीआर मुंबई	वर्तमान में आईएमटी गाजियाबाद में अर्थशास्त्र, पर्यावरण और नीति क्षेत्र के प्रोफेसर और क्षेत्र अध्यक्ष
प्रो. बिक्रमजीत ऋषि	पोस्ट डॉक्टरेट (यूरोपीयन यूनियन द्वारा वित्त पोषित) पीएच.डी. एवं एम.बी.ए.	इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट टेक्नोलॉजी (आईएमटी), गाजियाबाद, भारत में 18 साल का प्रोफेशनल अनुभव और वर्तमान में एक एसोसिएट प्रोफेसर (विपणन)
प्रो.मैत्रेयी मुखर्जी	फेलो इन रूरल मैनेजमेंट, इंस्टीट्यूट ऑफ रूरल मैनेजमेंट आनंद एंड एग्जीक्यूटिव प्रो.ग्राम इन बिजनेस एनालिटिक्स, एमआईएसबी बोक्कोनी, मुंबई	सॉफ्टवेयर विकास में चार साल का उद्योग का अनुभव, इसके बाद आठ साल तक एमआईएस / एसआईएस, आईसीटी-डी / ई-गवर्नेंस, आईआईएम काशीपुर में एनालिटिक्स और जनरल मैनेजमेंट, धीरूभाई अंबानी इंस्टीट्यूट ऑफ इंफॉर्मेशन एंड कम्युनिकेशन टेक्नोलॉजी, गांधीनगर और गुजरात के सेंट्रल यूनिवर्सिटी में पढ़ाया।
श्री राहुल नैनवाल	ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी, फेलोशिप ऑन लीडरशिप एंड एक्सलेंस ऐट सेंट क्रॉस कॉलेज विद् अ फोकस ऑ पॉलिटिक्स (2019), इंस्टीट्यूट ऑफ रूरल मैंनेजमेंट, आणंद, भारत, पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन रूरल मैनेजमेंट	इंडियन स्कूल ऑफ पब्लिक पॉलिसी (आईएसपीपी) विजिटिंग फैकल्टी: 2019- वर्तमान, सेंटर फॉर अर्बन एंड रिजनल एक्सलेंस (क्योर) दिल्ली सलाहकार-जून 2019 - अब तक
प्रो. एम अकबर	एम.एससी. और एम. फिल. (स्टैटिस्टिक्स) एएमयू अलीगढ़ तथा एम. फिल एवं पीएच.डी. (उद्यमिता) जेएनयू, नई दिल्ली से	वे भारतीय और विदेशी संस्थानों में शिक्षण / प्रशिक्षण के 31 वर्षों के अनुभव के साथ पिछले 26 वर्षों से आईआईएम लखनऊ के रणनीतिक प्रबंधन और उद्यमिता क्षेत्र में एक विद्वान, सलाहकार और शिक्षक / प्रशिक्षक हैं।

संकाय	शिक्षा	प्रोफेशनल अनुभव
प्रो. हर्षवर्धन सामलिया	पी.एचडी. भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी और प्रबंधन संस्थान, ग्वालियर, भारत - 2010	एसोसिएट प्रो.फेसर, आईआईएम शिलांग
प्रो. सुप्रिया शर्मा	फेलो कार्यक्रम इन मैनेजमेंट (ऑर्गनाइजेशनल बिहैवियर) आईआईएम अहमदाबद से	सीआईआईई इनिशिएटिव्स, आईआईएम अहमदाबाद, वीपी रिसर्च
प्रो. प्रान्तोष बनर्जी	पी.जी.डी.एम. (आईआईएम कलकत्ता, 1987) और एफपीएम (पीएचडी के बराबर; आईआईएम अहमदाबाद, 2016 बी.टेक. (आईआईटी खड़गपुर, 1985)	कुछ चुनिंदा प्रबंधन संस्थानों में विजिटिंग फैकल्टी
श्री सैमुअल डी राजकुमार	बी.ई. (कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग), करुण्य प्रौद्योगिकी संस्थान, भारथिअर विश्वविद्यालय, कोयम्बटूर एमबीए (सिस्टम और विपणन), त्यागराज स्कूल ऑफ मैनेजमेंट, मदुरै कामराजार यूनिवर्सिटी, मदुरै	आईटी उद्योग, कोटक महिंद्रा बैंक लिमिटेड, चेन्नई में 16 से अधिक वर्षों का अनुभव एसोसिएट उपाध्यक्ष (जुलाई 2018 से आज तक)
प्रो. राजीव आर सिंह	भारतीय प्रबंधन संस्थान, काशीपुर -2018 से एमबीए (डब्ल्यूएक्स), इंटरनेशनल इकोनॉमिक्स-जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय में एमए (अर्थशास्त्र) विशेषज्ञता	15 वर्षों में (प्रबंधन परामर्श, पॉलिसी एडवोकैसी एवं इकोनॉमिक रिसर्च), इनजेन्सियस इन्फ्राकंसल्टिंग प्राइवेट लिमिटेड - संस्थापक निदेशक एवं सीईओ
प्रो. आशीष सेन	1984 में वीएनआईटी (नागपुर) से बीई (मेक) एवं मानव संसाधन प्रबंधन में पीएचडी है	आशीष सेन कोचिंग एंड कंसल्टिंग में डॉ. आशीष सेन प्रबंध निदेशक हैं
प्रो. ऋषि एम संवाल	पीजीडीएम-आईआईएम अहमदाबाद -1999 - 2001, बी.टेक (मैकेनिकल) आईआईटी बॉम्बे -1995 - 1999	प्रबंधन संस्थानों में अतिथि / अतिथि संकाय के रूप में प्रबंधन शिक्षा पर ध्यान केंद्रित करना
प्रो. आशुतोष दाश	डॉ. आशुतोष दाश वित्त संकाय के सदस्य हैं, जिन्होने वाणिज्य और व्यवसाय प्रशासन दोनों में वित्त विशेषज्ञता के साथ स्नातक किया गया है और उत्कल विश्वविद्यालय भुवनेश्वर से विलय और अधिग्रहण में डॉक्टरेट की डिग्री प्राप्त है। उन्होंने यूडीसी द्वारा आयोजित नेट को क्वालिफाई किया है और इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट (आईआईएम) अहमदाबाद से अपना फैकल्टी डेवलपमेंट कार्यक्रम कर रहे हैं	एसोसिएट प्रोफेसर, वित्त, एमडीआई गुड़गांव
डॉ. सुशील पसरीचा	फैकल्टी ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज (एफएमएस), दिल्ली विश्वविद्यालय से 1988 में मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन, 1985 में दिल्ली विश्वविद्यालय के फैकल्टी ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज (एफएमएस) से पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन सेल्स एंड विपणन	मानव रचना इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ रिसर्च एंड स्टडीज से पीएच.डी. कर रहे हैं
प्रो. सुभाष रस्तोगी	एनआईटीआईई, औद्योगिक इंजीनियरिंग, एनआईटीआईई, मुंबई के फैलो	डॉ. सुभाष रस्तोगी के पास विश्व स्तर के बी-स्कूलों, एमएनसी, कॉर्पोरेट शिक्षा और व्यावसायिक निकायों के साथ 46 साल का अनुभव है।

संकाय	शिक्षा	प्रोफेशनल अनुभव
प्रो.रामेंद्र सिंह	आईआईएम अहमदाबाद से पीएचडी, एक्सएलआरआई से एमबीए	इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट (आईआईएम), कलकत्ता में विपणन ग्रुप में एसोसिएट प्रोफेसर
प्रो. वेदनारायणन	भारत के शीर्ष 5 बी-स्कूलों में से एक से स्नातक - एसपीजेएमआईआर, मुंबई (2004-2006)। मद्रास यूनिवर्सिटी (एसआरएम इंजी. कॉलेज, 1998-2002) से इलेक्ट्रॉनिक इंजीनियर	चीफ विपणन एडवाइजर / मेंटर -प्लायाब्लो, अल्फाबिटी, अन्य (जनवरी 2017 - अब तक)
प्रो. प्रियंका वर्मा	पीएच.डी. संचालन अनुसंधान 2004-2010 आईआईटी कानपुर	प्रो. प्रियंका वर्मा एनआईटीआईई, मुंबई में इंडस्ट्रियल इंजीनियरिंग एंड मैन्युफैक्चरिंग सिस्टम्स (आईईएमएस) में एक सहायक प्रोफेसर हैं
प्रो.अनिल पाठक	पीएच.डी., नागपुर विश्वविद्यालय, नागपुर से मनोविज्ञान में	डॉ. अनिल आनंद पाठक गुड़गांव के प्रबंधन विकास संस्थान में ओबी क्षेत्र के एसोसिएट प्रोफेसर और अध्यक्ष हैं
श्री विवेकानंद	एमबीए, मोनाश यूनिवर्सिटी मेलबर्न	विवेक आनंद 17 साल के अनुभव के साथ डेटा विज़ुअलाइज़ेशन सलाहकार हैं
प्रो. वेंकटेश कृष्णमूर्ति	पीजीडी, आईआईएम बैंगलोर	प्रोडक्ट इन्नोवेटर; मार्केटर; टेक्नोलॉजिस्ट; को-फाउंडर, फी प्लाजा एलएलपी, एक लाभदायक फिनटेक स्टार्टअप; निदेशक, कोलोबोरेटिव इंफोटेक सिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड,एक सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी कंपनी
प्रो. एस एन रैना	पीजीडीएम, आईआईएम बैंगलोर	भारतीय प्रबंधन संस्थान रोहतक (2013 से), काशीपुर (2017 से), जम्मू (2019), अमृतसर (2016-17) और रायपुर (2017)में संकाय का दौरा करना
प्रो. असित के वर्मा	पीएचडी, प्रबंधन अध्ययन संकाय, मद्रास विश्वविद्यालय	वर्तमान में वह आईएफआईएम बिजनेस स्कूल, बैंगलोर में विपणन और डिजिटल क्षेत्र में प्रोफेसर हैं
प्रो. विजया वी	पीएचडी (एचआरएम), आईआईटी मद्रास	डॉ. विजया.वी आईआईएम त्रिची के संकाय हैं और ऑर्गनाइजेशनल साइकोलॉजी, साइकोमेट्री में प्रशिक्षित क्लिनिकल साइक्लोजिस्ट हैं
प्रो.फेसर ए पी अरोड़ा	फैलो, आईआईएम अहमदाबाद	प्रो. अशोक प्रताप अरोड़ा ने मैनेजमेंट डेवलपमेंट स्कूल, गुड़गांव, भारतीय प्रबंधन संस्थान कलकत्ता, कई अन्य आईआईएम में पढ़ाया है।
प्रो. सुदर्शन नायडू	इंस्टीट्यूट ऑफ रूरल मैनेजमेंट आणंद (आईआरएमए), फेलो कार्यक्रम इन रूरल मैनेजमेंट स्पेशिएलाइजेशन: विपणन	एसोसिएट प्रोफेसर, विपणन मैनेजमेंट, स्कूल ऑफ मैनेजमेंट और एंटरप्रेन्योरशिप शिव नाडार युनिवर्सिटी, ग्रेटर नोएडा

संकाय प्रकाशन/शोध-पत्र/ सम्मेलन

- बधानी, के. एन., एवं कुमार, ए. (2020). मार्केट टाइमिंग स्किल ऑफ फॉरिन पोर्टफोलीयो इन्वेस्टर्स इन इंडिया. आईआईएमबी मैनेजमेंट रिव्यू, 32(1), 24-38.
- समाल, ए., पात्रा, एस., एवं चटर्जी, डी. (2019). इंपॅक्ट ऑफ कल्चर ऑन orgनाइज़ेशनल रेडिनेस टू चेंज: कॉंटेक्स्ट ऑफ बॅंक एम एंड ए. बेंचमार्किंग: ऐन इंटरनॅशनल जर्नल. https://doi.org/10.1108/BIJ-10-2019-0454.
- चौधरी, एस. एस., एवं चटर्जी, डी. (2019). सीजीपीएल—सर्वाइवल थ्रू एंगेज्मेंट ऐट अ टाइम ऑफ टर्ब्युलेन्स. ग्लोबल बिज़्नेस रिव्यू. https://doi.org/10.1177/0972150919862944.
- कुमार, डी. (2019). स्ट्रक्चरल ब्रेक्स इन वॉलएटिलिटी ट्रॅन्समिशन फ्रॉम डेवेलप्ड मार्केट्स टू मेजर एशियन एमर्जिंग मार्केट्स. जर्नल ऑफ एमर्जिंग मार्केट फाइनान्स, 18(2), 172-209.
- राजवानी, एस., एवं कुमार, डी. (2019). मेजरिंग डिपेंडेन्स बिट्वीन द यूएसए एंड द एशियन एकॉनमीस: ए टाइम-वेरीयिंग कॉप्युला अप्रोच. ग्लोबल बिज़्नेस रिव्यू, 20(4), 962-980.
- ख़ान, ए., इस्लाम, के. बी., एवं मित्रा, ए. (2019). एक्सप्लोरिंग द स्टेटस ऑफ कम्यूनिटी इन्फर्मेशन एंड ट्रेनिंग फॉर डिज़ास्टर प्रेपरेशन एंड मिटिगेशन प्रॅक्टिसस: ऐन अप्रेज़ल ऑफ 2013 फ्लश फ्लड इन उत्तराखंड. इंटरनॅशनल जर्नल ऑफ एमर्जेन्सी मैनेजमेंट, 15(2), 147-165.
- चक्रवर्ती, के., मंडल, एस., एवं मुखेर्जी, के. (2019). क्रिटिकल अनॅलिसिस ऑफ एनेबलर्स ऐंड बॅरियर्स इन एक्सटेन्षन ऑफ यूस्फुल लाइफ ऑफ ऑटोमोटिव प्रॉडक्ट्स थ्रू रिमैन्युफैक्चरिंग रिंग. जर्नल ऑफ क्लीनर प्रोडक्शन, 227, 1117-1135.
- चक्रवर्ती, के., मंडल, एस., एवं मुखेर्जी, के. (2019). अ स्टडी ऑन रिमैनुफैक्चरिंग पॉसिबिलिटी ऑफ ए प्रॉडक्ट. माइक्रोसिस्टम टेक्नॉलजीस, 25(5), 1765-1770.
- गांगुली, के. (2019). एस्टॅब्लिशिंग लिंक बिट्वीन क्वालिटी मैनेजमेंट एंड सप्लाइ चैन रिस्क मैनेजमेंट. द ट्क्म जर्नल. 32(5), 1039-1057.
- गांगुली, के. के., एवं दास, डी. (2020). अनलाइज़िंग द बॅरियर्स इन इंडियन स्टोन क्रशिंग इंडस्ट्रीस: ऐन इज़म एंड फज़्ज़ी एएचपी अप्रोच. इंटरनॅशनल जर्नल ऑफ अप्लाइड मैनेजमेंट साइन्स, 12(3), 242-264.
- कुमार, एन., एवं गांगुली, के. के. (2020). नॉन-फाइनैंशियल ई-प्रोक्यूर्मेंट पर्फॉर्मेन्स मेजर्स. इंटरनॅशनल जर्नल ऑफ प्रोडुक्टिविटी एंड पर्फॉर्मेन्स मैनेजमेंट, 70(1), 41-64.
- देब, एम., एवं अमवाते, वी. (2019). एक्सटेनडिंग द नालेज ऑन क्रॉस-रिलेटेड विपणन (CrM) कॅंपेन विद् फोकस ऑन स्केप्टिसिसम. वाइन जर्नल ऑफ इन्फॉर्मेशन एंड नालेज मैनेजमेंट सिस्टम्स, 50(2), 329-348.
- अमवाते, वी., एवं देब, एम. (2021). ऐनटेसीडेंट्स एंड कॉन्सिक्वेन्सस ऑफ कन्ज़्यूमर स्केप्टिसिसम टुवर्ड कॉस-रिलेटेड विपणन: जेंडर ऐज मॉडारेटर एंड आटिट्यूड ऐज मीडियेटर. जर्नल ऑफ विपणन कम्यूनिकेशन्स, 27(1), 31-52.
- मुखर्जी, एम., एवं रॉय, पी. एस. (2019). प्लॅटफॉर्म इंटरॅक्षन्स एंड एमर्जेन्स ऑफ आन ऑर्गनाइज़ेशनल फील्ड: केस स्टडी ऑन ओला. ऑस्ट्रालेषियन जर्नल ऑफ इन्फर्मेशन सिस्टम्स, 23, https://doi.org/10.3127/ajis.v23i0.2113.
- मुखर्जी, एम. (2020). रि-एग्ज़ॅमिनिंग स्ट्रॅटेजिक एंड डेवेलपमेंटल इंप्लिकेशन्स ऑफ ए-चौपाल, इंडिया. द एलेक्ट्रॉनिक जर्नल ऑफ इन्फर्मेशन सिस्टम्स इन डेवेलपिंग कंट्रीज़, 86(4).

- पाठक, एस., कृष्णस्वामी, वी., तथा शर्मा, एम. (2019). इंपॅक्ट ऑफ आईटी प्रॅक्टिसस एंड बिज़्नेस वॅल्यू ऑफ आईटी मेजमेंट. इंटरनॅशनल जर्नल ऑफ प्रोडुक्टिविटी एंड पर्फॉर्मेन्स मैनेजमेंट, 69(4), 774-793.
- महापात्रा, एस., विलियम, डब्ल्यू. एस., तथा पाढ़ी, आर. (2019). अलाइनमेंट इन द बेस ऑफ द पिरामिड प्रोड्यूसर सप्लाइ चेन्स: द केस ऑफ द हँडलूम सेक्टर इन ओडिशा, इंडिया. जर्नल ऑफ बिज़्नेस लॉजिस्टिक्स, 40(2), 126-144.
- गोस्वामी, ए. के., एंड अग्रवाल, आर. के. (2019). एक्सप्लिकेटिंग द इन्फ्लुयेन्स ऑफ शेर्ड गोल्स एंड होप ऑन नालेज शेरिंग एंड नालेज क्रियेशन इन आन एमर्जिंग एकनामिक काँटेक्स्ट. जर्नल ऑफ नालेज मैनेजमेंट, 24(2), 172-195.
- गोस्वामी, ए. के., एवं अग्रवाल, आर. के. (2019). बिल्डिंग इंटेलेक्चुयल स्ट्रक्चर ऑफ नालेज शेरिंग. वाइन जर्नल ऑफ इन्फर्मेशन एंड नालेज मैनेजमेंट सिस्टम्स, 50(1), 136-162.
- शर्मा, ए., अग्रवाल, आर., एवं खंडेलवाल, यू. (2019). डेवेलपिंग एथिकल लीडरशिप फॉर बिज़्नेस ऑर्गनाइज़ेशन्स. लीडरशिप एंड ऑर्गनाइज़ेशन डेवेलपमेंट जर्नल. 40(6), 712-734.
- गोस्वामी, ए. के., एवं अग्रवाल, आर. के. (2019). इन्फ्लुयेन्स ऑफ एथिकल लीडरशिप ऑन एंप्लायी लर्निंग ओरियेंटेशन: एविडेन्स फ्रॉम अकॅडेमिक्स. डेवेलपमेंट एंड लर्निंग इन ऑर्गेनाइजेशन: ऐन इंटरनॅशनल जर्नल, 33(3), 13-15.
- बात्रा, एस., एवं यादव, आर. (2019). केस अनॅलिसिस-।।: ए पफ ऑफ स्मोक, आ होल इन द पॉकेट, फिशर इन द लंग्ज़ एंड प्रॉफिट इन मिलियन्स. विजन, 23(3), 320-321.
- जोइस, ए., पल्लासेना, आर. के., एवं चक्रवर्ती, एस. (2019). फ्रेशडेस्कर: ब्रिंगिंग इन फ्रेशनेस इन स्टार्टअप वर्ल्ड केस. जर्नल ऑफ इन्फॉर्मेशन टेक्नालजी केस एंड अप्लिकेशन रिसर्च, 21(3-4), 140-150.
- पेरननागरी, के. टी., एवं चक्रवर्ती, एस. (2019). फॅक्टर्स इन्फ्ल्यूयेन्सिंग आक्सेप्टेन्स ऑफ आग्मेंटेड रिलिटी इन रीटेल: इनसाइट्स फ्रॉम थईमाटिक अनॅलिसिस. इंटरनॅशनल जर्नल ऑफ रीटेल एंड डिस्ट्रिब्यूशन मैनेजमेंट, 48(1), 18-34.
- चक्रवर्ती, एस., चढ्ढा, वी., एवं अग्रवाल, आर. (2019). भुरा जॅम्स: चेंजिंग लेन्स टू ब्रेक लॉगजॅम. एमेरल्ड एमर्जिंग मार्केट्स केस स्टडीस, 9(2).
- मंडल, जे., एवं चक्रवर्ती, एस. (2019). एमर्जिंग फेनॉमेना ऑफ द ब्रँडेड अप: ए सिस्टमॅटिक लिटरेचर रिव्यू, स्ट्रॅटजीस, एंड फ्यूचर रिसर्च डाइरेक्षन्स. जर्नल ऑफ इंटरॅक्टिव अड्वर्टाइज़िंग, 19(2), 148-167.
- चक्रवर्ती, एस., एवं मखीजा, एम. (2021). एक्सप्लोरेटरी स्टडी ऑन वेरियबल्स इमपॅक्टिंग डिसप्ले अड्वर्टाइज़िंग स्पेंड ऑफ लीडिंग अड्वर्टाइज़र्स इन द यूएसए. जर्नल ऑफ विपणन कम्यूनिकेशन्स, 27(2), 176-206.
- कृष्णस्वामी, वी., एवं सुंदरराज, आर. पी. (2019). इमपेशियेन्स कॅरेक्टरिस्टिक्स इन क्लाउड-कंप्यूटिंग-सर्वीसज़ प्रोक्यूर्मेंट: एफेक्ट्स ऑफ डेले हराइज़न एंड सिचुयेशनल इन्वॉल्व्मेंट. ग्रूप डिसिशन एंड नेगोशियेशन, 28(5), 961-990.

अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (2019-20)

नाम	सम्मेलन शीर्षक	सम्मेलन का स्थान	अवधि
प्रो के एम बहरुल इस्लाम	इंटरनेशनल कान्फरेन्स ऑन मीडिया एंड कम्यूनिकेशन	माले, मालदीव	29.10.19 to 01.11.19
प्रो देवजानी चटर्जी	आईएसईएस	दुबई	16.01.20 to 18.01.20
प्रो. अभिदीप मैती	डब्ल्यूईएआई 2019	अमेरीका	28.06.19 to 02.07.19
	एनएआरएससी 2019	पिट्सबर्ग यूएसए	13.11.19 to 16.11.19
सफाल बत्रा	एकॅडमी ऑफ मॅनेज्मेंट कान्फरेन्स	अमेरीका	06.08.19 to 08.08.19
दिलीप कुमार	57वां एकॅडमी ऑफ एकनॉमिक्स एंड फाइनैन्स कान्फरेन्स, अटलांटा	एट्लान्टा, जॉर्जिया	05.02.20 to 08.02.20
प्रो स्मारक समरजीत	विमन डेलिवर 2019	कनाडा	03.06.19 to 06.06.19
प्रो अतुलन गुहा	12वां एकॉनमी एंड फाइनान्स	क्रोशिया	27.08.19 to 30.08.19
प्रो राकेश कुमार अग्रवाल	79वां एन्यूयल मीटिंग ऑफ अकॅडमी ऑफ मॅनेज्मेंट	अमेरीका	09.08.19 to 13.08.19
प्रोफेसर कंपान मुखर्जी	12वां आईएसईसीडीआईएम	जापान	25.11.19 to 27.11.19

राष्ट्रीय सम्मेलन (2019-20)

नाम	सम्मेलन शीर्षक	सम्मेलन का स्थान	अवधि
प्रो कुणाल कांति गांगुली	इनोवेशन बिजनेस प्रॅक्टीस इन वीवीसीए	कलकत्ता	31.12.19 to 06.01.20
आशीष कुमार	एकनॉमिक्स एंड फाइनान्स	गोवा	23.01.20 to 25.01.20
प्रो आर के पाढी	एन्यूयल आईएसडीएसआर कान्फरेन्स	भुवनेश्वर	12.12.19 to 31.12.19
प्रो नितिन सिंह	डेटा ऐनलिटिक्स मॉडेल फॉर ऐसेसिंग प्लेयर आट्रिब्यूट्स इन स्पोर्ट	गोवा	14.04.19 to 14.04.19
प्रो राकेश कुमार अग्रवाल	6ठां बाइएन्नियल इंटरनेशनल अकॅडमी ऑफ मैनेजमेंट	त्रिकी, टीएन	02.01.20 to 04.01.20
प्रो. कंपान मुखर्जी	एएससीपी-ईस्टर्न रीजन चॅप्टर	कलकत्ता	26.04.19 to 26.04.19
	7वां इंटरनेशनल डेटा साइन्स समिट 2019	कलकत्ता	20.09.19 to 20.09.19

विद्यार्थी परिषद्

विद्यार्थी परिषद आईआईएम काशीपुर में अन्य सभी छात्र निकायों का शासी निकाय है। यह विद्यार्थियों के जीवन के शैक्षणिक और सह-पाठयक्रम क्षेत्रों को एकीकृत करते हुए संस्थान के शैक्षणिक लक्ष्य हेतु कक्षा से अधिक अनुभव प्रदान करता है और विद्यार्थियों की बौद्धिक, सार्वजनिक सेवा, और उनके भविष्य की आकांक्षाओं के साथ नेतृत्व के हितों को शामिल करता है।

यह विद्यार्थियों, शिक्षकों, प्रशासकों, और अन्य भागीदारों के साथ आईआईएम काशीपुर समुदाय के भीतर और बाहर दोनों क्षेत्रों में विद्यार्थियों के लिए जीवन और शिक्षा की गुणवत्ता को आसान बनाने और उसका पूरक बनने में सहयोग करता है। इसके अलावा, यह विद्यार्थियों के लिए सक्रिय भागीदारी और प्रतिबिंब के माध्यम से सीखने का अवसर बनाता है जहां वे निम्न कर सकते हैं:

- गैर-नेतृत्व वाली भूमिकाओं में जिम्मेदार लीडर्स और सक्रिय प्रतिभागियों के रूप में विकसित करना
- रचनात्मक तरीकों से ज्ञान प्रदान करना
- नए विचारों, पहचान और कौशल के साथ प्रयोग
- लचीलापन और संसाधन विकसित करना
- सहकर्मियों के साथ व्यस्त रहना और विविधता के लिए प्रशंसा
- हमारे वैश्विक समुदाय की बेहतरी के लिए समाज सेवा करना

निर्धारण वर्ष 2018-19 में छात्र निकायों की संरचना निम्नलिखित थी।

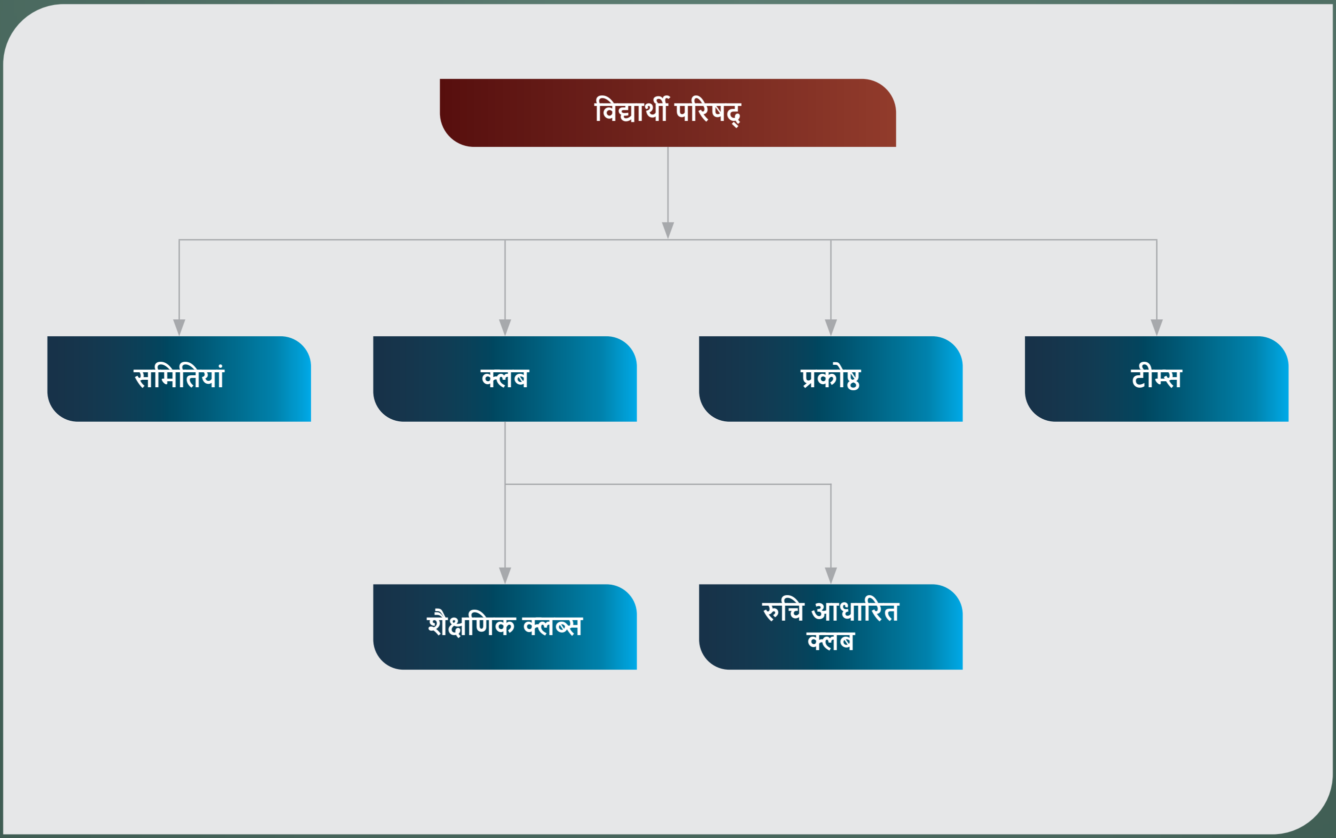

शैक्षणिक समिति

शैक्षणिक समिति एमबीए कार्यालय और विद्यार्थियों के बीच सम्पर्क सेतु के रूप में कार्य करती है, जिससे आईआईएम काशीपुर में कक्षाओं और अन्य शैक्षणिक गतिविधियों की सुचारू रूप से किया जा सके। शैक्षणिक समिति की दैनंदिन की गतिविधियों के लिए सभी सदस्य सामूहिक रूप से जिम्मेदार हैं। मुख्य कर्तव्यों और जवाबदेही में निम्न शामिल हैं-

- एमबीए कार्यालय एवं संकाय के हित में बैच का प्रतिनिधित्व, जिसमें अनुरोध को आगे ले जाने के उचित कारण का भी उल्लेख होगा
- हितधारकों को उपयुक्त स्तरों पर कठोरता बनाए रखने के लिए प्रोत्साहित करते हुए संस्थान में शैक्षणिक संस्कृति की बेहतरी की दिशा में काम करना

गतिविधियाँ / कार्यक्रम

- वर्ष भर संकाय, वरिष्ठ जनों और बैचमेट्स द्वारा समकक्ष अध्ययन सत्र
- आईआईडीई के सीईओ करण शाह ने डिजिटल विपणन पर एक वर्कशॉप और गेस्ट लेक्चर का आयोजन किया
- दूसरे वर्ष की शुरुआत से पहले वैकल्पिक विषय का चयन और उसे अंतिम रूप देना

शैक्षणिक समिति द्वार अनुसूचित आईआईडीई वर्कशॉप एवं पीयर लर्निंग सेशन

पूर्व विद्यार्थी संबंध समिति

पूर्व विद्यार्थियों, संकाय और कर्मचारियों के बीच संबंधों को मजबूत करने के इरादे से आईआईएम काशीपुर में पूर्व विद्यार्थी संबंध समिति की स्थापना की गई है। समिति कॉलेज में वर्तमान घटनाओं के बारे में पूर्व विद्यार्थियों को अपडेट रखने, उनके साथ बातचीत करने और उन्हें विभिन्न गतिविधियों में शामिल करने के लिए एक मंच के रूप में कार्य करती है, जिससे विद्यार्थियों को ज्ञान साझा करने वाले इंटरैक्टिव सत्र आयोजित करके हमारे पूर्व विद्यार्थियों द्वारा प्राप्त उद्योग जोखिम और अनुभव का लाभ उठाने में मदद मिलती है।

पूर्व विद्यार्थियों के बढ़ते आधार के साथ एक युवा संस्थान होने के नाते, समिति पूर्व विद्यार्थियों एवं संस्था के बीच एक मजबूत बंधन बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इसे प्राप्त करने के लिए, मुंबई, बैंगलोर और दिल्ली में शहरवार पूर्व विद्यार्थियों का आयोजन समिति के प्रमुख कार्यों में से एक रहा है।

वे आईआईएम काशीपुर के एल्युमनी पोर्टल को सफल रूप से लॉन्च करने के लिए भी जिम्मेदार थे। पोर्टल के विभिन्न पहलुओं जैसे कि पूर्व विद्यार्थियों के एंगेजमेंट और सामग्री का प्रकाशन करना।

गतिविधियाँ / कार्यक्रम

- एलुमनी मीट
- होमकमिंग
- अल-स्पीक एवं अल-प्रेप वेबिनार
- सारथी त्रैमासिक न्यूजलेटर है, जिसका उद्देश्य हमारे पूर्व विद्यार्थियों को उनके अल्मा-मैटर में होने वाली घटनाओं से अपडेट रखने में मदद करना है

एआरसी, आईआईएम काशीपुर द्वारा अल-स्पीक (बाएं) एवं एल्युमनी सिटी मीट्स

कॉर्पोरेट संबंध समिति

कॉर्पोरेट संबंध समिति (सीआरसी) आईआईएम काशीपुर और सभी गैर-नियोजन गतिविधियों के लिए कॉर्पोरेट दुनिया के बीच आधिकारिक संपर्क है। सीआरसी कम्यूनिकेशन के लिए चैनल खोलकर उद्योग के साथ विद्यार्थी संपर्क की सुविधा प्रदान करता है। इसका प्राथमिक फोकस उद्योग और विद्यार्थी समुदाय के बीच मौजूद अपेक्षा के अंतर को पाटना है।

इसके अलावा, सीआरसी की भूमिका अतिथि व्याख्यान और लाइव परियोजनाओं तक ही सीमित नहीं है, यह समिति विभिन्न अन्य अवसरों की तलाश में है जो लाभकारी हैं तथा आईआईएम काशीपुर के विद्यार्थियों की रचनात्मक और महत्वपूर्ण सोच को जोड़ते हैं। इन बदलती परिस्थितियों में लचीला होने के उद्देश्य से, हम एक वेबिनार के माध्यम से एक लीडरशिप टॉक श्रृंखला 'तेजस' को पेश करने के लिए उत्साहित हैं, जिसमें उद्योग जगत के कई लीडर्स नेताओं और विषय विशेषज्ञों को अपने अनुभव साझा करने और मूल्यवान अंतर्दृष्टि प्रदान करने की सुविधा है। इस टॉक सीरीज़ के एक भाग के रूप में, हम छात्रों के साथ एक वेबिनार के लिए उनकी पसंदीदा तारीखों पर उद्योग लीडर्स (सीएक्सओ / निदेशक स्तर) की मेजबानी करते हैं।

आईआईएम काशीपुर में कुछ कॉर्पोरेट प्रोफेशनल्स द्वारा अतिथि व्याख्यान

इस श्रृंखला के एक भाग के रूप में, हम कॉरपोरेट्स / प्रतिष्ठित संगठनों के कॉरपोरेट लीडर्स को छात्रों के साथ अपनी बहुमूल्य अंतर्दृष्टि साझा करने के लिए आमंत्रित करते हैं। हमने पिछले संस्करणों में अल्वारेज़ एवं मार्सल, बीसीजी, ब्रिटिश टेलीकॉम, स्ट्राइकर हेल्थकेयर, ईएंडवाई, गूगल, पीडब्ल्यूसी, मैकेनरो, पेटीएम, महिंद्रा एंड महिंद्रा आदि संगठनों के उद्योग लीडर्स की मेजबानी की है।

गतिविधियाँ / कार्यक्रम

- अतिथि व्याख्यान
- लाइव प्रोजेक्ट

सांस्कृतिक समिति

“कोई तर्क दे सकता है कि प्रबंधन संस्थान की दीवारों के भीतर एमबीए स्नातक की उपस्थिति का एकमात्र उद्देश्य ज्ञान है (और, कथित रूप से, धन, प्रसिद्धि और संभावनाएं)। और वे गलत नहीं होंगे। लेकिन, हम पूछना चाहते हैं कि किसी को अपने कॉलेज में क्या याद रहता है? निश्चित रूप से धूल भरी किताबों के बीच बंद दरवाजों के पीछे बिताए अनगिनत घंटे नहीं। ”

सांस्कृतिक समिति का मानना है कि यहां एक ऐसा बंधन बनता है, जो यहाँ उनके दोस्तों के साथ होता है और वह इस दो साल की लंबी और कठिन यात्रा को और अधिक मजेदार और यादगार बनाते हैं। और यह सांस्कृतिक विविधता की दुर्गम दूरियों के समक्ष स्वतंत्रता, भाईचारे, सौहार्द की संस्कृति है, जिसे समिति विकसित करने और बनाए रखने की कोशिश करती है। सांस्कृतिक कार्यक्रमों की एक विस्तृत श्रृंखला का दावा करते हुए, जो प्रतिस्पर्धा, प्रेरणा और समग्र विकास में योगदान करते हैं, समिति का गठन बहुत ही मंशा के साथ किया गया था।

विभिन्न मेल-जोल से, सेक्शन वार्स, काकोफ़ोनिया के गहन प्रतिस्पर्धी सांस्कृतिक अध्याय में अपने महान देश की विभिन्न संस्कृतियों का जश्न मनाते हैं, जो अपने 2019 के संस्करण में करीब 48 घंटे बिताते हैं, जिसमें आईआईएम काशीपुर का 72 घंटाव्यापी वार्षिक कार्यक्रम ‘अग्नित्रय’ प्रबंधन, सांस्कृतिक और खेल आयोजनों का एक समामेलन था। हमने पूरे वर्ष के लिए कैम्पस को उत्साह और उमंग से भरने के साथ प्रत्येक कार्यक्रम को सफल बनाने में सूत्रधार, उत्प्रेरक और सहयोगी के रूप में काम किया है। इस टीम ने सिग्नेचर डे भी आयोजित किया जब पीजीपी 2018-20 ने अपने कार्यकाल के अंत में अपने दिल की बात कही और एमबीए 2019-21 ने उनके प्रति आभार व्यक्त किया, जहां बैचमेट और जूनियर्स ने टी-शर्ट्स पर टिप्पणी के साथ हस्ताक्षर कर सीनियर्स को दिया, जिसने काशीपुर में बिताये दो वर्षों को और अमिट बना दिया।

गतिविधियाँ / कार्यक्रम

- काकोफोनिया - 48 घंटे का एक अंतर-स्तरीय सांस्कृतिक सेक्शन वार
- अग्नित्रय - आईआईएम काशीपुर में 72 घंटे का राष्ट्र स्तरीय उत्सव
- सभी सांस्कृतिक त्योहार मनाना
- संगीत, नृत्य और नाटक के क्षेत्र में कार्यक्रमों का आयोजन
- प्रारम्भ - एमबीए के प्रथम और द्वितीय वर्ष के छात्रों के बीच युद्ध
- काशीपुर नाइट्स, अवार्ड-डांस पार्टी
- स्वतंत्रता दिवस, गणतंत्र दिवस, महिला दिवस, शिक्षक दिवस

आईआईएम काशीपुर में त्योहारों एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों को मनाना

इन्फ्रा-आईटी समिति

यह समिति प्रशासन, परियोजना टीम और विद्यार्थियों के बीच संपर्क का काम करती है। इन्फ्रास्ट्रक्चर और आईटी समिति के एक भाग के रूप में, इसका मुख्य उद्देश्य कॉलेज के बुनियादी ढांचे को सुचारू रूप से चलाना सुनिश्चित करना है। यह समिति संस्थान में प्रत्येक क्लब और समिति के साथ एक क्रॉस-फंक्शनल टीम है। समिति के सदस्यगण, वेब विकास में अन्य युगीन विद्यार्थियों के साथ विद्यार्थियों और अन्य हितधारकों के लिए आंतरिक नेटवर्क, जो ग्रिड काशीपुर है, को विकसित करने और बनाए रखने का कार्य करेंगे।

गतिविधियाँ / कार्यक्रम

- ग्रिड काशीपुर का विकास
- सुविधा समन्वयक

इंफ्रा-आईटी समिति द्वारा प्रबंधित आईआईएम काशीपुर में बुनियादी ढांचा

अंतर्राष्ट्रीय संबंध समिति

अंतर्राष्ट्रीय संबंध समिति अंतरराष्ट्रीय मंच पर आईआईएम काशीपुर के मोहरा के रूप में कार्य करती है। यह समिति अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों और दूतावासों के लिए संपर्क का पहला बिंदु है। समिति का आधार आईआईएम काशीपुर के भावी लीडर्स को गुणवत्तापूर्ण वैश्विक एक्सपोज़र प्रदान करना है।

गतिविधियाँ / कार्यक्रम

- भावी विश्वविद्यालयों के साथ सम्पर्क करना
- एक सुचारू विद्यार्थी विनिमय कार्यक्रम के लिए जिम्मेदार
- आईआईएम काशीपुर के पहले मॉडल युनाइटेड नेशंस का संचालन
- स्टेप (शॉर्ट टर्म एक्सचेंज कार्यक्रम) नामक 15-दिवसीय विनिमय कार्यक्रम का संचालन

आईआरसी द्वारा आयोजित एमयूएन तथा स्टेप टू ग्रीस के दौरान आईआईएम काशीपुर के विद्यार्थीगण

मेस समिति

आईआईएम काशीपुर हॉस्टल मेस पूरी तरह से एक मेस समिति द्वारा नियंत्रित किया जाता है, जो कि संस्थान का एक विद्यार्थी निकाय है। समिति सालाना लगभग 2 करोड़ का लेनदेन संभालती है और उसे कैम्पस में 500 विद्यार्थियों को खिलाने के लिए जिम्मेदारी है। यह खरीद प्रक्रिया से लेकर अपस्ट्रीम पक्ष और क्यूए-क्यूसी तथा डाउनस्ट्रीम पर फीस संग्रह तक की पूरी प्रक्रिया को संभालता है। समिति विद्यार्थियों के मेस के नियोजन, आयोजन और कामकाज के लिए जिम्मेदार है। यह एक छोटे से संगठन की तरह है जहाँ आपको बजट, संचालन, आपूर्ति श्रृंखला और मेस के स्टाफ से निपटना होता है।

यह मेस कमेटी सुनिश्चित करती है कि भोजन को स्वच्छता और गुणवत्ता के साथ ज़ीरोटोलरेंस और बिना किसी गलती के परोसा जाए। इन दो उद्देश्यों को पूरा करते समय विद्यार्थियों की संतुष्टि को भी ध्यान में रखा जाता है। मेस कमेटी के विद्यार्थी प्रतिनिधियों को दोनों बैचों से चुना जाता है। ये प्रतिनिधि एक मेनू डिजाइन करने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं जो भारत के सभी क्षेत्रों के लोगों के लिए उपयुक्त होता है। मेस व्यंजन सूची लचीला और गतिशील होता है ताकि सुधार और नवाचार के लिए हमेशा एक गुंजाइश हो। समिति यह सुनिश्चित करती है कि भोजन उबाऊ न हो जाए।

गतिविधियाँ / कार्यक्रम

- मेस वंयजन सूची विकास
- कर्मचारी प्रबंधन
- खाद्य की खरीद
- वित्त प्रबंधन

आईआईएम काशीपुर में मेस

मीडिया एवं सार्वजनिक संबंध समिति

आईआईएम काशीपुर में मीडिया और जनसंपर्क समिति आईआईएम काशीपुर के ब्रांड को बढ़ावा देने के लिए जिम्मेदार है। यह टीम प्रिंट एवं डिजिटल मीडिया, सोशल मीडिया और ब्लॉग जैसे संचार के विभिन्न रूपों के माध्यम से जनता के बीच एक सकारात्मक प्रतिष्ठा को विकसित करने और बनाए रखने में शामिल है।

यह टीम संस्थान में होने वाले विभिन्न कार्यकलापों और गतिविधियों तथा संस्थान द्वारा अन्य विभिन्न स्थानों में आयोजित विपणन रणनीतियों का प्रबंधन करती है। यह आईआईएम काशीपुर के ब्रांड की प्रभावी स्थिति और इसे बढ़ावा देने के लिए विभिन्न डिजिटल मीडिया प्लेटफार्मों को भी संभालता है। हमारे अन्य कार्यों में संस्थान में होने वाली महत्वपूर्ण कार्यक्रमों के लिए योजना अभियान और प्रेस विज्ञप्ति लेखन शामिल है।

टीम का कार्य निम्नलिखित डोमेन से संबंधित है:

- कंटेंट क्रिएशन: कंटेंट क्रिएशन टीम आम तौर पर उस संस्थान के बारे में सकारात्मक कहानियां गढ़ती है जो मीडिया रिलेशनशिप टीम पत्रकारों को बताती है। कंटेंट लेख या ब्रांड प्रोमोशनल वीडियो के रूप में हो सकती है। इसमें वीडियो को एडिट करना और डिजाइन करना भी शामिल है।
- मीडिया संबंध: मीडिया रिलेशनशिप टीम पत्रकारों के साथ संबंध विकसित करती है और उन्हें बनाए रखती है ताकि वे उन तक कहानियां पहुंचा सकें।
- सोशल मीडिया: सोशल मीडिया टीम आईआईएम काशीपुर के विभिन्न सोशल मीडिया हैंडल का प्रबंधन करती है। वे इसका उपयोग संस्थान की सार्वजनिक प्रतिष्ठा का आकलन करने और इसे तैयार करने के लिए करते हैं। वे सोशल मीडिया फॉलोइंग पर इंटरैक्टर करने हैं, सोशल मीडिया पर घोषणाएं करते हैं, और ब्रांड को बढ़ावा देने के लिए सोशल मीडिया प्रभावितों को ढूंढते हैं।

गतिविधियाँ / कार्यक्रम

- निर्धारण वर्ष 2019-20 में किए गए सभी आयोजनों की कवरेज
- आईआईएम काशीपुर का सोशल मीडिया प्रचार

खेल-कूद समिति

खेल-कूद समिति आईआईएम काशीपुर में सभी खेल आयोजनों की योजना बनाती है और उन्हें क्रियान्वित करती है। हम खेल टीमों का चयन करने के लिए जिम्मेदार हैं जो संबंधित टीमों के कैप्टन्स के साथ संस्थान का प्रतिनिधित्व करेंगे। हम उपकरणों के जीवनचक्र के अनुसार आईआईएम काशीपुर में सभी स्पोर्ट्स इन्वेंट्री की खरीद, रखरखाव और निपटान करते हैं। हम कर्मठतापूर्वक रिकॉर्ड बनाए रखते हैं और संस्थान के लिए खेल बजट तैयार करते हैं।

हम बी-स्कूलों द्वारा संचालित रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण खेल आयोजनों की पहचान करने तथा उपरोक्त प्रतियोगिताओं में आईआईएम काशीपुर का प्रतिनिधित्व करने वाली खेल टुकड़ी की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए भी जिम्मेदार हैं। हमने पहले 'चक्रव्यूह' की भी मेजबानी की, जिसमें भाग लेने वाली टीमों से गहन प्रतिस्पर्धा देखी गई: आईआईएम रोहतक, आईआईएम सिरमौर और आईआईएम काशीपुर, घरेलू टीम प्रतियोगिता के विजेता के रूप में उभरे।

हमारे प्रमुख प्रतियोगिताओं और समय-समय पर उपयुक्त समझे जाने वाले अन्य इंट्रा-कॉलेज खेल आयोजन शामिल हैं ।

- अग्नित्रय
- चक्रव्यूह
- काशीपुर प्रीमियर लीग (KPL)
- सेक्शन वार्स
- प्रारम्भ
- यूनिटी कप

आईआईएम काशीपुर में खेल-कूद कार्यक्रम

शैक्षणिक क्लब्स

कॉनसिलियम - कंसल्टिंग एंड स्ट्रैटेजी क्लब

कंसीलियम, जो कि आईआईएम काशीपुर का कंसल्टिंग एंड स्ट्रैटेजी क्लब है, संस्थान में कार्यरत शैक्षणिक क्लबों में से एक है। यह केस स्टडी प्रतियोगिताओं, लाइव प्रोजेक्ट, सेमिनार, कार्यशालाओं और इंडस्ट्री इंटरैक्शन के माध्यम से परामर्श और व्यवसाय रणनीति के क्षेत्र में विद्यार्थियों को भविष्य के लीडर बनने के लिए पोषण करने की दृष्टि से स्थापित किया गया था।

यह क्लब परामर्श के क्षेत्र में विद्यार्थियों की रुचि के लिए प्रयास करता है और उन्हें सही प्रकार का उद्योग एक्सपोज़र प्रदान करता है। क्लब नियमित रूप से उद्योग और शिक्षा के बीच की खाई को पाटने के उद्देश्य से परामर्श उद्योग से प्रख्यात व्यक्तित्वों के साथ इंटरैक्शन का आयोजन करता है। यह परामर्श के क्षेत्र में उपयोग किए जाने वाले बुनियादी मैट्रिक्स और रूपरेखा से सदस्यों को अवगत कराना भी अपनी जिम्मेदारी समझता है। क्लब का उद्देश्य अपने सदस्यों के मामले को सुलझाने के कौशल को सुधारना और उन्हें जटिल समस्याओं के विश्लेषण के बारे में जाने के लिए एक संरचित तरीका सीखाना है।

इन सब के अलावा, उनके पास फेसबुक, लिंक्डइन और ट्विटर जैसे विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक ऑनलाइन उपस्थिति है। यह न केवल भारत में बल्कि पूरे विश्व में पूरे उद्योग जगत में संगठनों में नवीनतम रणनीतिक कार्यक्रमों के बारे में पोस्ट करता है।

गतिविधियाँ / कार्यक्रम

- कोअलेसन्स - परामर्श कॉन्क्लेव
- कंसल्टिंग नाइट्स
- एंडगेम
- फोरसाइट सीरीज़
- कंसीलियम इनसाइडर
- डिस्क्रिजिशन

कंसिलियम, आईआईएम काशीपुर द्वारा आयोजित फोरसाइट 3.1 (बाएं) तथा कंसल्टिंग नाइट्स (दाएं)

एचरिद्म - मानव संसाधन क्लब

एचरिद्म आईआईएम काशीपुर का मानव संसाधन क्लब है। इसका उद्देश्य मानव संसाधन क्षेत्र में विद्यार्थियों के हितों का पोषण तथा उन्हें उद्योग और शिक्षा के बीच की खाई को पाटने में मदद करना है। उद्योग में कभी-कभी बदलते रुझान जैसे कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता आदि चालू करने के साथ, एचरिद्म भविष्य के एचआर लीडर्स को ज्ञान प्रदान करने और शीर्ष प्रबंधन में मानव संसाधन की स्थिति के बीच संतुलन बनाए रखने तथा पारस्परिक कौशल विकसित करने में संगठन के कर्मचारियों की मदद करने का प्रयास करता है। यह क्लब उद्योग जगत में पेशागत एचआर संगठनों द्वारा आयोजित कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से भाग लेने की योजना बना रहा है और इस तरह उद्योग में लीडर्स और प्रोफेशनल्स के साथ नेटवर्किंग में योगदान देता है।

गतिविधियाँ / कार्यक्रम

- कोअलेसन्स - एचआर कॉनक्लेव
- स्क्रिबल ड्रिबल
- निगोशिएटर
- प्रज्ञान
- इग्नाइट
- निगोशिएटर

आईआईएम काशीपुर में एचरिद्म क्लब द्वारा एचआर आधारित कार्यक्रम

ऑन योर मार्क - विपणन क्लब

आईआईएम काशीपुर का विपणन क्लब विद्यार्थियों द्वारा विपणन (विपणन) के लिए अपने असीम प्रेम को दर्शाने के लिए स्थापित किया गया था। ओवाईएम का रेजन डी-एट्रे, विपणन के क्षेत्र से संबंधित सभी मामलों में आईआईएम काशीपुर के विद्यार्थियों के लिए एक मनोरंजक और पोषण संबंधी आचार तैयार करने के लिए है। हम विद्यार्थियों को विपणन के क्षेत्र में अपने करियर का पता लगाने में मदद करना चाहते हैं और इस प्रकार उद्योग भर्ती प्रक्रिया में उन्हें प्रभावी सहायता प्रदान करते हैं।

क्लब का प्रमुख उद्देश्य विद्यार्थियों के बीच रुचि विकसित करना, उन्हें वास्तविक उद्योग एक्सपोजर प्रदान करना है। यह क्लब विद्यार्थियों को विपणन की स्पष्ट और व्यापक समझ रखने में मदद करने पर भी ध्यान केंद्रित करता है।

ओवाइएम, आईआईएम काशीपुर द्वारा मार्काहोलिक (बाएं) तथा गुरिल्ला मार्फेयर (दाएं)

गतिविधियाँ / कार्यक्रम

- कोअलेसन्स - विपणन कॉन्क्लेव
- गुरिल्ला मारफेयर
- मार्कहोलिक
- मार-क्विज
- डम्बरचरऐड्स
- पिच प्लीज

ओएसएम - परिचालन एवं आपूर्ति प्रबंधन क्लब

भारतीय प्रबंधन संस्थान काशीपुर में परिचालन एवं आपूर्ति प्रबंधन (ओएसएम) क्लब एक प्रोफेशनल बिजनेस क्लब है जो संचालन, उत्पादन, संचालन अनुसंधान, आपूर्ति श्रृंखला और संबंधित गतिविधियों के क्षेत्र में काम करता है। एक प्रोफेशनल क्लब के रूप में, हम संचालन को बढ़ावा देने तथा सप्लाई चेन - संबंधित गतिविधियों की आपूर्ति करने और विद्यार्थियों की बेहतरी के लिए काम करने की दिशा में प्रयास करते हैं।

गतिविधियाँ / कार्यक्रम

- कोअलेसन्स - ऑपरेशंस कॉन्क्लेव
- इंडस्ट्रियल विजिट
- ऑप्सट्रक्ट
- ओपरेटियस
- ऑप्सक्राइब
- केपीएमजी सिक्स सिग्मा सर्टिफिकेशन

आईआईएम काशीपुर में ओएसएम द्वारा आयोजित कार्यक्रम

टाइटन - सूचना प्रौद्योगिकी एवं विश्लेषण क्लब

इसका उद्देश्य आईआईएम काशीपुर के विद्यार्थियों को सूचना प्रौद्योगिकी एवं विश्लेषण की समझ विकसित करने में मदद करना है तथा यह उद्योग उन विद्यार्थियों के लिए कैरियर की संभावनाओं को प्रस्तुत करता है जो आईटी एवं एनैलिटिक्स में अपना कैरियर बनाना चाहते हैं तथा एमबीए प्रतिभागियों को एक साथ लाते हैं जो अधिक जानने के लिए एक साझा रुचि रखते हैं।

यह सूचना प्रौद्योगिकी एवं विश्लेषण के क्षेत्र में सीखने को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न गतिविधियों और ज्ञान-साझाकरण सत्र आयोजित करता है। यह शैक्षणिक एवं सूचना प्रौद्योगिकी एवं विश्लेषण के बीच एक संपर्क के रूप में कार्य करता है और सूचना प्रौद्योगिकी एवं विश्लेषण की विभिन्न बारीकियों तथा वास्तविक दुनिया के व्यवसायों में उनके अनुप्रयोगों की शुरुआत और पुनरावृत्ति करता है। यह क्लब सूचना प्रौद्योगिकी एवं विश्लेषण के क्षेत्र में विभिन्न करियर विकल्पों के बारे में मार्गदर्शन देता है।

गतिविधियाँ / कार्यक्रम

- कोअलेसन्स - सूचना प्रौद्योगिकी एवं विश्लेषण समिट
- ब्रेनडेयर
- कोहेरेंस
- डेटासाइट्स
- एक्सेल एवं सीबीएपी प्रमाणन

आईआईएम काशीपुर द्वारा आयोजित कार्यक्रम

द फाइनैंस क्लब

आईआईएम काशीपुर का फाइनैंस क्लब विद्यार्थियों द्वारा रोचक और नवीन गतिविधियों, कार्यक्रम, चर्चाओं और कार्यशालाओं के माध्यम से वित्त के क्षेत्र में ज्ञान बढ़ाने की दिशा में एक पहल है। इस शैक्षणिक वर्ष में, हम वित्त क्षेत्र में उद्योग के विशेषज्ञों के साथ इंटरैक्शन कार्यक्रमों के साथ-साथ अपना निवेश कोष तथा बाजार / उद्योग अनुसंधान प्रकाशन शुरू करने की योजना बना रहे हैं।

गतिविधियाँ / कार्यक्रम

- कोअलेसन्स - वित्त सम्मेलन
- एनीसिमेटस, हाई स्टेक्स
- प्रगति निधि, मनी मैटर्स
- ओपन आउटक्राई, ट्रेड विज
- ज्ञान साझा सत्र

आईआईएम काशीपुर द्वारा आयोजित द फाइनेंस क्लब कार्यक्रम

रुचि आधारित क्लब

इकोलॉजी क्लब

आईआईएम काशीपुर का इकोलॉजी क्लब एक समर्पित विद्यार्थी निकाय है जो स्थायी परिसर के विकास के लिए पर्यावरण के अनुकूल गतिविधियों और विचारों को अपनाने की दिशा में काम कर रहा है। यह कुछ समान विचारधारा वाले व्यक्तियों द्वारा की गई एक पहल है, जिसमें वे जिस स्थान पर रहते हैं, वहां एकत्र होना और कुछ करना आवश्यक समझते हैं।

हम कैम्पस के कामकाज में उन क्षेत्रों की पहचान करते हैं जहां पर्यावरण अनुकूल विकल्प अपनाए जा सकते हैं और उनके कार्यान्वयन के लिए प्रशासन के प्रस्तावों को सामने रखा जा सकता है। हम कैम्पस के कामकाज में उन क्षेत्रों की पहचान करते हैं जहां पर्यावरण अनुकूल विकल्प अपनाए जा सकते हैं तथा उनके कार्यान्वयन के लिए प्रशासन के प्रयासों को सामने रखा जा सकता है।

हम न्यूज़लेटर्स और सोशल मीडिया हैंडल के माध्यम से सतत विकास और पर्यावरण के अनुकूल प्रथाओं के विचारों को इस विश्वास के साथ साझा करते हैं कि बहुमत से अपनाए गए छोटे बदलाव काफी प्रभाव पैदा करते हैं। सतत विकास हमारा लक्ष्य है, और हर किसी को हमारे साथ जुड़ने का स्वागत है।

गतिविधियाँ / कार्यक्रम

- इकोटिविटी, ग्रीन आर्ट
- अभियान जैसे - जल संरक्षण अभियान, 'कैरी अ थ्रेस बैग'
- ऑस्ट्रेलियाई बुशफायर फंडरेजर
- 'केयर फॉर स्ट्रेट्स 'और डॉग एडॉप्शन कार्यक्रम

इकोलॉजी क्लब, आईआईएम काशीपुर द्वारा ईकोटिविटी (बाएं) और 'केयर फॉर स्ट्रेट्स '(दाएं)

इकोन्स क्लब

आईआईएम काशीपुर के इकोन्स - इकोनॉमिक्स क्लब का उद्देश्य अर्थशास्त्र में विद्यार्थियों में जागरूकता बढ़ाना है। हम उन सभी लोगों के लिए एक मंच प्रदान करते हैं जो चर्चा, बहस एवं आर्थिक विकास, नीतियों और घोषणाओं को डिजाइन करना चाहते हैं। हम ज्ञान साझा करने के सत्र, गेम, क्विज़, केस स्टडी आदि जैसी गतिविधियों का आयोजन करते हैं। हमारा लक्ष्य अर्थशास्त्र में आईआईएम काशीपुर समुदाय के बीच रुचि जगाना है तथा उन्हें यह समझने में मदद करना है कि अर्थशास्त्र विभिन्न क्षेत्रों से कैसे जुड़ा है। हम भविष्य के लिए नए विचारों को बढ़ावा देने के लिए दुनिया की प्रमुख आर्थिक घटनाओं पर चर्चा करने और बहस करने के लिए कैम्पस के अंदर और बाहर सभी अर्थशास्त्र एवं व्यापारिक उत्साही लोगों को एक साथ लाने के लिए काम करते हैं।

गतिविधियाँ / कार्यक्रम

- अर्थ शास्त्र
- गेम ऑफ इकोन्स
- केंद्रीय बजट भविष्यवाणी
- इन्फोग्राफिक मेकिंग प्रतियोगिता
- नॉलेज शेयरिंग सत्र

एक्सपीडिशन क्लब

एक्सपीडिशन क्लब, आईआईएम काशीपुर द्वारा 'एक्सप्लोरर ऑफ द मंथ' (बाएं) तथा टूर डि कॉर्बेट (दाएं)

एक्सपीडिशन क्लब पर्यटन उद्योग के लिए एक जुनून साझा करने वाले खानाबदोश और घूमने वालों के घर का प्रतिनिधित्व करता है। उत्तराखंड में होने के नाते, क्लब व्यवसाय समुदाय के बीच पर्यटन और फिटनेस को बढ़ावा देता है। जैसा कि आईआईएम काशीपुर का लोगो पीपल, प्लेनेट और प्रॉफिट की ट्रिपल बॉटम लाइन को दर्शाता है, इस क्लब का लक्ष्य हमारी प्यारे ग्रह पृथ्वी पर स्थायी पर्यटन को बढ़ावा देना है।

गतिविधियाँ / कार्यक्रम

- ला टूर डि काशीपुर तथा ला टूर डी कॉर्बेट
- सोशल मीडिया अभियान जैसे वायेजर ऑफ द ईयर तथा आईआईएम काशीपुर के एक्सप्लोरर
- द टूरिस्ट - पैन इंडिया केस प्रतियोगिता

विदेशी भाषा एवं सांस्कृतिक क्लब

'फोरेन लैंग्वेज एंड कल्चर क्लब' (विदेशी भाषा एवं सांस्कृतिक क्लब) या एफएलसीसी विभिन्न विदेशी भाषाओं और संस्कृतियों के बारे में विद्यार्थियों को सीखने तथा विद्यार्थियों को जागरूक करने के लिए एक मंच प्रदान करता है।

गतिविधियाँ / कार्यक्रम

- विदेशी भाषा कार्यशाला - फ्रेंच एवं कोरियाई
- साइबरहंट और डुओलिंगो जैसी प्रतियोगिताएं
- हेलोवीन नाइट

एफएलसीसी, आईआईएम काशीपुर द्वारा कोरियन वर्कशॉप (बाएं) एवं हैलोवीन नाइट (दाएं)

गैम्बिट

गैम्बिट आईआईएम काशीपुर का आधिकारिक गेमिंग क्लब है। यह पूरे शैक्षणिक वर्ष में वीडियो गेम और रणनीति गेम से संबंधित विभिन्न घटनाओं का आयोजन करता है। यह काउंटर-स्ट्राइक, फीफा, एनएफएस, टेककेन से लेकर पोकर नाइट्स, माफिया, पबजी और कई और कार्यक्रमों को भी आयोजित करता है। यह हर व्यक्ति को आराम करने, उनके तनाव को घटाने, समकक्षों के साथ प्रतिस्पर्धा करने तथा कार्यक्षेत्र में अपनी श्रेष्ठता साबित करने के लिए थम्ब स्मैशिंग और ब्रेन-टीज़िंग गतिविधियों के माध्यम से सही मंच प्रदान करता है। वर्ष 2019-20 में गैम्बिट द्वारा किए गए कार्यकलापों की सूची इस प्रकार है:

- फीफा नाइट्स
- सीएस 1.6 नाइट आउट
- पांडमोनियम (पार्टी गेम्स)
- खेल गाँव
- पोकर नाइट

आईआईएम काशीपुर में गैम्बिट द्वारा पांडमोनियम (बाएं) तथा सीएस नाइट (दाएं)

लिटररी क्लब

आईआईएम काशीपुर में लिटररी क्लब विद्यार्थियों पुस्तक पढ़ने, परिचर्चा करने, संवाद करने, कविता पाठ करने, भाषण देने, कहानी कहने, रचनात्मक लेखन इत्यादि जैसे साहित्य संबंधी विशेषताओं को प्रोत्साहित तथा उसे बनाए रखता है। यह क्लब पूरे वर्ष भर इन कौशल को सम्मानित करने के उद्देश्य से डिजाइन और आयोजन करते हैं। इस वर्ष लिटररी क्लब को एक अंतर-आधारित क्लब से गैर-शैक्षणिक आधारित क्लब में स्थानांतरित कर दिया गया है। क्लब को विभिन्न नई जिम्मेदारियों से अवगत कराया जाता है जैसे आवधिक डिबेट सेशन, ग्रामर बिल्डिंग सेशन, बुक रीडिंग तथा स्टोरीटेलिंग सेशन एवं विभिन्न अन्य।

गतिविधियाँ / कार्यक्रम

- अभिव्यक्ति
- ह्यूमन लाइब्रेरी
- क्राफ्ट योर स्टोरी
- शबदकोश
- स्कूल लिट फेस्ट

आईआईएम काशीपुर में लिटरेरी क्लब द्वारा 'अभिव्यक्ति' तथा 'क्राफ्ट योर स्टोरी' (दाएं)

रिवर्ब - संगीत क्लब

आईआईएम काशीपुर का संगीत क्लब 'रिवर्ब', उन विद्यार्थियों को एक मंच प्रदान करता है जो न केवल गायक या संगीतकार हैं, बल्कि उन लोगों के लिए भी हैं जो अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए संगीत का प्रसार करने का जुनून रखते हैं और परिसर में संगीत का प्रसार करते हैं। यह क्लब विद्यार्थियों को ग्रिलिंग रूटीन से एक समाधान देने और उनकी अंतर्निहित रचनात्मकता को बाहर लाने का प्रयास करता है। संगीत विचारों, कार्यकलापों एवं स्मृतियों के जरिए अपने सौंदर्य एवं भावों से हमारे दैनिक जीवन को सन्निहित करता है।

गतिविधियाँ / कार्यक्रम

- डॉन ऑफ द अनहर्ड
- सिंगिंग बी
- वार्स ऑफ बैंड

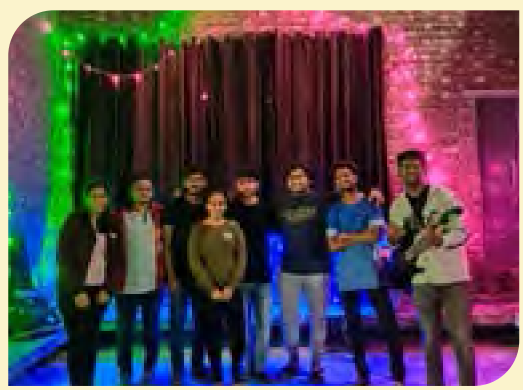

आईआईएम काशीपुर में म्यूजिक क्लब द्वारा आयोजित कार्यक्रम

परवाज़

परवाज़ का उद्देश्य कॉलेज में ड्रामैटिक्स / थिएटर कार्यक्रमों का आयोजन करना एवं भाग लेना तथा बी-स्कूल प्रतियोगिताओं को लक्षित करना और थिएटर वर्कशॉप आयोजित करना है। इससे विद्यार्थियों को प्रदर्शन कला के बारे में जानने में मदद मिलेगी तथा रचनात्मक सोच, सार्वजनिक बोल, टीम वर्क और आत्मविश्वास का विकास होगा।

गतिविधियाँ / कार्यक्रम

- स्वतंत्रता दिवस, गणतंत्र दिवस और महिला दिवस में भागीदारी
- रंगमंच और व्यक्तित्व विकास पर कार्यशाला

परवाज़, आईआईएम काशीपुर द्वारा रंगमंच (बाएं) एवं उत्तिष्ठा (दाएं) में प्रदर्शन

परिवर्तन क्लब

परिवर्तन क्लब आईआईएम काशीपुर का सामाजिक जिम्मेदारी क्लब है। इसका उद्देश्य हमारी प्रबंधकीय विशेषज्ञता और कौशल का उपयोग करके समाज में सार्थक योगदान देना है। परिव्रतन "सेंटर फॉर इंटीग्रेटेड डेवलपमेंट" गैर-सरकारी संगठनों, स्वैच्छिक गैर-लाभकारी संगठनों तथा सरकारी संस्थानों और कॉर्पोरेट के साथ संबंध बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। परिवर्तन क्लब के विद्यार्थीगण इन संगठनों के समन्वय में पहल करते हैं ताकि तीन वर्टिकल यानी शिक्षा, स्वास्थ्य और पर्यावरण पर काम करके समाज में कुछ सार्थक बदलाव लाया जा सके।

गतिविधियाँ / कार्यक्रम

- रक्तदान शिविर
- स्वछता पखवाड़ा
- कपड़े एवं कंबल दान अभियान
- स्कूली बच्चों को पढ़ाना और स्टेशनरी वितरण
- मंथन एवं प्रयास प्रतियोगिता

फोटोग्राफी क्लब

यह क्लब कॉलेज में आयोजित सभी कार्यक्रमों के कवरेज के लिए जिम्मेदार है। चाहे यह एक शैक्षणिक प्रतियोगिता, एक अतिथि व्याख्यान या सांस्कृतिक उत्सव "अग्नित्रय" हो। यह क्लब सभी को कवर करने के लिए जिम्मेदार है। यह क्लब फ़ोटोग्राफ़ी वर्कशॉप और फोटो-वॉक जैसे कार्यक्रमों का आयोजन करके कॉलेज के नवोदित फोटोग्राफरों का भी ध्यान रखता है। कॉलेज की सुंदरता भी क्लब के सदस्यों द्वारा दिखाई जाती है, जो कॉलेज के इतने सु चित्रों को क्लिक करते रहते हैं और विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफार्मों के माध्यम से काशीपुर के बाहर की दुनिया को दर्शाते हैं। जैसा कि क्लब के सदस्यों का कहना है, "हम केवल तस्वीरें क्लिक नहीं करते हैं; हम यहाँ आईआईएम काशीपुर में प्रत्येक छात्र की स्मृतियों का पृष्ठ विकसित करते हैं, जो उनके लिए उनके शेष जीवन के लिए संजोते हैं। जैसा कि यह सिर्फ एक मुस्कान नहीं है जिसे हम क्लिक हैं बल्कि भावनाओं को भी क्लिक करते हैं।"

गतिविधियाँ / कार्यक्रम

- सभी अंतर कॉलेज कार्यक्रम का कवरेज
- फोटोवॉक - कॉर्बेट चैप्टर
- क्लिक 1.0

आईआईएम काशीपुर में फोटोग्राफी क्लब द्वारा कुछ तस्वीरें

क्वेस्ट

क्वेस्ट एक ऐसा क्लब है, जो आईआईएम काशीपुर में क्विज़िंग कल्चर के लिए जिम्मेदार क्लब है। क्वेस्ट उत्तर भारत में सबसे क्विज कार्यक्रम - रंबल इन द जंगल का आयोजन करता है, जो पूरे देश के प्रतिभागियों को आकर्षित करता है। निर्धारण वर्ष 2019-20 से, क्वेस्ट की अतिरिक्त जिम्मेदारियों में सभी बी-स्कूल एवं कॉर्पोरेट प्रतियोगिताओं के पहले स्तर के लिए आईआईएम काशीपर के विद्यार्थियों की तैयारी शामिल होगी। ये क्विज एकैडेमिक फोरम के सहयोग से होते हैं।

गतिविधियाँ / कार्यक्रम

- काशीपुर क्विज़िंग लीग
- वीकेंडर
- रम्बल इन द जंगल
- स्मार्ट एंड स्मार्टर
- मैनियाक्यू एवं फ्लेम्स

आईआईएम काशीपुर में क्वेस्ट द्वारा मैनियाक्यू (बाएं) तथा रंबल इन द जंगल (दाएं)

द मोशन पिक्चर क्लब

मोशन पिक्चर क्लब आईआईएम काशीपुर का एक रुचि-आधारित क्लब है। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों को उनकी व्यस्त एमबीए दिनचर्या के दौरान आराम और आनंद प्रदान करना है। यह इसे सुविधाजनक बनाने के लिए पूरे शैक्षणिक वर्ष में विभिन्न गतिविधियों, कार्यक्रमों और प्रतियोगिताओं की मेजबानी करता है। उनके माध्यम से, टीएमपीसी विद्यार्थियों को पाठ्येतर गतिविधियों में सक्रिय रुचि लेने तथा उनके चारों ओर क्षमता विकसित करने के लिए प्रोत्साहित करता है।

गतिविधियाँ / कार्यक्रम

- ऑस्कर प्रिडिक्शन क्विज
- व्हिजस्प्री मूवी क्विज
- स्निपेट्स - शॉर्ट मूवी मेकिंग प्रतियोगिता

आईआईएम काशीपुर के टीएमपीसी द्वारा स्निपेट्स (बाएं) तथा ऑस्कर क्विज (दाएं)

टोस्टमास्टर्स क्लब

टोस्टमास्टर्स इंटरनेशनल एक गैर-लाभकारी शैक्षिक संगठन है जो क्लबों के विश्वव्यापी नेटवर्क के माध्यम से सार्वजनिक वक्तव्य और नेतृत्व कौशल सिखाता है। एंगलवुड, कोलो स्थित मुख्यालय, 143 देशों में 16,600 से अधिक क्लबों में संगठन की सदस्यता 357,000 से अधिक हो गई है। सन् 1924 से, टोस्टमास्टर्स इंटरनेशनल ने विविध पृष्ठभूमि के लोगों को अधिक आत्मविश्वास से बोलने वाले, संचारक और नेता बनने में मदद की है। आईआईएम काशीपुर टोस्टमास्टर्स क्लब ने वार्षिक वर्ष 19-20 में कुल 13 क्लब बैठकें कीं। प्रत्येक बैठक ने एक अद्वितीय विषय रखा तथा क्लब के सभी सदस्यों की सक्रिय भागीदारी देखी।

गतिविधियाँ / कार्यक्रम

- कॉलेज स्तरीय प्रतियोगिताएं
- देहरादून में क्षेत्र स्तरीय प्रतियोगिताएं

टोस्टमास्टर्स क्लब, आईआईएम काशीपुर द्वारा क्षेत्र स्तरीय प्रतियोगिता (बाएं) और क्लब मीट (दाएं)

प्रकोष्ठ

क्रिएटिव स्टूडियो - डिजाइन प्रकोष्ठ

डिजाइन प्रकोष्ठ आईआईएम काशीपुर की सभी समितियों, क्लबों एवं प्रकोष्ठों के लिए पोस्टर, लोगो, प्रचार वीडियो, बैनर, ब्रोशर, हुडी, बैच टी-शर्ट, कैजुअल वियर, टी-शर्ट, तथा कॉफी मग इत्यादि क डिजाइन करने के लिए जिम्मेदार है। यह पोस्टर, वीडियो आदि डिजाइन करने एवं बनाने के लिए एडोब फोटोशॉप, एडोब लाइटरूम, आफ्टर इफेक्ट्स, प्रीमियर प्रो इत्यादि के वर्कशॉप सेशन को आयोजित करता है। इसके अलावा, डिजाइन के भौतिककरण के लिए उचित विक्रेताओं को खोजना और उनके साथ दीर्घकालिक संबंध रखने पर काम करना क्रिएटिव स्टूडियो का एक अनिवार्य हिस्सा है।

गतिविधियाँ / कार्यक्रम

- विभिन्न छात्र निकायों और दोनों बैचों के लिए लोगो, टी-शर्ट्स, बैनर आदि डिजाइन करना
- ईयरबुक, स्टूडेंट बॉडी हैंडबुक एवं एकैडेमिक न्यूज़लैटर

क्रिएटिव स्टूडियो, आईआईएम काशीपुर द्वारा परिवर्तन (बाएं) तथा एफएलसीसी (मध्य) लोगो और बैच टी-शर्ट (दाएं)

उद्यमिता प्रकोष्ठ

ई-सेल (उद्यमिता प्रकोष्ठ) आईआईएम काशीपुर के विद्यार्थियों के बीच उद्यमशीलता को बढ़ावा देने और सहयोग के लिए जिम्मेदार छात्र निकाय है। पूरे वर्ष भर आयोजित होनेवाले अपने विभिन्न इंट्रा और इंटर कॉलेज कार्यक्रमों के माध्यम से, यह विद्यार्थियों को उनकी उद्यमी आकांक्षाओं के लिए आवश्यक सभी प्रकार के सहयोग को प्रोत्साहित और प्रदान करने की दिशा में काम करता है।

गतिविधियाँ / कार्यक्रम

- लेख / ब्लॉग लेखन प्रतियोगिता
- पैन इंडिया बी-प्लान प्रतियोगिता
- इन्वेस्टोमेनिया
- उद्यमी कार्यशालाएं

ई-सेल, आईआईएम काशीपुर द्वारा आंट्रप्रेन्योर टॉक (बाएं) तथा इंवेस्टोमेनिया (दाएं)

प्रेप सेल

इस प्रकोष्ठ का उद्देश्य नियोजन के लिए जूनियर बैच तैयार करना तथा इस प्रक्रिया में कौशल सेट एवं निर्माण क्षमता को बढ़ाता है।

गतिविधियाँ / कार्यक्रम

- व्यक्तिगत साक्षात्कार
- समूह चर्चा
- उद्योग / कंपनी विश्लेषण कार्यशालाएं
- पीपीटी वर्कशॉप

प्रायोजक प्रकोष्ठ

शैक्षिक पाठ्यक्रम की मांग के बीच आईआईएम काशीपुर में को-करिकुलर एक्टिविटीज़ जीवन रक्षक हैं और यह वही है, जहां संस्थान काकोफ़ोनिया उर्फ सेक्शन वॉर, काशीपुर प्रीमियर लीग, लीडरशिप समिट कोलइसेंस, सूचनात्मक टेडेक्स और अंतिम रूप से इन सभी में सबसे बड़ा प्रमुख कार्यक्रम अग्नित्रय है। प्रायोजन प्रकोष्ठ (स्पॉन्सरशिप प्रकोष्ठ) चीजों की योजना में अच्छी तरह से फिट बैठता है क्योंकि सेल इस संस्थान के कार्यक्रमों और विद्यार्थी चालित पहल के लिए एक प्रायोजक लाने हेतु कॉर्पोरेट के साथ समन्वय करता है। इस प्रकोष्ठ के सदस्यगण संभावित प्रायोजकों को लाने और कार्यक्रमों के बाद प्रायोजन समझौतों और अनुवर्ती कार्रवाई में शामिल होते हैं।

कोक, 9एक्सएम, एसबीआई, एचपीसीएल, केएमवीएन, वर्ल्ड बैंक, मारुति सुजुकी, सेफएक्सप्रेस, इंफोसिस, यूबीआई, सीबीआई और पीएनबी जैसे बड़े नामों की मौजूदगी हमारे परिश्रम का प्रमाण है। स्पॉनसरशिप सेल का अंतिम उद्देश्य संस्थान के आयोजनों को बड़ा, बेहतर और आवश्यक धन के साथ करना है। हम अपने संस्थान और प्रगति साझेदार दोनों की पहुंच बढ़ाना चाहते हैं।

गतिविधियाँ / कार्यक्रम

- अग्नित्रय, उत्तिष्ठ, रंबल इन द जंगल आदि जैसे विभिन्न आयोजनों के लिए प्रायोजक लाना।

टीमें

टीम इम्पैक्ट

टीम इम्पैक्ट का उद्देश्य उन एमएसएमई की मदद करना है, जो काशीपुर में एक व्यवहार्य कार्यान्वयन योग्य समाधान के साथ चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। यह उन छोटे व्यवसायों की पहचान कर इसे करता है, जो काशीपुर में चुनौतियों का सामना करते है और बैच में केस स्टडी के रूप में अपने व्यवसाय की समस्याओं को स्पष्ट करते हैं और केस के लिए समाधान के साथ बैच में चर्चा समन्वय करते हैं, समाधानों का दस्तावेजीकरण करते हैं और उसे व्यवसायों को वापस प्रस्तुत करते हैं।

टीम इनसाइट

टीम इनसाइट, जो कि एमपीआरसी की एक पहल है, का गठन आईआईएम उम्मीदवारों की मदद करने और उन्हें प्रवेश प्रक्रिया, वैट-पीआई प्रक्रिया आदि से संबंधित सभी समस्याओं से निपटने के लिए बनाया गया था। यह टीम आईआईएम काशीपुर में अपने प्रवास के पहले 8-10 दिनों में जूनियर बैच को शामिल करने और उन्हें आईआईएम काशीपुर की संस्कृति से अवगत कराने के लिए जिम्मेदार है।

गतिविधियाँ / कार्यक्रम

- वैट-पीआई मेंटरशिप
- क्विब्लर अभियान
- सिटी मीट
- इंडक्शन

टीम इनसाइट, आईआईएम काशीपुर द्वारा सिटी मीट

स्वास्थ्य समन्वयक

हमारी टीम का काम विद्यार्थियों तथा कैम्पस के भीतर और आसपास चिकित्सा सुविधाओं के बीच समन्वय करना है। टीम यह सुनिश्चित करने के इरादे से स्थापित की गई थी कि आईआईएम काशीपुर के छात्रों को उनकी जरूरतमंद स्थिति में, परेशानी रहित तरीके से चिकित्सा सुविधा उपलब्ध हो। हमारी टीम हमेशा किसी भी स्वास्थ्य संबंधी संकट या आपातकाल के मामले में विद्यार्थियों की मदद और उनका सहयोग करने के लिए होती है।

इस टीम को चार इकाइयों में विभाजित किया गया है, जो इमरजेंसी, डिस्पेंसरी, अस्पताल समन्वयक और मेलिंग टीम हैं।

आयोजन

कोलएसेंस

एक कोलएसेंस आईआईएम काशीपुर में एक प्रमुख कार्यक्रम है। यह एक प्रबंधन कॉन्क्लेव है जहां विभिन्न डोमेन और उद्योगों से उद्योग विशेषज्ञों को विद्यार्थियों के साथ एक इंटरैक्टिव और सीखने के सत्र में आमंत्रित किया जाता है। इसे छह चरणों में विभाजित किया गया है:

- मानव संसाधन (समन्वय)
- विपणन
- परिचालन
- सूचना-प्रौद्योगिकी विश्लेषण
- वित्त
- रणनीति

सभी छह शैक्षणिक क्लब कार्यक्रम के संचालन के लिए जिम्मेदार हैं।

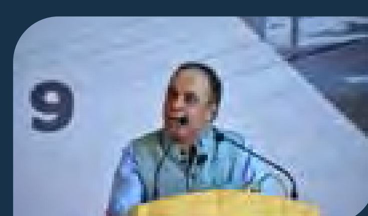
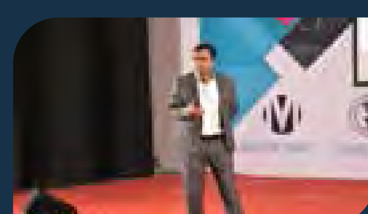

आईआईएम काशीपुर में कोलइसेंस

अग्नित्रय

अग्नित्रय, जो कि आईआईएम काशीपुर का आभूषण है और प्रबंधन, खेल-कूद एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों के तीन दिव्य विषयों को एक साथ मिलाकर एक प्रकार का त्योहार बनाता है जो न केवल प्रतिस्पर्धा करने के लिए बल्कि भूगोल पर शासन करने के लिए भारत भर में प्रतिभाओं को लॉन्च करता है। ऐसी प्रतियोगिताएं, जो आपके दिल की धड़कनें बढ़ा देता है, प्रदर्शन ऐसा जो आपको जंगल ले जाए तथा सर्द हवाएं आपकी आत्मा को संतुष्ट करती है और ऐसे में अग्नित्रय सौंदर्य को बढ़ता है तथा यह आपको न भूलनेयोग्य अनुभवों, स्मृतियों और मित्रों से मिलाता है।

अग्नित्रय आईआईएम काशीपुर का वार्षिक सांस्कृतिक, खेल एवं प्रबंधन उत्सव है। यह 72 घंटे का नॉन-स्टॉप शो है, जो उत्तर भारत का सबसे लंबे समय तक चलने वाला उत्सव है। इस साल प्रतिभागियों की संख्या बढ़कर 750 से अधिक हो गई।

गतिविधियाँ / कार्यक्रम

- सांस्कृतिक कार्यक्रम
- खेल प्रतियोगिताएं
- प्रबंधन कार्यक्रम
- स्टार नाइट
- कॉमेडी नाइट
- डीजे नाइट

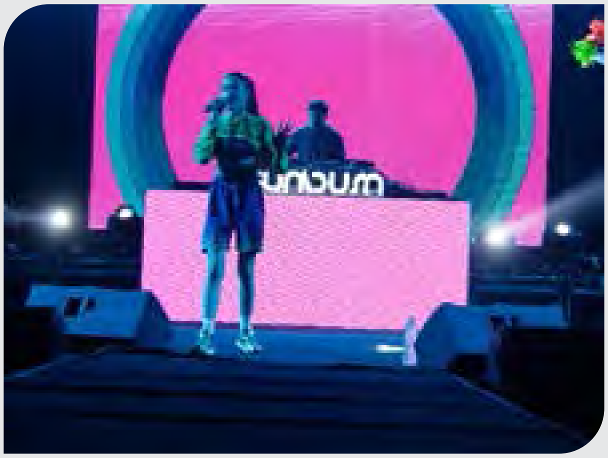

आईआईएम काशीपुर में 6 नवम्बर से 8 नवम्बर, 2019 तक अग्नित्रय'19 का आयोजन

उत्तिष्ठा

उत्तिष्ठा आईआईएम काशीपुर का वार्षिक ई-शिखर सम्मेलन है। पूरे देश से उद्यमियों को उद्यमिता से संबंधी अपार ज्ञान और अनुभव के साथ विद्यार्थियों को श्रेष्ठ बनाया जाता है। यह आयोजन विद्यार्थियों में उद्यमिता की भावना को विकसित करने के लिए समर्पित है। यह कार्यक्रम कुछ सफल स्टार्ट-अप के संस्थापक और निवेशकों द्वारा आयोजित किया गया था।

निम्नलिखित विशेषज्ञों द्वारा मुख्य वक्तव्य दिए गए -

- विक्रम दुग्गल - मैनेजिंग पार्टनर, इकेल वेंचर
- जतिन सिंह - संस्थापक, स्काइमेट वेदर एंड विलेज कवर
- मुकेश मलिक - सीईओ प्रोजेक्ट जीके, पार्टनर आह वेंचर्स
- सुनील चावला - मुख्य महाप्रबंधक, नाबार्ड

आईसीटी संरचना

इंटरनेट

नेटवर्क के आधार को सिंगल-मोड फाइबर ऑप्टिक केबल कनेक्टिविटी के साथ डिज़ाइन किया गया है, और आंतरिक नेटवर्क फॉर्टिगेट 1000डी और सिस्को एमई 3800X राउटर से लैस है। शैक्षणिक ब्लॉक वाई-फाई और वायर्ड लैन के माध्यम से आंतरिक रूप से जुड़ा हुआ है। नेशनल नॉलेज नेटवर्क (एनकेएन) द्वारा प्रदत्त समर्पित 1 जीबीपीएस लाइन, जो कि पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया (पीजीसीआईएल) द्वारा उपलब्ध कराई गई 400 एमबीपीएस लाइन की एक बैकअप लाइन एवं एसटीएन टेलीविजन नेटवर्क (एसटीएन) द्वारा 100 एमबीपीएस लाइन की तीसरी बैकअप लाइन चौबीस घंटे का उपयोग करती है। छात्रावास के ए, बी, सी, डी, ई और एफ ब्लॉक, संकाय निवास, शैक्षणिक ब्लॉक और भोजन क्षेत्र 24x7 इंटरनेट और इंट्रानेट के साथ-साथ आईपीबीएक्स से जुड़े हुए हैं।

कैंपस लाइसेंसिंग

लाइसेंस प्राप्त सॉफ्टवेयर के उपयोग को कारगर बनाने के लिए, आईआईएम काशीपुर ने माइक्रोसॉफ्ट के साथ एक कैंपस समझौता किया है। प्रबंधकीय निर्णय के लिए इस्तेमाल किए जा रहे अन्य पैकेजों के साथ-साथ सांख्यिकीय और अर्थमितीय विश्लेषणों के लिए भी यही किया गया है। ईमेल सेवाओं के लिए शिक्षा के लिए जी सूट का उपयोग किया जा रहा है।

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग

दूरस्थ स्थानों पर व्यक्तियों / कंपनियों के साथ नियोजन संबंधी गतिविधि, साक्षात्कार और बातचीत आईपी नेटवर्क का उपयोग करके उच्च-रिज़ॉल्यूशन वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से की जाती है।

ब्लूमबर्ग लैब

आईआईएम काशीपुर में ब्लूमबर्ग एल.पी. के सहयोग से अपने परिसर में 12 ब्लूमबर्ग टर्मिनल हैं। ये टर्मिनल विद्यार्थियों को वास्तविक समय के वित्तीय बाजार डेटा मूवमेंट की निगरानी एवं विश्लेषण करने में सक्षम बनाते हैं और दुनिया भर के उद्योगों एवं अर्थव्यवस्थाओं के बारे में ज्ञान प्रदान करते हैं।

आईटी रिसोर्स डेटाबेस

गार्टनर सर्विसेज, डब्ल्यूएआरसी ऑनलाइन, ब्लूमबर्ग टर्मिनल।

सर्वर

आवश्यक सामग्रियों के साथ दो टॉवर सर्वरों और पांच रैक सर्वर विभिन्न प्रकार की सर्वर जरूरतों होस्ट करते हैं। सर्वर में माइक्रोसॉफ्ट विंडोज सर्वर 2012 R2 और उबंटू सर्वर हैं। लिबसिस विंडोज़ सर्वर पर स्थापित है। स्टैटा स्टैटिस्टिकल सॉफ्टवेयर स्थापित किया गया है और अर्थमिति मॉडल का अनुमान लगाने के लिए उपयोग किया जाता है। उपयोगकर्ता एक वीपीएन के माध्यम से पुस्तकालय परिसर के बाहर पुस्तकालय डेटाबेस का उपयोग कर सकता है। विक्टोरिया यूनिवर्सिटी, ऑस्ट्रेलिया से लाइसेंस प्राप्त एसएपी का उपयोग विद्यार्थियों को हाथों-हाथ उपलब्ध कराने के लिए किया जा रहा है।

कक्षाएं

कक्षाओं को सुंदर ढंग से डिजाइन किया गया है और उच्च गति के वायरलेस इंटरनेट कनेक्टिविटी एवं कक्षा के बेहतर अनुभव के लिए हाई-डेफिनिशन प्रोजेक्टर से लैस होते हैं। इसके अलावा, वाई-फाई और एवी सिस्टम की सुविधाएं क्लासरूम A1, A2, B1, B3, C1, C3, D1, D2, E1 और E2 तक विस्तारित हैं। बायोमेट्रिक सिस्टम का उपयोग विद्यार्थियों की उपस्थिति के लिए किया जाता है।

सॉफ्टवेयर

एसएपी, एसपीएसएस, टर्निटिन, नवीवो, माइक्रोसॉफ्ट लाइसेंस, स्टाटा, मैक्सक्यूडीए, ई-व्यू, लिंगो सुपर, एनलॉजिट।

सॉफ्टवेयर एवं सुरक्षा

संस्थान परिसर में लगभग 800 संकायों / कर्मचारियों / विद्यार्थियों की आईटी आवश्यकताओं को संभाला।

पुस्तकालय

आईआईएम काशीपुर पुस्तकालय प्रबंधन और संबंधित विषयों के सभी क्षेत्रों में सूचना संसाधनों तक पहुँच प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। पुस्तकालय संस्थान के शैक्षणिक एवं अनुसंधान गतिविधियों का समर्थन करने के लिए अपने मिशन को पूरा करने के लिए एक उत्कृष्ट शिक्षण संसाधन केंद्र के रूप में उभर रहा है।

ये संसाधन नवीनतम प्रबंधन पुस्तकों, पत्रिकाओं, जर्नल और डेटाबेस से ऑडियो / वीडियो डेटाबेस तक होते हैं। पुस्तकों, पत्रिकाओं, वर्किंग पेपर्स आदि का एक उत्कृष्ट प्रिंट संग्रह रखने के अलावा, पुस्तकालय की त्वरित और प्रभावी सेवाएं व्यवसाय प्रबंधन के क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ से तुलनीय हैं। यह पुस्तकालय शैक्षणिक समुदाय की बदलती जरूरतों के अनुरूप भी है और इलेक्ट्रॉनिक संसाधनों जैसे ई-बुक्स, ई-जर्नल्स और डेटाबेस इत्यादि का अधिग्रहण किया है।

यह पुस्तकालय डेलनेट (डेवलपिंग लाइब्रेरी नेटवर्क) का एक संस्थागत सदस्य और ई-शोध सिंधु : हायर एजुकेशन इलेक्ट्रॉनिक रिसोर्स के लिए कंसोर्टियम का लाभार्थी सदस्य है। इसकी वेबसाइट http://www.iimkashipur.ac.in/library/about-us विभिन्न ऑनलाइन डेटाबेस से जुड़ा है जो कि पुस्तकालय और संस्थान के भीतर किसी भी नेटवर्क कंप्यूटर सिस्टम से उपलब्ध हैं। इस पुस्तकालय के पास उपयोगकर्ताओं को नवीनतम विद्वत जानकारी प्रदान करने के लिए कई कंपनी और उद्योग डेटाबेस, ग्रंथ सूची डेटाबेस और ई-पत्रिकाओं की सदस्यता है।

उपलब्ध कंपनी / उद्योग / देश डेटाबेस सीएमआईई - इकोनॉमिक आउटलुक, उद्योग आउटलुक, प्रोवेसआईक्यू, फ्रॉस्ट एंड सुलिवन, गार्टनर, Indiastat.com, एमआईएमआई (माइका), एससीसी ऑनलाइन, डब्ल्यूएआरसी, कम्प्यूस्टैट कैपिटल आईक्यू हैं।

यहां उपलब्ध ई-जर्नल डेटाबेस में एबीआई / इंफॉर्म, ऐनुअल रिव्यूज, कैबेलज ह्वाईटलिस्ट जर्नल्स, क्रिसिल, एब्सको बिजनेस सोर्स अल्टीमेट, ईपीडब्ल्यूआरएफ इंडिया टाइम सीरीज़, स्कोपस, वेब ऑफ़ साइंस, एल्सेवियर (साइंस डायरेक्ट), एमराल्ड मैनेजमेंट, जेस्टोर, ऑक्सफ़ोर्ड ऑनलाइन जर्नल, सेज ह्यूमैनिटीज और सोशल साइंस कलेक्शन, टेलर एंड फ्रांसिस, विली ऑनलाइन पत्रिकाएं शामिल हैं।

उपलब्ध ई-पुस्तकें ऑक्सफोर्ड (हैंडबुक ऑन मैनेजमेंट), सेज (बिजनेस एंड मैनेजमेंट कलेक्शन), स्प्रिंगर (2008 कॉपीराइट वर्ष से बिजनेस एंड मैनेजमेंट कलेक्शन) तथा टेलर एंड फ्रांसिस (बिजनेस, मैनेजमेंट एवं इकोनॉमिक्स) से हैं।

पत्रिकाएं एवं समाचार पत्र जैसे कि इकोनॉमिक एंड पॉलिटिकल वीकली (सभी मॉड्यूल) और न्यूजपेपर डायरेक्ट सब्सक्राइब किए जाते हैं। इसके अलावा, आंतरिक उपयोगकर्ताओं के लिए विशेष सर्च सॉफ़्टवेयर जैसे एब्सको डिस्कवरी और रिमोट लॉगिन है।

पुस्तकालय द्वारा प्रदान की जाने वाली मूल्यवान सेवाएं सर्कुलेशन, करेंट अवेयरनेस सर्विस, डेटाबेस सर्च सर्विस, डॉक्यूमेंट डिलीवरी, इंटर-लाइब्रेरी लोन, मेल अलर्ट सर्विस, ऑनलाइन पब्लिक एक्सेस कैटलॉग (वेब ओपीएसी), ओरिएंटेशन कार्यक्रम, फोटोकॉपी, रीडिंग फैसिलिटी, रेफरेंस एवं सूचना, अनुसंधान सहायता और स्कैनिंग हैं।

इस पुस्तकालय में 15500 से अधिक पुस्तकों का संग्रह है जिसमें ई-पुस्तकें, 17 पत्रिकाएं, 10 समाचार पत्र, और कई अन्य संसाधन जैसे ऑनलाइन कॉर्पोरेट डेटाबेस, जर्नल डेटाबेस, कानूनी और अन्य ऑनलाइन डेटाबेस शामिल हैं। यह पीजीपी समर ट्रेनिंग प्रोजेक्ट रिपोर्ट और सीआईएस शोध प्रबंधों का भंडार भी रखता है।

आंतरिक शिकायत समिति का प्रतिवेदन

- आईसीसी द्वारा 3 दिसंबर, 2019 को एक पीजीपी प्रथम वर्ष की महिला विद्यार्थी द्वारा अनुचित व्यवहार के लिए एक पीजीपी प्रथम वर्ष के पुरुष विद्यार्थी के विरूद्ध शिकायत दर्ज कराई गई थी। आईसीसी ने प्रतिवादी और शिकायतकर्ता के साथ बैठकें कीं और पाया कि प्रतिवादी की गलती थी, इसलिए आईसीसी ने प्रतिवादी पर जुर्माना लगाया ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं को दोहराया न जा सके। प्रतिवादी को लगाया गया दंड इस प्रकार था: 1. उसे स्पॉनसरशिप सेल से हटा दिया गया, 2. उसे सामुदायिक सेवा में संलग्न किया गया, 3. संस्थान के परामर्शदाता द्वारा परामर्श। इसकी जानकारी आईसीसी को दी गई कि विद्यार्थी को सामुदायिक सेवा में नियमित पाया गया है तथा केस को 22 जनवरी 2020 को बंद कर दिया गया।
- फरवरी 2020 में आईसीसी कार्यालय को अनुशासनात्मक प्राधिकरण के कार्यालय के माध्यम से एक गुमनाम पीजीपी विद्यार्थी द्वारा एक पीएचडी विद्यार्थी के खिलाफ छेड़छाड़, बलात्कार और यौन उत्पीड़न की शिकायत मिली थी। चूंकि पत्र एक गुमनाम उम्मीदवार का था, इसलिए आईसीसी के सदस्यों ने व्यक्तिगत रूप से सभी कार्यक्रम की महिला विद्यार्थियों से मुलाकात की लेकिन शिकायतकर्ता की पहचान नहीं कर सके और न ही पीएचडी विद्यार्थी (प्रतिवादी) के खिलाफ कोई शिकायत पाई। इसके अलावा, प्रतिवादी को 25 फरवरी, 2020 को आईसीसी सदस्यों के साथ बैठक के लिए बुलाया गया और पत्र का जवाब देने के लिए भी कहा गया। उपलब्ध तथ्यों को देखते हुए, आईसीसी को प्रतिवादी के खिलाफ कुछ भी नहीं मिला और 26 फरवरी, 2020 को मामला बंद कर दिया।
- आईआईएम काशीपुर की एक महिला संकाय द्वारा आईआईएम काशीपुर के एक पुरुष संकाय के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई गई। इस मामले की रिपोर्ट आईसीसी को 28 जनवरी, 2020 को दी गई। आईसीसी ने अगले महीनों में मामले की छह सुनवाई की और आखिरकार, गवाहों के बयान और उपलब्ध तथ्यों के आधार पर, आईसीसी ने 27 जुलाई, 2020 को आईआईएम काशीपुर की अनुशासन समिति को मामले में अपनी सिफारिश दी। आईसीसी ने अनुशासनात्मक समिति को सिफारिश की कि वह प्रतिवादी से माफीनामा ले लें।

धारा 26 (3) के तहत कर्मचारियों के विवरण

संस्थान (कर्मचारी के विवरण) के साथ पठित आईआईएम अधिनियम 2018 की धारा 26 (3) के तहत सूचना को शून्य के रूप में लिया जा सकता है।

धारा 26 (4) के तहत आरक्षण, योग्यता और प्रतिकूल टिप्पणी का विवरण

संस्थान (आरक्षण, योग्यता और ऑडिटर्स में प्रतिकूल टिप्पणी, रिपोर्ट) के साथ पठित आईआईएम अधिनियम 2018 की धारा 26 (4) के तहत सूचना को शून्य के रूप में लिया जा सकता है।

धारा 26 (1) (ख) राशियाँ, यदि कोई हो, जिसे वह अपने तुलन-पत्र में किसी भी अधिशेष आरक्षित में ले जाने का प्रस्ताव रखता है:

वित्तीय वर्ष 2019-20 के लिए संस्थान अधिशेष आरक्षित यथा कॉर्पस के सृजन के किसी भी अधिशेष आरक्षित को 14.32 करोड़ रूपए तक ले जाने का प्रस्ताव रखा है।

आमदनी या व्यय को कम या अधिकता के प्रति लेखा परीक्षक धारा 26 (1) (ग) के तहत:

वित्तीय वर्ष 2019-20 के लिए "व्यय पर किसी अधिकता या आय पर व्यय की किसी कमी के कम या अधिक दर्शाने की सीमE तक अनुच्छेद क एवं ख में लेखा परीक्षक के प्रतिवेदन में इंगित है।

संस्थान के संकाय सदस्यों और अन्य कर्मचारियों सहित पांच अधिकारियों के नाम जिन्हें उच्चतम पारिश्रमिक (ऐसे कर्मचारियों को दिए गए भत्ते और अन्य भुगतान सहित) धारा 26 (2) शामिल है:

अभिलेख (प्रपत्र 16) के अनुसार, संस्थान के संकाय / कर्मचारी का नाम, जिसने वित्तीय वर्ष 2019-20 के दौरान सर्वाधिक पारिश्रमिक प्राप्त किया है, इस प्रकार है:

नाम	राशि (रु.)	योगदान
प्रो. दिलीप कुमार	78,95,211/-	वेतन, संकाय पुरस्कार अंक, एमडीपी मानदेय
प्रो. सफल बत्रा	59,01,399/-	वेतन, संकाय पुरस्कार अंक, एमडीपी मानदेय
प्रो. राकेश कुमार अग्रवाल	57,53,799/-	वेतन, संकाय पुरस्कार अंक, एमडीपी मानदेय
प्रो. कंपान मुखर्जी	57,27,958/-	वेतन, संकाय पुरस्कार अंक, एमडीपी मानदेय
प्रो. के एम बहारुल इस्लाम	47,11,535/-	वेतन, संकाय पुरस्कार अंक, एमडीपी मानदेय

अधिकारियों की नियुक्तियां

स्थायी कर्मचारीगण	
श्री मान सिंह	मल्टी टास्किंग स्टाफ
श्री राकेश राम त्रिपाठी	स्टोर और खरीद अधिकारी
संविदा कर्मचारी	
मो. नदीम शादाब हाशमी	सहायक अभियंता (सिविल)
श्री पुलकित राणा	सहायक प्रबंधक (संचालन)

लेखापरीक्षा प्रतिवेदन एवं तुलन पत्र

कार्यालय महानिदेशक लेखापरीक्षा (केन्द्रीय) लखनऊ
शाखा कार्यालय - प्रयागराज
15-ए, दयानन्द मार्ग, सत्यनिष्ठा भवन, प्रयागराज

पत्र सं. : म. नि. ले. प. (के)/एस.ए.आर-44/2021-22/ **दिनांक: .04.2021**

सेवा में,

सचिव, भारत सरकार,
मानव संसाधन विकास मंत्रालय,
उच्च शिक्षा विभाग,
शास्त्री भवन, नई दिल्ली - 110001

विषय: भारतीय प्रबंध संस्थान, काशीपुर उत्तराखण्ड के वर्ष 2019-20 के लेखों पर पृथक लेखा परीक्षा प्रतिवेदन

महोदय,

इस पत्र के माध्यम से भारतीय प्रबंध संस्थान, काशीपुर, उत्तराखण्ज के वर्ष 2019-20 के लेखों पर पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन (अंग्रेजी) तथा वार्षिक लेखे की प्रति अग्रसारित की जा रही है।

2. कृपया सुनिश्चित करें कि पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन एवं सम्बन्धित लेखे संसद के दोनों सदनों के सम्मुख प्रस्तुत हुए।

3. कृपया पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन एवं लेखों को संसद के दोनों सदनों के समक्ष अन्तिम रूप-से प्रस्तुत करने की तिथि भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक के साथ-साथ इस कार्यालय को भी सूचित करने का कष्ट करें।

संलग्नक : उपर्युक्तानुसार।

भवदीय,
-ह-
महानिदेशक लेखापरीक्षा (केन्द्रीय)

पत्र सं. : म. नि. ले. प. (के)/एस.ए.आर-44/2021-22/05 **दिनांक: 07 .04.2021**

निदेशक, भारतीय प्रबंध संस्थान, काशीपुर, उत्तराखण्ड- 244713 को उसके वर्ष 2019-20 के लेखों पर आधारित पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन (अंग्रेजी) की प्रति आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित है। संस्थान यदि आवश्यकता अनुभव करे, तो इस प्रतिवेदन का हिन्दी अनुवाद करवा सकता है, परन्तु इस प्रतिवदेन के हिन्दी अनुवाद में निम्नलिखित अंकित होना चाहिए:

"प्रस्तुतत प्रतिवेदन मूलरूप से अंग्रेजी में लिखित पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन का हिन्दी अनुवाद है। यदि इसमें कोई विसंगति परिलक्षित होती है, तो अंग्रेजी में लिखित प्रतिवेदन मान्य होगा।"

हिन्दी अनुवाद की एक प्रति इस कार्यालय को भी प्रेषित करने का कष्ट करें।

उप निदेशक (केन्द्रीय व्यय)

31 मार्च 2020 को समाप्त वर्ष के लिए भारतीय प्रबंधन संस्थान, काशीपुर के लेखा पर भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक का पृथक लेखा परीक्षा प्रतिवेदन

हमनें भारतीय प्रबंधन संस्थान अधिनियम, 2017 की धारा 23 (3) के साथ पठित नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कर्तव्य, अधिकार एवं सेवा की शर्तों) अधिनियम, 1971 की धारा 19(2) के तहत 31 मार्च 2020 को भारतीय प्रबंधन संस्थान, काशीपुर (संस्थान) के संलग्नित तुलन-पत्र, उसी तिथि को समाप्त वर्ष के लिएआय एवं व्यय लेखा तथा प्राप्ति एवं भुगतान लेखा की लेखा परीक्षा की है। ये वित्तीय विवरण संस्थान के प्रबंधन की जिम्मेदारी हैं। हमारी जिम्मेदारी अपने लेखा परीक्षा पर आधारित इन वित्तीय विवरणों पर एक राय प्रकट करना है।

2. इस पृथक लेखा परीक्षा प्रतिवेदन में सर्वश्रेष्ठ लेखा प्रथा, लेखांकन मानक, प्रकटीकरण मानक इत्यादि के साथ वर्गीकरण, अनुकूलता के संबंध में सिर्फ लेखा व्यवहार पर भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) की टिप्पणियां निहित हैं। विधि, नियम एवं विनियमों (औचित्य एवं नियमितता) की अनुकूलता के संबंध में वित्तीय लेनदेन पर लेखा परीक्षा पर्यवेक्षण तथा दक्षता-सह-प्रदर्शन पहलू इत्यादि, यदि कोई हो, को पृथक रूप से निरीक्षण प्रतिवेदन/सीएजी के लेखा परीक्षा प्रतिवेदन के जरिए प्रतिवेदित किया जाता है।

4. हमनें भारत में सामान्य रूप से स्वीकार्य लेखा परीक्षा मानकों के अनुरूप अपनी लेखा परीक्षा की है। इन मानकों में हमें औचित्यपूर्ण आश्वासन प्राप्त करने के लिए लेखा परीक्षा की योजना एवं उसे क्रियान्वित करने की आवश्यकता होती है कि वित्तीय टिप्पणियां मिथ्या वर्णन से मुक्त है। एक लेखा परीक्षा में एक परीक्षा, परीक्षण आधार पर राशियों के समर्थन में प्रमाण एवं वित्तीय टिप्पणी में उल्लेखित प्रकटीकरण शामिल होता है। एक लेखा परीक्षा में प्रबंधन द्वारा उपयोग किए गये लेखा सिद्धांत एवं महत्वपूर्ण आंकलन के साथ-साथ वित्तीय टिप्पणियों के सम्पूर्ण प्रस्तुतीकरण का मूल्यांकन भी शामिल है। हम विश्वास करते हैं कि हमारी लेखा परीक्षा हमारे राय के लिए औचित्यपूर्ण आधार प्रदान करती है।

4. अपनी लेखा परीक्षा के आधार पर हम प्रतिवेदन करते हैं कि :

(i) हमने वह सभी जानकारियां एवं स्पष्टीकरण प्राप्त किए हैं, जो हमारे सर्वोत्तम ज्ञान एवं विश्वास में लेखा परीक्षा के उद्देश्य से आवश्यक थे;

(ii) इस प्रतिवेदन में चर्चित तुलन पत्र, आय एवं व्यय लेखा तथा प्राप्ति एवं भुगतान लेखा को मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा निर्देशित केंद्रीय उच्च शिक्षा संस्थान के लिए वित्तीय विवरणों के लिए प्रारूप के अनुसार बनाया गया है।

(iii) हमारी राय में भारतीय प्रबंधन संस्थान, काशीपुर द्वारा उचित लेखा बही एवं अन्य प्रासंगिक रिकॉर्ड का रखरखाव किया गया है, जैसा कि भारतीय प्रबंधन संस्थान अधिनियम, 2017 की धारा 23(1) के अनुसार आवश्यक है।

(iv) हम पुन: प्रतिवेदन करते हैं कि :

क) तुलन पत्र

संस्थान ने वर्ष 2019-20 के दौरान कार्यकारी विकास कार्यक्रम (ईडीपी) का आयोजन किया और शुल्क (फी) के रूप में रु. 7.00 लाख अर्जित किया। हालांकि, संस्थान ने इसकी वार्षिक लेखा में गणना नहीं की है। इसके परिणामस्वरूप, परिसंपत्तियां एवं देयताएं दोनों रु. 7.00 से कम दर्शाए गए हैं।

ख) आय एवं व्यय लेखा

स्थापना व्यय (अनुसूची-15) रु. 11.35 करोड़

उपरोक्त में संविदा कर्मचारियों के वेतन का रु. 66.43 लाख शामिल है, जिसे "शैक्षणिक व्यय" के रूप में लाया जाना चाहिए। इसलिए, "स्थापना व्यय" रु. 66.43 लाख से अधिक हैं तथा उसी राशि से "शैक्षणिक व्यय" को कम दर्शाया गया है।

ग) सामान्य

(ग.1) संस्थान ने एमएचआरडी प्रारूप के अनुसार तुलन पत्र, आय एवं व्यय, प्राप्ति एवं भुगतान लेखा से संबंधित एनपीएस की तैयारी नहीं है।

(ग.2) सेवानिवृत्ति अनुलाभ के लिए प्रावधान को जीवांकिक के अनुसार प्रदान नहीं किया गया है, जो कि लेखांकन मानक 15 एवं एमएचआरडी द्वारा निर्धारित लेखांकन के प्रारूप के उल्लंघन में है।

घ) प्रबंधन पत्र

कमियां, जिन्हें लेखा परीक्षा प्रतिवेदन में शामिल नहीं किया गया है, को उपचारात्मक/सुधारात्मक कार्रवाई के लिए पृथक रूप से जारी एक प्रबंधन पत्र के जरिए संस्थान की नज़र में लाया गया है।

(ङ) संस्थान ने एमएचआरडी से वर्ष 2019-2020 के दौरान अनुदान सहायता प्राप्त नहीं किया था। प्रारम्भिक शेष रु. 30.37 करोड़ को लेने के पश्चात, संस्थान के पास उपलब्ध कुल निधि रु. 30.37 करोड़ थी। इसमें से संस्थान ने 31 मार्च 2020 को रु. 0.53 करोड़ का शेष छोड़कर एफपीएम कार्यकलाप के लिए रु. 29.84 करोड़ प्रयुक्त किया था।

(v) पूर्ववर्ती अनुच्छेदों में अपने अवलोकन के आधार पर हम प्रतिवेदन करते हैं कि इस प्रतिवेदन के साथ तुलन पत्र, आय एवं व्यय लेखा तथा प्राप्ति एवं भुगतान लेखा इस लेखा बही की सहमति के साथ हैं।

(vi) हमारी राय में एवं हमें प्राप्त सर्वोत्तम जानकारी तथा हमें दिए गए स्पष्टीकरण के अनुसार, लेखांकन नीतियों तथा लेखा पर टिप्पणों के साथ पठित उक्त वित्तिय विवरणों तथा इस लेखा परीक्षा प्रतिवेदन में उल्लिखित अन्य विषय भारत में सामान्य रूप से स्वीकार्य लेखा सिद्धातों की अनुकूलता में एक सत्य एवं स्वच्छ दृष्टि प्रदान करते हैं।

(क) यह 31 मार्च 2020 को भारतीय प्रबंधन संस्थान काशीपुर, उत्तराखंड के तुलन पत्र से अब तक संबंधित है; तथा

(ख) यह उक्त तिथि को समाप्त वर्ष के लिए 'अधिशेष' के आय एवं व्यय लेखा से अब तक संबंधित है।

भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक के लिए तथा उनकी ओर से

स्थान : लखनऊ

दिनांक : 6.4.2021

महानिदेशक लेखापरीक्षा (केन्द्रीय)

अनुलग्नक

1. आंतरिक लेखा परीक्षा प्रणाली की पर्याप्तता

संस्थान के पास अपना इंटरनल ऑडिट (आंतरिक लेखा परीक्षा) दस्ता नहीं है; हालांकि, वर्ष 2019-2020 के दौरान संस्थान का इंटरनल ऑडिट सनदी लेखाकार द्वारा किया गया।

2. आंतरिक नियंत्रण प्रणाली की पर्याप्तता

आंतरिक नियंत्रण प्रणाली ने निम्न विसंगतियां दर्शायी हैं :

- रु. 178.10 लाख (विविध) की अग्रिम राशि तथा रु. 36.81 लाख के कार्य के प्रति अग्रिम का गैर-समायोजन किया गया।
- शिक्षण कर्मचारी में 21% तथा प्रशासन कर्मचारी में 32% पद खाली रहे।
- संस्थान की भर्ती नीति को कोई अंतिम रूप नहीं दिया गया।

3. स्थिर परिसंपत्तियों का प्रत्यक्ष सत्यापन

वर्ष 2019-2020 के दौरान स्थिर परिसंपत्तियों का प्रत्यक्ष सत्यापन नहीं किया गया था।

4. माल-सूची के प्रत्यक्ष सत्यापन की प्रणाली

वर्ष 2019-2020 के दौरान माल-सूची का प्रत्यक्ष सत्यापन किय गया था।

5. सांविधिक बकाए के भुगतान में नियमितता

यह संस्थान सांविधिक बकाये के भुगतान में नियमित है।

उप निदेशक (सीई)

भारतीय प्रबंधन संस्थान काशीपुर

31 मार्च 2020 को **तुलन पत्र**

(राशि रु. में)

विवरण	अनुसूची	चालू वर्ष समाप्त 31.03.2020	विगत वर्ष समाप्त 31.03.2019
निधियों का स्रोत			
कॉर्पस/पूंजीगत निधि	1		
▪ कॉर्पस निधि		1,369,912,170	1,226,624,300
▪ पूंजी निधि		3,214,786,299	2,948,558,166
		4,584,698,469	4,175,182,466
नामित/निर्धारित/बंदोबस्ती निधि	2	171,297,641	119,236,098
चालू देयताएं एवं प्रावधान	3	135,992,434	428,602,111
कुल		**4,891,988,544**	**4,723,020,676**
निधियों का प्रयोग			
स्थिर परिसंपत्तियां	4		
▪ मूर्त परिसंपत्तियां		200,796,299	132,620,483
▪ पूंजी कार्य - प्रगति		2,998,014,177	2,804,762,317
▪ अमूर्त परिसंपत्तियां		15,975,823	11,175,367
▪ स्थिर परिसंपत्तियां (सकल खंड)		3,214,786,299	2,948,558,167
निर्धारित/बंदोबस्ती निधि का निवेश	5	129,054,248	94,456,297
निवेश - अन्य	6	1,272,300,000	1,065,000,000
चालू परिसंपत्तियां	7	66,438,540	230,532,115
ऋण, अग्रिम एवं जमा	8	209,409,457	384,474,096
कुल		**4,891,988,544**	**4,723,020,676**

महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां 23
आकस्मिक देयताएं एवं लेखा पर टिप्पणियां 24

अनुसूची 1 से 24, जो वित्तीय विवरणों का महत्वपूर्ण अंग है

स्थान: काशीपुर
दिनांक: 26.06.2020

कृते टी. नागर एंड कं.
सनदी लेखाकार

(डॉ. मधुकर गोयल)
ए.ओ. (लेखा)

(सुधीर चंद्रा)
कंसल्टंट (वित्त)

(प्रो. कुलभूषण बलूनी)
निदेशक

(सीए. दीपांशु अग्रवाल)
साझेदार
एम. सं. : 410844

भारतीय प्रबंधन संस्थान काशीपुर

31 मार्च 2020 को समाप्त वर्ष के लिए **आय एवं व्यय लेखा**

(राशि रु. में)

विवरण	अनुसूची	चालू वर्ष समाप्त 31.03.2020		विगत वर्ष समाप्त 31.03.2019	
1. आय					
1.1 शैक्षणिक प्राप्तियां	9		405,384,162		362,103,638
▪ पीजीपी आय	9.1	340,363,116		300,921,374	
▪ ईपीजीपीएम आय	9.2	23,147,200		19,848,280	
▪ ईएफपीएम आय	9.3	5,075,260		8,323,087	
▪ एमडीपी- आय	9.4	36,525,900		27,703,657	
▪ परामर्श आय	9.5	182,686		5,080,240	
▪ एफपीएम प्राप्तियां	9.6	90,000		227,000	
1.2 अन्य आय			126,926,905		342,860,628
▪ अनुदान एवं दान	10	-		183,542,558	
▪ निवेश से आय	11	91,603,591		77,668,496	
▪ अर्जित ब्याज	12	16,924,712		66,524,126	
▪ अन्य आय एवं वसूली	13	1,327,294		1,028,880	
▪ पूर्वावधि आय (सीएटी शेयर)	14	17,071,308		14,096,568	-
कुल आय (क)			**532,311,067**		**704,964,266**
2. व्यय					
2.1 कर्मचारी भुगतान एवं लाभ	15		113,596,797		115,219,424
2.2 शैक्षणिक व्यय	16		181,980,561		152,557,123
▪ पीजीपी व्यय	16.1	103,537,283		85,091,103	
▪ ईपीजीपीएम व्यय	16.2	12,360,484		11,252,696	
▪ ईएफपीएम व्यय	16.3	432,080		1,399,211	
▪ एमडीपी व्यय	16.4	26,605,184		19,548,316	
▪ परामर्श व्यय	16.5	-		3,936,055	
▪ एफपीएम व्यय	16.6	15,382,361		11,021,758	
▪ अनुसंधान एवं विकास	16.7	23,663,169		20,307,984	
2.3 प्रशासनिक एवं सामान्य व्यय	17		45,939,338		37,197,175
2.4 परिवहन व्यय	18		1,377,678		1,293,784
2.5 मरम्मत एवं रखरखाव	19		8,598,712		4,427,090
2.6 वित्त लागत	20		41,982		23,146
2.7 मूल्यह्रास	4		32,984,667		17,390,116
2.8 अन्य व्यय	21		-		-
2.9 पूर्वावधि व्यय	22		4,503,461		25,036,373
कुल व्यय (ख)			**389,023,196**		**353,144,232**
शेष, जो कि व्यय पर आय का अधिशेष (क)-(ख) है, को कॉर्पस निधि में अंतरित किया			143,287,870		351,820,034
कुल			**532,311,067**		**704,964,266**

महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां 23
आकस्मिक देयताएं एवं लेखा पर टिप्पणियां 24

अनुसूची 1 से 24, जो वित्तीय विवरणों का महत्वपूर्ण अंग है

स्थान: काशीपुर
दिनांक: 26.06.2020

कृते टी. नागर एंड कं.
सनदी लेखाकार

(डॉ. मधुकर गोयल)
ए.ओ. (लेखा)

(सुधीर चंद्रा)
कंसल्टंट (वित्त)

(प्रो. कुलभूषण बलूनी)
निदेशक

(सीए. दीपांशु अग्रवाल)
साझेदार
एम. सं. : 410844

भारतीय प्रबंधन संस्थान काशीपुर

31 मार्च 2020 को समाप्त वर्ष के लिए प्राप्ति एवं भुगतान लेखा

(राशि रु. में)

प्राप्ति	वर्तमान वर्ष	विगत वर्ष	भुगतान	वर्तमान वर्ष	विगत वर्ष
I. प्रारंभिक शेष राशि			I. व्यय		
क) नकद शेष			क) स्थापना व्यय	110,440,607	115,219,424
ख) बैंक बैलेंस			ख) शैक्षणिक व्यय	174,561,751	152,557,123
I. चालू खातों में			ग) प्रशासनिक व्यय	45,939,338	37,197,175
II. जमा खातों में			घ) परिवहन व्यय	1,377,678	1,293,784
III. बचत खाते	219,694,544	504,874,617	ङ) मरम्मत एवं रखरखाव	8,598,712	4,427,090
			च) वित्त लागत	41,982	23,146
			छ) पूर्वावधि व्यय	4,503,461	25,036,373
II. प्राप्त अनुदान			II. निर्धारित / बंदोबस्ती निधि के प्रति भुगतान	3,083,439	2,828,963
क) भारत सरकार से	-	295,200,000			
ख) राज्य सरकार से	-	-			
ग) अन्य स्रोतों से (विवरण)	-	-			
(पूंजी और राजस्व व्यय के लिए अनुदान/ यदि उपलब्ध हो तो अलग से दिखाया जाएगा)					
III. शैक्षणिक प्राप्तियां	394,809,162	362,103,638	III. प्रायोजित परियोजना/योजनाओं के लिए भुगतान	73,431,020	-
IV. निर्धारित/बंदोबस्ती निधियों से प्राप्तियां	55,144,982	45,030,369	IV. प्रायोजित फैलोशिप/छात्रवृत्ति के लिए भुगतान	13,637,510	6,079,960
V. प्रायोजित परियोजनाओं/योजनाओं/ कार्यक्रमों के प्रति प्राप्तियां	63,321,907	-	V. निम्न पर निवेश एवं जमा		
			क) निर्धारित / बंदोबस्ती निधि से	34,597,951	71,688,010
			ख) स्वयं निधि से (निवेश-अन्य)	979,800,000	724,000,000
VI. प्रायोजित फैलोशिप/छात्रवृत्ति के प्रति प्राप्तियां	10,575,000	3,928,310	VI. अनुसूचित बैंकों में सावधि जमा		
VII. निम्न से निवेश पर आय	-	-	VII. स्थिर परिसंपत्तियों पर व्यय एवं पूंजी कार्य-प्रगति		
क) निर्धारित / बंदोबस्ती निधियां	-	-			
ख) अन्य निवेश	91,603,591	77,668,496	क) अनुसूचित परिसंपत्ति	105,960,940	89,838,124
			ख) पूंजीगत कार्य प्रगति	193,251,860	593,518,204
VIII. निम्न पर प्राप्त ब्याज			VIII. सांविधिक भुगतान सहित अन्य भुगतान		
क) बैंक जमा	-	-			
ख) ऋण और अग्रिम	7,238,347	52,442,709			
ग) बचत बैंक खाते और अन्य	9,686,365	14,081,417			
IX. निवेश नकदीकरण	772,500,000	483,300,000	IX. अनुदान की वापसी	-	-
X. अनुसूचित बैंकों के पास सावधि जमा नकदीकरण	-	-	X. जमा और अग्रिम (दायित्व)	282,122,174	3,931,729
XI. अन्य आय (पूर्वावधि आय सहित)	18,398,602	15,125,448	XI. अन्य भुगतान	-	-
XII. जमा और अग्रिम (परिसंपत्ति)	441,257,872	193,578,645	XII. अंतिम शेष		
			क) वर्तमान नकद	-	-
			ख) बैंक शेष		
			चालू खातों में	-	-
			बचत खातों में	52,881,950	219,694,544
			जमा खातों में	-	-
कुल	**2,084,230,372**	**2,047,333,650**	**कुल**	**2,084,230,372**	**2,047,333,650**

स्थान: काशीपुर
दिनांक: 26.06.2020

कृते टी. नागर एंड कं.
सनदी लेखाकार

(डॉ. मधुकर गोयल)
ए.ओ. (लेखा)

(सुधीर चंद्रा)
कंसल्टंट (वित्त)

(प्रो. कुलभूषण बलूनी)
निदेशक

(सीए. दीपांशु अग्रवाल)
साझेदार
एम. सं. : 410844

भारतीय प्रबंधन संस्थान काशीपुर

अनुसूची - 1 : कॉर्पस / पूंजी निधि

(राशि रु. में)

	विवरण	2019-20	2018-19
1	**कॉर्पस निधि**		
	प्रारंभिक शेष	1,226,624,300	874,804,266
	जोड़ें:आय एवं व्यय खाते से स्थानांतरित	143,287,870	351,820,034
	कुल (1)	**1,369,912,170**	**1,226,624,300**
2	**पूंजी निधि**		
	2.1 भवन निधि		
	▪ प्रारंभिक शेष	2,885,580,038	2,232,295,688
	▪ जोड़ें: पूंजीगत व्यय के लिए सरकारी अनुदान से आवंटन	201,671,254	656,652,186
	▪ घटाएं: मूल्यह्रास निधि में स्थानांतरित	1,852,099	3,367,836
	उप कुल (2.1)	**3,085,399,193**	**2,885,580,038**
	2.2 सामान्य परिसंपत्तियां निधि		
	▪ प्रारंभिक शेष	62,978,128	97,006,387
	▪ जोड़ें: पूंजीगत व्यय के लिए सरकारी अनुदान से आवंटन	97,541,546	26,704,142
	▪ घटाएं: मूल्यह्रास निधि में स्थानांतरित	31,132,568	60,732,401
	उप कुल (2.2)	**129,387,106**	**62,978,128**
	कुल (2)	**3,214,786,299**	**2,948,558,166**
	कुल योग (1+2)	**4,584,698,469**	**4,175,182,466**

(डॉ. मधुकर गोयल)
ए.ओ. (लेखा)

(सुधीर चंद्रा)
कंसल्टंट वित्त

भारतीय प्रबंधन संस्थान काशीपुर

अनुसूची - 2 : नामित / निर्धारित / बंदोबस्ती निधि

(राशि रु. में)

विवरण	निधिवार विवरण							कुल	
	कर्मचारी कल्याण निधि	एलुमिनि निध	मूल्यह्रास निधि	विद्यार्थी कल्याण निधि	अवकाश नकदीकरण निधि	ग्रुप ग्रेच्युटी निधि	एमडीपी विकास निधि	चालू वर्ष	विगत वर्ष
क.									
क) प्रारम्भिक शेष	4,096,140	6,271,779	68,877,159	259,366	17,021,253	16,900,045	5,810,357	119,236,098	77,034,692
ख) वर्ष के दौरान परिवर्धन	1,600,848	2,052,000	32,984,667	-	4,518,388	2,938,187	2,005,427	46,099,517	39,133,042
ग) निधियों के निवेश से आय	321,052	562,804	5,298,407	19,802	633,855	665,381	472,656	7,973,957	5,897,327
घ) निवेश/अग्रिम पर अर्जित ब्याज	-	-	-	-	-	-	-	-	-
ङ) बचत बैंक खाते पर ब्याज	-	-	-	-	-	-	-	-	-
च) अन्य परिवर्धन (प्रकृति निर्दिष्ट करें)	-	-	-	-	-	-	-	-	-
कुल (क)	**6,018,040**	**8,886,583**	**107,160,233**	**279,168**	**22,173,496**	**20,503,613**	**8,288,440**	**173,309,572**	**122,065,061**
ख.									
निधियों के उद्देश्य के प्रति उपयोग/व्यय									-
i. पूंजी व्यय	-	-	-	-	-	-	-	-	2,361,099
ii. राजस्व व्यय	50,000	533,044	-	-	250,715	707,145	471,027	1,961,931	467,864
कुल (ख)	**50,000**	**533,044**	**-**	**-**	**250,715**	**707,145**	**471,027**	**1,961,931**	**2,828,963**
वर्ष के अंत में शेष (क-ख)	5,968,040	8,353,539	107,160,233	279,168	21,922,781	19,796,468	7,817,413	171,297,641	119,236,098
निम्न द्वारा प्रतिनिधित्व									
नकद एवं बैंक शेष	-	-	-	-	-	-	-	-	-
निवेश	4,100,000	8,100,000	68,900,000	235,000	21,922,781	19,796,468	6,000,000	129,054,248	94,456,297
ब्याज अर्जित लेकिन देय नहीं	371,149	666,395	6,132,665	23,793	-	-	548,227	7,742,229	-

(डॉ. मधुकर गोयल)
ए.ओ. (लेखा)

(सुधीर चंद्रा)
कंसल्टंट वित्त

भारतीय प्रबंधन संस्थान काशीपुर

अनुसूची - 3 : चालू देयताएं एवं प्रावधान

(राशि रु. में)

विवरण	2019-20	2018-19
क. चालू देयताएं		
1. कर्मचारियों से जमा	712,811	1,014,993
2. विद्यार्थियों से जमा	15,943,114	16,902,021
3. विविध लेनदार		
क) माल एवं सेवाओं के लिए	-	-
4. अन्य से जमाराशियां		
क) प्रतिभूतियां एवं ईएमडी	12,271,158	17,472,850
5. सांविधिक देयताएं		
क) सांविधिक देयताएं (टीडीएस, जीएसटी, श्रम उपकर, एनपीएस)	4,788,119	6,303,118
6. अन्य चालू देयताएं		
क) परामर्शी परियोजनाएं	2,386,642	1,733,528
ख) प्रबंधन विकास कार्यक्रम	3,141,881	12,502,500
ग) प्रायोजित फैलोशिप एवं छात्रवृत्ति के प्रति प्राप्तियां	494,940	3,557,450
घ) अप्रयुक्त अनुदान	5,326,837	303,792,597
ङ) अनुसंधान परियोजनाएं	1,116,577	2,518,184
च) वेतन	-	-
छ) कर्मचारी कल्याण कोष	-	-
ज) अन्य देयताएं	11,702,812	854,602
झ) परियोजना पर ऋण	-	-
ञ) एसजीएस बीजी नकदीकरण एवं अन्य	8,500,000	8,500,000
ट) एसपीसीपीएल	5,196,482	5,195,854
ठ) एल.डी. पर ब्याज	29,983,561	-
कुल (क)	**101,564,934**	**380,347,697**
ख. प्रावधान		
क) वेतन के लिए	-	6,898,046
ख) प्रावधान 19-20	34,427,500	41,356,368
कुल (ख)	**34,427,500**	**48,254,414**
कुल (क+ख)	**135,992,434**	**428,602,111**

(डॉ. मधुकर गोयल)
ए.ओ. (लेखा)

(सुधीर चंद्रा)
कंसल्टंट वित्त

भारतीय प्रबंधन संस्थान काशीपुर

अनुसूची - 3(ख) : प्रायोजित फेलोशिप एवं छात्रवृत्तियां

(राशि रु. में)

क्र. सं	2. प्रायोजक का नाम	01.04.19 को प्रारम्भिक शेष		वर्ष के दौरान लेन-देन		31.03.20 को अंतिम शेष	
		क्रे.	डे.	क्रे.	डे.	क्रे.	डे.
1	जनजातीय मामलों के मंत्रालय	731,160		-	731,160	-	
2	सामाजिक न्याय मंत्रालय	2,199,900	-	-	1,704,960	494,940	-
3	महाराष्ट्र राज्य	626,390	-	-	626,390	-	-
	कुल	**3,557,450**	**-**	**-**	**3,062,510**	**494,940**	**-**

अनुसूची - 3(ग) : भारत सरकार से अप्रयुक्त अनुदान

(राशि रु. में)

विवरण	2019-20	2018-19
भारत सरकार से योजना अनुदान		
शेष अग्रेनीत	303,792,597	785,691,482
जोड़ें: वर्ष के दौरान प्राप्तियां		
जीआईए- पूंजी सृजन	-	270,000,000
जीआईए-वेतन	-	-
जीआईए-सामान्य	-	115,000,000
कुल (क)	**303,792,597**	**1,170,691,482**
घटाएं: वापसी	-	-
घटाएं: राजस्व व्यय के लिए प्रयुक्त	-	-
क) वेतन	-	60,571,359
ख) सामान्य	-	122,971,199
घटाएं: पूंजीगत व्यय के लिए प्रयुक्त:		
क) अचल परिसंपत्ति	105,213,900	89,838,124
ख) डब्ल्यूआईपी	193,251,860	593,518,204
कुल (ख)	**298,465,760**	**866,898,886**
अप्रयुक्त अनुदान (क)-(ख)	**5,326,837**	**303,792,597**

(डॉ. मधुकर गोयल)
ए.ओ. (लेखा)

(सुधीर चंद्रा)
कंसल्टंट वित्त

भारतीय प्रबंधन संस्थान काशीपुर

अनुसूची - 4 : स्थिर परिसंपत्तियां

(राशि रु. में)

वर्ष 2019-20 के लिए आईआईएम काशीपुर के वार्षिक वित्तीय विवरण का अंग बननेवाली अनुसूचियां

क्र. सं.	परिसंपत्तियां शीर्षक	सकल खंड					मूल्यहास खंड				निवल खंड	
		रेट पीए (एसएलएम)	01.04.2019 को प्रारम्भिक शेष	वर्ष के दौरान परिवर्धन	समायोजन/बट्टे खाते में (मूल्हास पद्धति में परिवर्तन के कारण)	31.03.20 को शेष	मूल्यहास प्रारम्भिक	वर्ष के दौरान शेष	समायोजन/ बट्टे खाते में (मूल्हास पद्धति में परिवर्तन के कारण)	कुल मूल्यहास	31.03.20 को	31.3.2019 को
	1	2	3	4	6	7	8	9	10	11	12	13
क	**मूर्त परिसंपत्ति**											
1	भूमि (फ्री होल्ड)	0.00%	1	-	-	1	-	-	-	-	1	1
2	कार्यस्थल विकास	0.00%	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
3	भवन	2.00%	500,000	8,419,394	-	8,919,394	10,000	178,388	-	188,388	8,731,006	61,871,303
4	देहरादून समेत चारदीवारी	2.00%	83,685,556	-	-	83,685,556	3,357,835	1,673,711	-	5,031,546	78,654,010	18,946,417
5	सड़क एवं पुल	2.00%	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
5	नलकूप एवं जलापूर्ति	2.00%	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
6	सीवरेज एवं ड्रेनेज	2.00%	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
7	विद्युत स्थापना एवं उपकरण	5.00%	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
8	संयंत्र एंव मशीनरी	5.00%	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
9	वैज्ञानिक एवं प्रयोगशाला उपकरण	8.00%	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
10	कार्यालय उपकरण	7.50%	25,921,633	29,854,092	-	55,775,725	11,129,547	4,183,179	-	15,312,726	40,462,999	14,792,086
11	श्रव्य दृश्य उपकरण	7.50%	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
12	कंप्यूटर सहायक उपकरण	20.00%	21,910,468	5,358,724	-	27,269,191	15,395,337	3,231,404	-	18,626,741	8,642,451	6,515,131
13	फर्नीचर, फिक्सचर एंड फीटिंग्स	7.50%	25,650,832	41,768,660	-	67,419,492	10,799,168	5,056,462	-	15,855,630	51,563,862	14,851,664
14	वाहन	10.00%	43,185	-	-	43,185	19,675	4,319	-	23,994	19,192	23,511
15	पुस्तकालय पुस्तकें एवं वैज्ञानिक पत्रिकाएं	10.00%	30,256,028	142,236	-	30,398,264	14,635,658	3,039,826	-	17,675,484	12,722,780	15,620,370
16	छोटे मूल्य की परिसंपत्तियां	100.00%	501,345	-	-	501,345	501,345	-	-	501,345	-	-
	कुल (क)		**188,469,048**	**85,543,106**	**-**	**274,012,153**	**55,848,566**	**17,367,289**	**-**	**73,215,855**	**200,796,299**	**132,620,483**
ख	**पूंजी कार्य प्रगति**		-									-
17	भवन निर्माण	0%	2,804,762,317	193,251,860	-	2,998,014,177	-	-	-	-	2,998,014,177	2,804,762,317
	कुल (ख)		**2,804,762,317**	**193,251,860**	**-**	**2,998,014,177**	**-**	**-**	**-**	**-**	**2,998,014,177**	**2,804,762,317**
C	**अमूर्त परिसंपत्तियां**											
1	वेब विकास/सॉफ्टवेयर	40%	3,411,478	154,828	-	3,566,306	1,044,020	1,105,952	-	2,149,972	1,416,334	-
2	ई-पत्रिकाएं	40%	16,015,560	20,263,006	-	36,278,566	7,207,651	14,511,426	-	21,719,077	14,559,489	11,175,367
3	पेटेंट (9 वर्ष)		-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
	कुल (ग)		**19,427,038**	**20,417,834**	**-**	**39,844,872**	**8,251,671**	**15,617,378**	**-**	**23,869,049**	**15,975,823**	**11,175,367**
	कुल योग (क+ख+ग)		**3,012,658,403**	**299,212,800**	**-**	**3,311,871,203**	**64,100,237**	**32,984,667**	**-**	**97,084,904**	**3,214,786,299**	**2,948,558,167**

(डॉ. मधुकर गोयल)
ए.ओ. (लेखा)

(सुधीर चंद्रा)
कंसल्टंट वित्त

भारतीय प्रबंधन संस्थान काशीपुर

अनुसूची - 5 : चिन्हित/बंदोबस्ती निधियों से निवेश

(राशि रु. में)

विवरण	2019-20	2018-19
1. निवेश मूल्यह्रास निधि	68,900,000	46,800,000
2. निवेश ग्रेच्युटी फंड (एलआईसी के साथ)	19,796,468	16,900,045
3. निवेश अवकाश नकदीकरण कोष (एलआईसी के साथ)	21,922,781	17,021,253
4. निवेश एमडीपी विकास निधि	6,000,000	4,450,000
5. निवेश पीजीपी एलुमिनी निधि	8,100,000	6,100,000
6. निवेश कर्मचारी कल्याण निधि	4,100,000	2,950,000
7. निवेश विद्यार्थी कल्याण निधि	235,000	235,000
कुल	**129,054,248**	**94,456,297**

अनुसूची - 6 : निवेश अन्य

(राशि रु. में)

विवरण	2019-20	2018-19
1. बैंकों में सावधि जमा	1,272,300,000	1,065,000,000
कुल	**1,272,300,000**	**1,065,000,000**

अनुसूची - 7 : चालू परिसंपत्तियां

(राशि रु. में)

विवरण	2019-20	2018-19
1. मौजूदा स्टॉक (स्टेशनरी एवं विद्युत)		
स्टेशनरी विद्युत सामग्री	2,814,238	936,797
2. विविध देनदार	5,913,052	8,177,871
3. नकद एवं बैंक शेष:		
क) वर्तमान नकद	-	-
बी) अनुसूचित बैंकों में:		
पीएनबी इंप्रेस खाता (4534000100090491)	359,210	-
पीएनबी खाता (4534000100028306)	10,175,719	103,736,180
पीएनबी खाता (4534000100085897)	1,205	1,350
यस बैंक लिमिटेड (005394600000021)	-	-
आईडीबीआई बैंक	-	-
आरबीएल बैंक (309006195247)	22,518,083	12,335,285
स्टेट बैंक ऑफ इंडिया	19,069,999	102,887,312
एसबीआई (विश्व बैंक परियोजना)	757,734	734,417
4. प्राप्य		
शुल्क प्राप्य	4,683,630	1,641,507
अन्य प्राप्तियोग्य	145,670	81,396
कुल	**66,438,540**	**230,532,115**

(डॉ. मधुकर गोयल)
ए.ओ. (लेखा)

(सुधीर चंद्रा)
कंसल्टंट वित्त

भारतीय प्रबंधन संस्थान काशीपुर

अनुसूची - 8 : ऋण, अग्रिम एवं जमा

(राशि रु. में)

विवरण	2019-20	2018-19
1. कर्मचारियों को अग्रिम: (ब्याज रहित)		
क) वेतन/त्योहार/चिकित्सा अग्रिम	-	-
ख) अन्य (कर्मचारियों के लिए)	662,444	959,992
2. कर्मचारियों को दीर्घकालिक अग्रिम: (ब्याजवाला)		
क) गृह/वाहन/अन्य ऋण	-	-
3. नकद या वस्तु के रूप में या प्राप्त होने वाले मूल्य के लिए अग्रिम और वसूली योग्य अन्य राशि :		
क) पूंजी खाते पर	3,681,001	63,860,145
ख) ठेकेदारों को (मोबिलाइजेशन एवं अन्य)	45,116,241	94,365,007
ग) विद्यार्थियों के लिए	-	138,771
घ) अन्य	19,244,152	8,266,820
4. पूर्वदत्त व्यय		
क) बीमा एवं अन्य	8,047,743	5,424,967
5. जमा		
क) टेलिफ़ोन	16,999	16,999
ख) लीज किराया	918,091	973,900
ग) बिजली	4,080,419	4,046,504
घ) अन्य (मेस गैस)	46,500	46,500
ङ) अग्रदाय खाता	27,000	-
6. अर्जित आय:		
क) निवेश पर - (ब्याज)	98,419,183	96,154,077
7. अन्य प्राप्य:		
क) वसूली योग्य अनुदान (एमएचआरडी से)	-	89,800,000
8. प्राप्य दावे	-	-
क) टीडीएस प्राप्य	29,149,684	20,420,414
ख) अन्य	-	-
कुल	**209,409,457**	**384,474,096**

(डॉ. मधुकर गोयल)
ए.ओ. (लेखा)

(सुधीर चंद्रा)
कंसल्टंट वित्त

भारतीय प्रबंधन संस्थान काशीपुर

अनुसूची - 9 : शैक्षणिक प्राप्तियां

(राशि रु. में)

विवरण	2019-20	2018-19
अनुसूची 9.1 स्नातकोत्तर कार्यक्रम		
▪ पुस्तकें एवं पाठ्यक्रम सामग्री	37,752,600	30,984,600
▪ छात्रावास शुल्क	64,960,600	58,778,550
▪ विद्यार्थियों की गतिविधियां/कल्याण	6,352,320	5,740,770
▪ ट्यूशन फीस	186,337,424	167,784,415
▪ कंप्यूटर शुल्क	11,803,710	10,664,800
▪ पुस्तकालय शुल्क	11,803,710	10,672,200
▪ नियोजन शुल्क	6,337,500	5,642,500
▪ जुर्माना एवं अन्य शुल्क	1,802,789	3,304,338
▪ पुनर्गठन कार्यक्रम शुल्क	1,597,463	694,411
▪ चिकित्सा शुल्क	1,040,000	1,036,000
▪ अन्य से छात्रवृत्ति (प्राप्त)	10,575,000	5,618,790
कुल (9.1)	**340,363,116**	**300,921,374**
अनुसूची 9.2 एक्सेक्यूटिव पोस्ट ग्रेजुएट कार्यक्रम ऑफ मैनेजमेंट (ईपीजीपीएम)		
▪ आवेदन शुल्क	110,000.00	84,000.00
▪ पाठ्यक्रम सामग्री शुल्क	780,920.00	692,200.00
▪ पुस्तकालय शुल्क	532,280.00	479,800.00
▪ ट्यूशन शुल्क	21,724,000.00	18,592,280.00
कुल (9.2)	**23,147,200**	**19,848,280**
अनुसूची 9.3 एक्सेक्यूटिव फेलो कार्यक्रम ऑफ मैनेजमेंट (ईएफपीएम)		
▪ आवेदन शुल्क	-	213,000.00
▪ ट्यूशन फीस	5,075,260.00	7,070,000.00
▪ लॉजिंग/बोर्डिंग	-	1,016,667.00
▪ अन्य शुल्क	-	23,420.00
कुल (9.3)	**5,075,260.00**	**8,323,087.00**
अनुसूची 9.4 मैनेजमेंट डेवलपमेंट कार्यक्रम (एमडीपी)		
▪ खुला कार्यक्रम शुल्क	-	-
▪ प्रायोजित कार्यक्रम शुल्क	36,525,900	27,703,657
कुल (9.4)	**36,525,900**	**27,703,657**
अनुसूची 9.5 कंसल्टिंग आय		
▪ कंसल्टिंग आय	182,686	5,080,240
कुल (9.5)	**182,686**	**5,080,240**
अनुसूची 9.6 एफपीएम प्राप्तियां		
▪ आवेदन/अन्य शुल्क	90,000	227,000
कुल (9.6)	**90,000**	**227,000**
कुल योग (9.1 से 9.6)	**405,384,162**	**362,103,638**

(डॉ. मधुकर गोयल)
ए.ओ. (लेखा)

(सुधीर चंद्रा)
कंसल्टंट वित्त

भारतीय प्रबंधन संस्थान काशीपुर

अनुसूची - 10 : अनुदान एवं सब्सिडियां (अप्राप्य अनुदान प्राप्त)

(राशि रु. में)

विवरण	भारत सरकार	चालू वर्ष कुल	विगत वर्ष कुल
शेष अग्रेसित	303,792,597	303,792,597	785,691,483
जोड़ें : वर्ष के दौरान स्वीकृत/प्राप्त	-	-	385,000,000
कुल	**303,792,597**	**303,792,597**	**1,170,691,483**
घटाएं: पूंजीगत व्यय के लिए प्रयुक्त (क)	298,465,760	298,465,760	683,356,328
शेष	5,326,836.56	5,326,836.56	487,335,155
घटाएं: राजस्व व्यय के लिए प्रयुक्त (ख)	-	-	183,542,558
कॉर्पस में अंतरण			
शेष अग्रानीत (ग)	**5,326,837**	**5,326,837**	**303,792,597**

अनुसूची - 11 : निवेश से आय

(राशि रु. में)

विवरण	चिन्हित/बंदोबस्ती निधियां		अन्य निवेश	
	चालू वर्ष	विगत वर्ष	चालू वर्ष	विगत वर्ष
निर्धारित/बंदोबस्ती निधि से निवेश				
1) (क) निधियों की सावधि जमा पर ब्याज	7,973,957	5,897,327	91,603,591	
(ख) सावधि जमा पर ब्याज	-	-	-	77,668,496
2) बंदोबस्ती/निर्धारित निधियों के बचत बैंक खातों पर ब्याज	-	-		
कुल	**7,973,957**	**5,897,327**	**91,603,591**	**77,668,496**
निर्धारित / बंदोबस्ती निधि में अंतरण	7,973,957	5,897,327		
शेष	**-**	**-**		

अनुसूची - 12 : अर्जित ब्याज

(राशि रु. में)

विवरण	चालू वर्ष	विगत वर्ष
1. अनुसूचित बैंकों के बचत खाते पर		
2. देनदार एवं अन्य प्राप्तियां	7,238,347	52,442,709
कुल	**16,924,712**	**66,524,126**

(डॉ. मधुकर गोयल)
ए.ओ. (लेखा)

(सुधीर चंद्रा)
कंसल्टंट वित्त

भारतीय प्रबंधन संस्थान काशीपुर

अनुसूची - 13 : अन्य आय एवं वसूलियां

(राशि रु. में)

विवरण	2019-20	2018-19
क. भूमि एवं भवन से आय		
1. किराया	451,852	334,413
2. लाइसेंस शुल्क	221,640	223,833
3. सभागार/खेल का मैदान/कॉन्वेंशन सेंटर आदि का किराया प्रभार।	-	-
कुल	**673,492**	**558,246**
ख. संस्थान के प्रकाशनों की बिक्री	-	-
ग. आयोजनों से आय	-	-
कुल	**-**	**-**
घ. अन्य		
1. आरटीआई फीस	270	340
2. (भर्ती) से आवेदन की बिक्री	3,559	22,275
3. विविध प्राप्तियां (निविदा प्रसंस्करण शुल्क आदि)	54,475	45,822
4. पुस्तकालय की पुस्तकों को देर से जमा करने पर जुर्माना	107,498	183,256
5. विविध आय	488,000	218,942
कुल	**653,802**	**470,635**
कुल योग (क+ख+ग+घ)	**1,327,294**	**1,028,880**

अनुसूची - 14 : पूर्वावधि आय

(राशि रु. में)

विवरण	2019-20	2018-19
1. कैट शेयर	17,071,308	14,096,568
कुल	17,071,308	14,096,568

(डॉ. मधुकर गोयल)
ए.ओ. (लेखा)

(सुधीर चंद्रा)
कंसल्टंट वित्त

भारतीय प्रबंधन संस्थान काशीपुर

अनुसूची - 15 : कर्मचारी भुगतान एवं लाभ (स्थापना व्यय)

(राशि रु. में)

विवरण	2019-20	2018-19
क) वेतन एवं भत्ते		
▪ मूल वेतन	66,327,876	69,729,444
▪ डी.ए.	9,235,243	8,319,429
▪ एच.आर.ए.	1,223,264	896,443
▪ परिवहन भत्ता	2,026,968	1,867,938
ख) अन्य लाभ		
▪ मेडिकल	7,188,232	5,256,055
▪ एल.टी.ए.	5,368,208	5,823,634
▪ बोनस	179,606	451,898
▪ मनोरंजन	87,900	-
▪ टेलिफोन	411,534	573,111
▪ ट्यूशन शुल्क की प्रतिपूर्ति (बाल शिक्षा भत्ता)	724,000	734,140
▪ सीपीडीए	1,191,046	2,366,659
▪ एफडीए	1,415,620	1,623,579
▪ एसडीए	549,524	838,882
ग) टर्मिनल लाभ		
▪ एनपीएस में योगदान	9,688,746	6,400,479
▪ ग्रेच्युटी योगदान	3,139,003	5,465,914
▪ अवकाश नकदीकरण योगदान	4,583,782	4,837,852
▪ पीएफ में योगदान	256,245	33,968
कुल	**113,596,797**	**115,219,424**

(डॉ. मधुकर गोयल)
ए.ओ. (लेखा)

(सुधीर चंद्रा)
कंसल्टंट वित्त

भारतीय प्रबंधन संस्थान काशीपुर

अनुसूची - 16 : शैक्षणिक व्यय

(राशि रु. में)

विवरण	2019-20	2018-19
अनुसूची 16.1 स्नातकोत्तर कार्यक्रम		
▪ प्रवेश व्यय	7,865,786	5,296,338
▪ परिवहन व्यय	1,576,685	2,306,719
▪ विजिटिंग फैकल्टी मानदेय	11,820,253	6,724,200
▪ पीजीपी-विजिटिंग फैकल्टी टीए	2,923,256	3,189,173
▪ पीजीपी पुस्तकें एवं पाठ्यक्रम सामग्री	15,923,457	22,718,428
▪ पीजीपी इंडक्शन व्यय	1,558,793	1,392,915
▪ पीजीपी परीक्षा व्यय	768,180	429,680
▪ दीक्षांत समारोह	1,030,626	3,611,699
▪ चिकित्सा व्यय	1,707,081	811,420
▪ छात्रावास व्यय	13,350,312	12,031,907
▪ शिक्षण सहयोग कर्मचारी वेतन	2,095,402	-
▪ आकस्मिकता एवं अन्य व्यय	1,916,075	379,523
▪ नियोजन व्यय	4,080,656	4,026,272
▪ विद्यार्थी गतिविधि	4,044,941	2,301,299
▪ फैकल्टी रिवॉर्ड पॉइंट	15,811,735	9,310,077
कुल (क)	**86,473,238**	**74,529,650**
▪ पीजीपी छात्रवृत्ति		
▪ आवश्यकता-सह-योग्यता आधारित छात्रवृत्ति	6,489,045	4,942,663
▪ अन्य से छात्रवृत्ति (भुगतान किया गया)	10,575,000	5,618,790
कुल (ख)	**17,064,045**	**10,561,453**
कुल (क+ख)	**103,537,283**	**85,091,103**
अनुसूची 16.2 एक्सेक्यूटिव पोस्ट ग्रेजुएट कार्यक्रम ऑफ मैनेजमेंट (ईपीजीपीएम)		
▪ प्रवेश विज्ञापन एवं प्रचार	655,860	456,930
▪ पुस्तकें एवं सीखने का संसाधन	1,313,278	2,288,127
▪ आतिथ्य भोजन एवं आवास	303,545	667,507
▪ विजिटिंग फैकल्टी मानदेय	1,658,000	1,071,954
▪ कार्यालय व्यय, पी एंड एस एवं आकस्मिकता	623,063	320,357
▪ ईपीजीपीएम किराया	1,946,968	1,451,717
▪ विजिटिंग फैकल्टी टीए/डीए व्यय	1,027,630	733,614
▪ परीक्षा व्यय	62,473	-
▪ परिवहन व्यय	107,429	-
▪ ईपीजीपीएम वेतन व्यय	3,788,569	3,413,510
▪ ईपीजीपीएम सुरक्षा	873,669	848,980
कुल	**12,360,484**	**11,252,696**
अनुसूची 16.3 एक्सेक्यूटिव फेलो कार्यक्रम ऑफ मैनेजमेंट (ईएफपीएम)		
▪ प्रवेश व्यय (विज्ञापन एवं प्रवेश)	9,450	155,500
▪ पुस्तकें एवं सीखने के संसाधन	48,520	105,838
▪ भोजन एवं आवास व्यय	272,109	926,302
▪ विजिटिंग फैकल्टी मानदेय	51,036	154,000
▪ विजिटिंग फैकल्टी यातायात व्यय	13,502	17,888
▪ आकस्मिकता एवं अन्य	37,463	39,683

भारतीय प्रबंधन संस्थान काशीपुर

अनुसूची - 16 : शैक्षणिक व्यय (क्रमशः...)

(राशि रु. में)

विवरण	2019-20	2018-19
कुल	**432,080**	**1,399,211**
अनुसूची 16.4 मैनेजमेंट डेवलपमेंट प्रोग्राम्स (एमडीपी)		
▪ प्रचार व्यय	23,764	91,137
▪ राजस्व व्यय	26,581,420	19,457,179
कुल	**26,605,184**	**19,548,316**
अनुसूची 16.5 परामर्श व्यय		
▪ परामर्श व्यय	-	3,936,055
कुल	**-**	**3,936,055**
अनुसूची 16.6 एफपीएम व्यय		
▪ पुस्तकें और सीखने के संसाधन	86,005	168,130
▪ प्रवेश व्यय	735,149	-
▪ आकस्मिकता व्यय	22,558	134,665
▪ छात्रवृत्ति / वजीफा व्यय	12,483,493	9,059,705
▪ आकस्मिक अनुदान	624,424	421,906
▪ विजिटिंग फैकल्टी व्यय	38,133	365,950
▪ उपकरण अनुदान	353,000	649,000
▪ शैक्षणिक व्यय	1,039,599	222,402
कुल	**15,382,361**	**11,021,758**
अनुसूची 16.7 अनुसंधान एवं विकास व्यय		
▪ अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन	1,300,318	3,529,359
▪ राष्ट्रीय सम्मेलन	294,484	356,555
▪ क्षमता निर्माण-कर्मचारी	39,237	198,416
▪ एएसीएसबी प्रत्यायन	1,426,895	24,117
▪ आईआरसी	27,169	9,353
▪ एमपीआरसी	223,455	74,769
▪ अन्य पुस्तकालय संसाधन	11,790,181	9,745,707
▪ अनुसंधान एवं विकास व्यय	518,353	569,171
▪ सॉफ्टवेयर लाइसेंस	913,220	1,526,695
▪ वेब रखरखाव	2,894,000	3,616,798
▪ संस्थागत सदस्यता शुल्क	598,600	-
▪ प्रकाशन पुरस्कार	2,494,985	-
▪ सामाजिक गतिविधि (सीएसआर)	419,178	-
▪ एंटरप्राइज रिसोर्स प्लानिंग (ईआरपी)	-	151,432
▪ आईटी रखरखाव (एएमसी)	723,094	505,613
कुल	**23,663,169**	**20,307,984**
कुल योग (16.1 से 16.7)	**181,980,561**	**152,557,123**

(डॉ. मधुकर गोयल)
ए.ओ. (लेखा)

(सुधीर चंद्रा)
कंसल्टंट वित्त

भारतीय प्रबंधन संस्थान काशीपुर

अनुसूची - 17 : प्रशासनिक एवं सामान्य व्यय

(राशि रु. में)

विवरण	2019-20	2018-19
क. आधारभूत संरचना		
▪ विद्युत और बिजली और ईंधन	14,202,127	10,370,854
▪ बीमा	33,218	1,926,538
ख. संचार		
▪ डाक और स्टेशनरी व्यय	52,757	80,149
▪ टेलीफोन, फैक्स एवं इंटरनेट शुल्क	46,582	51,188
ग. अन्य		
▪ मुद्रण एवं स्टेशनरी	120,699	425,081
▪ यात्रा एवं वाहन व्यय	72,218	186,913
▪ आतिथ्य (आतिथ्य और गेस्ट हाउस व्यय)	801,482	476,981
▪ लेखा परीक्षा शुल्क एवं व्यय	574,298	245,573
▪ सुरक्षा व्यय	5,808,477	6,130,319
▪ टीए/डीए एवं ओवरटाइम	1,180,556	980,954
▪ किराए के आवास का किराया	301,910	1,990,621
▪ बीओजी व्यय	1,927,529	1,265,173
▪ सफाई एवं रखरखाव कार्यालय/कार्यालय रखरखाव	7,365,364	5,377,706
▪ कानूनी व्यय	2,630,035	1,273,262
▪ आधिकारिक कार्य	541,623	154,635
▪ भर्ती व्यय	5,888,056	3,245,494
▪ अन्य व्यय (प्रोफेशनल एवं विविध व्यय)	446,516	543,272
▪ कर्मचारी कल्याण	128,984	280,350
▪ बागवानी	3,816,907	2,192,113
▪ भविष्य निधि में योगदान	-	-
कुल	**45,939,338**	**37,197,175**

अनुसूची - 18 : परिवहन व्यय

(राशि रु. में)

विवरण	2019-20	2018-19
परिवहन व्यय	1,377,678	1,293,784
कुल	**1,377,678**	**1,293,784**

(डॉ. मधुकर गोयल)
ए.ओ. (लेखा)

(सुधीर चंद्रा)
कंसल्टंट वित्त

भारतीय प्रबंधन संस्थान काशीपुर

अनुसूची - 19 : मरम्मत एवं रखरखाव

(राशि रु. में)

विवरण	2019-20	2018-19
क) भवन	4,748,678	3,351,500
ख) कार्यालय उपकरण	3,821,416	1,043,072
ग) फर्नीचर एवं अन्य	28,618	32,518
कुल	**8,598,712**	**4,427,090**

अनुसूची - 20 : वित्त लागत

(राशि रु. में)

विवरण	2019-20	2018-19
क) बैंक प्रभार	33,541	12,453
ख) अन्य (एनपीएस रखरखाव व्यय)	8,441	10,693
कुल	**41,982**	**23,146**

अनुसूची - 21 : अन्य व्यय

(राशि रु. में)

विवरण	2019-20	2018-19
क) अशोध्य और संदिग्ध ऋण/अग्रिमों के लिए प्रावधान	-	-
कुल	-	-

अनुसूची - 22 : पूर्वावधि व्यय

(राशि रु. में)

विवरण	2019-20	2018-19
क) शैक्षणिक व्यय	4,503,461.00	8,725,781.00
ख) प्रशासनिक व्यय	-	7,193,187.00
ग) अन्य व्यय	-	9,117,405.00
कुल	**4,503,461**	**25,036,373.00**

(डॉ. मधुकर गोयल)
ए.ओ. (लेखा)

(सुधीर चंद्रा)
कंसल्टंट वित्त

IIM Kashipur

IIM KASHIPUR

भारतीय प्रबंधन संस्थान काशीपुर

कुंडेश्वरी, काशीपुर, जिला - उधम सिंह नगर

उत्तराखंड - 244713, भारत

www.iimkashipur.ac.in

cygnusadvertising.in